- जबलपुर, सोमवार
- दिनांक 23 फरवरी 2026
- वर्ष 31 अंक 241
- पृष्ठ 12
- मूल्य ₹ 3.00

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'जोखिम अवश्य उठाना चाहिए, क्योंकि जीवन में सबसे बड़ा जोखिम है कोई जोखिम न उठाना'

2 घर-घर जाकर मोबाइल ऐप ...

5 मवई में जिम्मेदारों की लापरवाही ...

7 एयरस्ट्राइक का बदला जरूर लेंगे ...

11 प्रदेश में विकास को बनाया ...

रोजगार सृजन की 'धुरी' बनेंगे देवस्थान : डॉ. मोहन यादव

टेंपल, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म से बनेगा नया मध्यप्रदेश

इंदौर।

राज्य सरकार हर क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार नई टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री को बढ़ावा दे रही हैं। बजट के माध्यम से हर सेक्टर में विकास को गति दी गई है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश देवस्थानों और पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में उभरेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में कही। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान कई क्षेत्रों में है। सरकार यह प्रयास कर रही है कि मंदिर प्रबंधन को अर्थव्यवस्था से जोड़कर रोजगार के अवसर कैसे बढ़ाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 13 नए लोक विकसित किए जा रहे हैं और एआई से लेकर डिजिटल तकनीक तक हर क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। आने वाले समय में प्रदेश हेल्थ टूरिज्म का भी प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने इंदौर एयरपोर्ट पर स्वामी यतींद्र गिरी महाराज ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने बताया कि सरकार ने विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर टेंपल मैनेजमेंट के लिए अकादमिक पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत मंदिरों की वित्तीय व्यवस्था, प्रशासन, सुरक्षा, धार्मिक अनुष्ठान, कला और ललित कला को प्रोत्साहन दिया जाएगा। मूर्ति शिल्प को भी प्रदेश में ही बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर बनेंगे। महाकाल की फाइबर प्रतिमा को हटाकर स्टोन और मेटल की प्रतिमाएं स्थापित करने का निर्णय भी इसी दिशा में उठाया गया कदम है, जिससे कारीगरों और शिल्पकारों को काम मिल रहा है।

विकसित हो रहे धार्मिक स्थल

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर सदैव आस्था और श्रद्धा के केंद्र रहे हैं, लेकिन उनसे जुड़े वित्तीय और प्रबंधन पक्ष भी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के बाद देश में सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र उज्जैन के रूप में उभरा है। इसी तर्ज पर ओंकारेश्वर, मैहर की माताजी, राजाराम लोक, ओरछा और सलकनपुर जैसे धार्मिक स्थलों को भी विकसित किया जा रहा है।

टेंपल मैनेजमेंट कोर्स भी चल रहा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय के माध्यम से टेंपल मैनेजमेंट कोर्स, डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन कोर्सों में सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि मंदिर प्रबंधन को पेशेवर और रोजगारपरक बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने पथराव में घायल भाजपा नेत्री बिंदु चौहान से सीएचएल हॉस्पिटल में मुलाकात की।

आज 5 गिद्धों को हलाली डेम क्षेत्र में करेंगे मुक्त

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 फरवरी सोमवार को हलाली डेम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्धों को प्राकृतिक आवास में मुक्त करेंगे। इनमें चार भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) और एक सिनेरियस गिद्ध (एजिपीयस मोनाकस) शामिल हैं। उच्च परिशुद्धता वाले जीपीएस-जीएसएम उपग्रह ट्रांसमीटरों से सुसज्जित पाँच दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों को भोपाल स्थित गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र में व्यवस्थित अनुकूलन और अवलोकन अवधि के बाद मुक्त किया जा रहा है। टैगिंग प्रक्रिया सभी संबंधित संस्थाओं एवं वन विभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वाइल्डलाइफ एसओएस के वन्यजीव पशु चिकित्सक की देखरेख में हुई। यह पहल मध्यभारत के विकसित होते 'गिद्ध परिदृश्य' को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जहाँ भारतीय गिद्ध सामान्यत: एक ही क्षेत्र में रहते हैं, वहीं सिनेरियस गिद्ध मध्य एशियाई फ्लाईवे के अंतर्गत लंबी दूरी का प्रवास करते हैं, जो 30 से अधिक देशों तक फैला विश्व का एक प्रमुख प्रवासी पक्षी गलियारा है। पक्षी संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्यप्रदेश वन विभाग ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के सहयोग से गिद्धों की गतिविधियों और निगरानी के लिए उपग्रह टेलीमेट्री कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

मोदी तारीफ करते रहे, ट्रम्प टैरिफ लगाते रहे

कांग्रेस सांसद बोले- अमेरिका से ट्रेड डील किसानों के गले में फंदा

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि पीएम मोदी तारीफ करते रहते हैं, जबकि ट्रम्प टैरिफ लगाते रहते हैं। मैं यह राष्ट्रपति ट्रम्प के बयानों के आधार पर कह रहा हूं। जयराम रमेश ने कहा कि अगर समझौता होना है तो बराबरी का होना चाहिए। लेन-देन का मतलब यह नहीं है कि भारत सिर्फ देता रहेगा और कुछ लेगा नहीं। रमेश ने कहा कि यह डील संतुलित नहीं बल्कि एकतरफा है। इसका सबसे बड़ा असर देश के किसानों पर पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह समझौता मक्का, कपास, सोयाबीन, सेब, फल और अखरोट उगाने वाले किसानों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। क्या सरकार गारंटी दे सकती है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और राजस्थान के किसान इस डील से प्रभावित नहीं होंगे? रमेश ने कहा कि यह किसानों के गले में फांसी जैसा है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर भोपाल, यवतमाल और श्रीगंगानगर में 'महा किसान महा चौपाल' आयोजित करेगी।

प्रधानमंत्री से किए तीन सवाल

1. अगर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने वाला था, तो व्यापार समझौते को इतनी जल्दबाजी में लागू करने की जरूरत क्यों पड़ी?
2. जब टैरिफ 18% से घटाकर 10% किए गए, तो क्या भारत कृषि उत्पादों पर लगे कर को घटाने या हटाने की मांग करेगा?
3. रूस से तेल खरीद को लेकर ट्रम्प के बयानों और भारत के रुख में अंतर क्यों दिखाई देता है? वास्तविक स्थिति क्या है?

राहुल गांधी तथ्यों के साथ बोलते हैं

रमेश ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के राहुल गांधी पर दिए बयान का जवाब देते हुए कहा- राहुल लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। वे जिम्मेदारी से बोलते हैं, कैजुअली नहीं बोलते हैं। वे तथ्यों के आधार पर बोलते हैं और जो भी कहते हैं, उसके सबूत देते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती थी कि सदन में चर्चा हो। हमारी महिला सांसदों पर तरह-तरह के आरोप लगाए गए। इसलिए अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव अभी लंबित है। रिजिजू ने कहा है कि 9 तारीख को इस पर बहस होगी।

ऑपरेशन सिंदूर रोकने की घोषणा अमेरिका से क्यों?

रमेश ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि 10 मई 2025 को शाम 5.30 बजे ऑपरेशन सिंदूर को रोकने की पहली घोषणा अमेरिका से आई। सवाल है कि क्या मजबूरी थी? यह अप्रत्याशित था। कोई नहीं चाहता था कि ऑपरेशन सिंदूर रोका जाए। उन्होंने कहा कि अचानक अमेरिकी विदेश मंत्री ने 5.30 बजे यह कहा कि ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया गया है। रमेश ने पूछा कि भारत की संप्रभुता से जुड़े फैसले की घोषणा अमेरिका से क्यों हुई?

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बैठक टली

भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर वॉशिंगटन में होने वाली बैठक स्थगित कर दी है। यह बैठक 23-26 फरवरी को वॉशिंगटन में होने वाली थी। इस बैठक का मकसद 7 फरवरी को जारी 'जॉइंट स्टेटमेंट' के आधार पर कानूनी ड्राफ्ट तैयार करना था। दोनों पक्षों ने तय किया है कि हालिया टैरिफ बदलावों के कारण भारतीय टीम की यह यात्रा टाल दी गई है। इन बदलावों की समीक्षा के बाद बैठक की नई तारीख तय की जाएगी। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्रम्प के दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया था। जिसके बाद ट्रम्प ने शुक्रवार को ही दुनियाभर पर पहले 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया, फिर 24 घंटे के अंदर ही उसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से कहा

मार्क्सशीट से तय नहीं होता है आपका मूल्य

नई दिल्ली (वार्ता)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में बोर्ड और वार्षिक परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र का मूल्य उनके अंकपत्र से तय नहीं होता। उन्होंने छात्रों से कहा कि जो पढ़ा है, उसे आत्मविश्वास के साथ लिखें और अगर कोई सवाल न आए तो उसे मन पर हावी न होने दें। श्री मोदी ने कहा कि इस समय देश के बच्चों की परीक्षाएं चल रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताते हुये कहा कि छात्रों ने 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम से कुछ न कुछ जरूर सीखा होगा। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई का ज्यादा तनाव नहीं लेने की सलाह भी दी। श्री मोदी ने बच्चों को 'एग्जाम वॉरियर्स' बताते हुए कहा कि थोड़ी घबराहट होना स्वाभाविक है। हर पीढ़ी के छात्रों ने परीक्षा के समय यह महसूस किया है कि सब याद रहेगा या नहीं, समय कम तो नहीं पड़ जाएगा। लेकिन बच्चों को यह याद रखना चाहिए कि वे अकेले नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने माता-पिता और शिक्षकों से खुलकर बात करें। वे नंबरों से ज्यादा बच्चों की मेहनत और प्रयास को महत्व देते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश के बच्चे न केवल परीक्षा में सफल होंगे, बल्कि जीवन में भी नई ऊंचाइयों को छुएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल अरेस्ट और डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर भी चिंता जताते हुये लोगों से सतर्क रहने का आह्वान करते हुये कहा कि लोगों में जागरूकता बढ़ी है, लेकिन अभी भी कई लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं।

ईरानी नाव में मिली 5 करोड़ की विदेशी सिगरेट

पोरबंदर। भारतीय तटरक्षक बल ने एक बड़े समुद्री अभियान के तहत गुजरात के पोरबंदर के पास एक संदिग्ध विदेशी नाव को रोककर जांच की। इस नाव पर ईरानी चालक दल सवार था और इसमें तस्करी कर लाई जा रही विदेशी ब्रांड की बड़ी मात्रा में सिगरेट बरामद की गई।

चुनाव आयोग 27 साल बाद गोलमेज सम्मेलन करेगा

नई दिल्ली (वार्ता)। चुनाव आयोग 24 फरवरी को राजधानी के भारत मंडपम में आयोग और राज्य चुनाव अधिकारियों का एक गोलमेज सम्मेलन बुलाएगा जिसकी अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार करेंगे। इस सम्मेलन में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी उपस्थित रहेंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि यह सम्मेलन 27 साल के बाद हो रहा है। पिछली बार इसकी बैठक 1999 में हुई थी। एक आधिकारिक प्रेस नोट के मुताबिक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य चुनाव अधिकारी अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) भी इसमें भाग लेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चुनाव आयोग और राज्य चुनाव कार्यालयों के बीच अपने-अपने कानूनी ढांचे के अंदर चुनावी प्रक्रिया का प्रबंध करने में अधिक तालमेल बनाना है। इस चर्चा से विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच मिलने की उम्मीद है।

24 फरवरी को भारत मंडपम में होगा आयोजन

आसान होंगी चुनावी सेवाएं

सम्मेलन के दौरान चर्चा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता सूची को साझा करने के साथ-साथ चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत करने के उपायों पर फोकस होगी। आयोग के वरिष्ठ अधिकारी हाल ही में लॉच हुए ईसीआईएनईटी डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित मुख्य प्रौद्योगिकीय और परिचालन पहलों पर प्रस्तुति देंगे। उम्मीद है कि यह मंच चुनावी सेवाओं को आसान बनाने में एक बड़ा बदलाव लाने वाली भूमिका निभाएगा।

युवा वकीलों के साथ कांग्रेस का कानूनी अभियान तेज

चार बड़े कार्यक्रमों का ऐलान

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस कोषाध्यक्ष और सांसद अजय माकन और पार्टी के विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के अध्यक्ष अभिषेक मनु सिंघवी ने युवा वकीलों को पार्टी की मुख्यधारा से जोड़ने और सूचना के अधिकार कानून को मजबूत करने के लिये चार नयी पहलों की घोषणा की है। कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दोनों नेताओं ने इस आशय की घोषणा की है। पहली पहल 'कांग्रेस लीगल शोधार्थी प्रोग्राम' है, जिसके तहत 10 युवा वकीलों को तीन महीने तक सांसदों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। दूसरी पहल 'न्याय, नेता और नागरिक' पॉडकास्ट श्रृंखला है, जिसमें वरिष्ठ और युवा अधिवक्ता संवैधानिक एवं सामाजिक मुद्दों पर संवाद करेंगे। तीसरी पहल 'रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स' के तहत हर जिले में कम से कम पांच वकीलों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

100 विधायक लाइए, मुख्यमंत्री बन जाइए

अखिलेश यादव ने दोनों डिप्टी सीएम को दिया खुला ऑफर

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम को मुख्यमंत्री बनने का ऑफर दिया है। गोरखपुर में इलाज के दौरान कथित लापरवाही से 19 लोगों की आंखों की रोशनी जाने की घटना पर योगी सरकार को घेरते हुए, अखिलेश ने बीजेपी के भीतर जारी कथित अंतर्कलह पर तीखा तंज कसा है। अखिलेश यादव ने पुरानी पेशकश को दोहराते हुए कहा, हम अपना ऑफर फिर से दोहराते हैं-100 विधायक लाओ और मुख्यमंत्री बन जाओ। जो 100 विधायक साथ लाएगा, वह एक हफ्ते के लिए मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने संभवत: एक सप्ताह की बात इसलिए कही क्योंकि सीएम चार दिन के टूर पर जापान जा रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना को ढूंढ कर लाई है। यह पहली बार है जब शंकराचार्य को माघ मेले में गंगा स्नान करने से रोका गया। अखिलेश यादव रविवार को सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। जहां उन्होंने शंकराचार्य पर लगे यौन शोषण के मामले में हाईकोर्ट की ओर से एफआईआर दर्ज कराने के आदेश को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि ...शंकराचार्य कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे, उस समय सर्दी चरम पर थी। हमारे सनातनी व्यवस्था में कहीं किसी शंकराचार्य को स्नान से रोका नहीं गया होगा लेकिन यह पहली बार हुआ है कि उन्हें स्नान से भी रोका गया... अब यह सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना ढूंढ कर लाई... अगर यह (शिकायतकर्ता) उनका (रामभद्राचार्य) शिष्य है तो मुझसे गलती हुई है कि मैंने कभी रामभद्राचार्य पर जो मुकदमा था वह वापस लिया था, मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था। विचारों को लेकर झगड़े हो जाते हैं लेकिन आप इस स्तर तक चले जाएंगे कि आप ऐसे आरोप लगवाएंगे... इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह सरकार अब बचने वाली नहीं है...

ट्रंप का 15% टैरिफ भी होगा रोल बैक?

नील कात्याल ने खोल दिया मोर्चा, गीता गोपीनाथन का मिला साथ

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लगाने के फैसले पर बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय मूल के अमेरिकी वकील नील कात्याल ने इस कदम को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अमेरिकी संविधान की भावना के खिलाफ है और इसे कोर्ट में फिर से चुनौती दी जा सकती है। नील कात्याल ने कहा कि ट्रंप प्रशासन जिस सेक्शन 122 के तहत टैरिफ लगाने की बात कर रहा है, उसी प्रावधान को पहले अमेरिकी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अलग तरह से पेश किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर राष्ट्रपति को इतने व्यापक टैरिफ लगाने हैं, तो उन्हें कांग्रेस से मंजूरी लेनी चाहिए, क्योंकि टैक्स लगाने का अधिकार कांग्रेस के पास है। पूर्व आईएमएफ फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथन ने भी नील कात्याल के तर्क का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डेफिसिट और बैलेंस ऑफ पेमेंट्स डेफिसिट को एक जैसा मानना बेसिक इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स के खिलाफ है और सेक्शन 122 के तहत टैरिफ को सही ठहराना कानूनी और आर्थिक रूप से कमजोर तर्क है।

सड़क हादसे में 5 पुलिसकर्मियों की मौत, 3 घायल

झारसुगुड़ा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में पुलिस की बोलेरो को तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो सवार 5 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। 3 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा रविवार सुबह 4 बजे झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास हुआ। पुलिसकर्मी गश्त पर निकले थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस बोलेरो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इसके कारण घायल पुलिसकर्मी उसी में फंस गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला था। पुलिस ने बताया है कि जिनकी मौत हुई है, उनमें सशस्त्र पुलिस बल रिजर्व कॉन्स्टेबल काशीराम भोई, देबदत्त सा, ड्रिल एसआई निरंजन कुजूर, हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड जवान भक्तबंधु मिर्धा शामिल हैं। वहीं, दुबराज मिरिग, आकाश नायक और राजीव भारसागर घायल हैं। उनकी भी हालत गंभीर बनी हुई है।

ठाकरे बंधुओं में फिर खटपट?

राज ठाकरे ने मांगी एक नॉमिनेटेड सीट, उद्धव ने ठुकराई

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई नगर निगम चुनावों से पहले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ आए थे। इस गठबंधन को हुए दो महीने का वक्त भी नहीं बीत पाया कि इनके बीच खटपट की खबरें आने लगी हैं। ये दोनों भाई बीएमसी में नॉमिनेटेड पार्षदों को लेकर आमने-सामने हैं। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेताओं ने कुछ अजीब मैसेज पोस्ट किए हैं। जैसे, जब दिल में प्यार ही नहीं है तो प्यार क्यों करना? हालांकि, उद्धव ठाकरे कैंप ने इस सोशल मीडिया पोस्ट को ज्यादा अहमियत नहीं दी है और कहा है कि दोनों भाई एक रहेंगे। इस कथित झगड़े के केंद्र में कॉर्पोरेटर्स का नॉमिनेशन है। 227 चुने हुए कॉर्पोरेटर्स के अलावा, 2023 के बदलाव के बाद बीएमसी में अब 10 नॉमिनेटेड कॉर्पोरेटर्स हैं। राजनीतिक दल इन कॉर्पोरेटर्स को सदन में अपनी संख्या के हिसाब से नॉमिनेट करेंगे। हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में 65 सीटें जीतने वाली उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) 10 में से तीन पार्षदों को नॉमिनेट कर सकती है, जबकि 89 सीटें जीतने वाली भाजपा 4 पार्षदों को नॉमिनेट कर सकती है। कांग्रेस, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एआईएमआईएम बाकी तीन पार्षदों को चुनेंगी। सूत्रों के मुताबिक, यूबीटी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली राज ठाकरे की एमएनएस ने तीन में से एक नॉमिनेटेड सीट मांगी है। बता दें कि एमएनएस ने बीएमसी चुनावों में सिर्फ छह सीटें जीती थीं। सूत्रों ने बताया कि उद्धव ठाकरे ने एमएनएस की मांग ठुकरा दी है, जिससे गठबंधन में तनाव पैदा हो गया है।

राज-शिंदे से मुलाकात से भी बढ़ी हलचल

इस बीच, राज ठाकरे की डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के साथ हाल ही में हुई मीटिंग से ये अफवाहें और तेज हो गई हैं। एमएनएस नेता अविनाश अभ्यंकर ने कहा कि पार्टी ने हाल ही में संगठन के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए अपने राज्य के बड़े नेताओं से मुलाकात की। नॉमिनेटेड कॉर्पोरेटर्स के मुद्दे पर उन्होंने कहा, यह दो भाइयों और दो पार्टियों के बीच का अलायंस है। राज ठाकरे तय करेंगे कि उद्धव ठाकरे की पार्टी के कोटे में सीट लेनी है या नहीं। अभी कोई आखिरी फैसला नहीं हुआ है। राज ठाकरे और पार्टी के सीनियर लीडर्स इस पर फैसला लेंगे।

जबलपुर-भोपाल-अनूपपुर-शहडोल-उमरिया-कटनी-पन्ना-सतना-रीवा-सिंगरौली-सीधी-दमोह-सागर-नरसिंहपुर-सिवनी-छिन्दवाड़ा-बालाघाट-मण्डला-डिण्डौरी जिलों में प्रसारित

घर-घर जाकर मोबाइल ऐप में भरी जाएगी जनगणना की जानकारी

प्रगणक घर-घर जाकर मकान के निर्माण में उपयोग की गई सामग्री, स्वामित्व, पेयजल, प्रकाश, शौचालय, गंदे पानी की निकासी, स्नान की सुविधा तथा रसोई घर में उपयोग किए जाने वाले ईंधन की भी जानकारी लेंगे

स्व-गणना से भरे आंकड़ों का प्रगणक करेंगे सत्यापन

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

जनगणना एक विधिक प्रक्रिया है, जिसका समय-सीमा मे निर्वहन किया जाना अनिवार्य है। भारत की पहली ऐसी जनगणना सम्पन्न हो रही है जिनमें जनगणना आंकड़ों का संग्रहण डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा। प्रगणकों द्वारा विशिष्ट मोबाईल एप्लीकेशन का प्रयोग करते हुए परिवारों से आंकड़ों का संग्रहण, स्वयं के स्मार्ट फोन पर किया जाएगा।

गणना के समय प्रगणक मुख्य रूप से मकानों की स्थिति परिवारों को उपलब्ध सुविधाएं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित आंकड़े एकत्र करेंगे। सहायक निर्देशक जनगणना आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि प्रगणक घर-घर जाकर मकान के निर्माण में उपयोग की गई सामग्री, स्वामित्व, पेयजल, प्रकाश, शौचालय, गंदे पानी की निकासी, स्नान की सुविधा तथा रसोई घर में उपयोग किए जाने वाले ईंधन की भी जानकारी लेंगे। जनगणना के दौरान जिले में नागरिकों की जानकारी घर-घर जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से भरी जाएगी। जनगणना की इस आधुनिक प्रक्रिया में नागरिकों द्वारा स्व-गणना के माध्यम से भरे गए आंकड़ों का सत्यापन प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर किया जाएगा, जिससे आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। जनगणना कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना अधिकारी अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर अमृता गर्ग, अनुविभागीय अधिकारी ब्यौहारी भागीरथी लहरे, डिप्टी कलेक्टर अर्चना मिश्रा, गैलेक्सी नागपुरे, शहडोल जिला के जनगणना प्रभारी गिरीश कुमार शुक्ला, जिला सूचना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रगणक घर-घर जाकर स्वयं के मोबाइल फोन में इंस्टॉल किए गए ऐप के माध्यम से जानकारी एकत्र करेंगे। वहीं स्व-गणना के माध्यम से नागरिकों द्वारा भरे गए आंकड़ों को प्रगणक मौके पर जाकर सत्यापित करेंगे। इस प्रक्रिया से डेटा संग्रहण में तेजी आएगी तथा त्रुटियों की संभावना न्यूनतम रहेगी।

अधिकारियों को जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं भवनों की गणना, भवन संख्या निर्धारण, परिभाषाओं की स्पष्ट समझ, प्रश्नावली के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नों, मोबाइल ऐप के संचालन, डेटा प्रविष्टि, यूजर मैनेजमेंट तथा जनगणना कार्य प्रवाह के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ केदार सिंह ने कहा कि जनगणना किसी भी देश की एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से प्रत्येक परिवार एवं प्रत्येक व्यक्ति की आधिकारिक एवं पूर्ण गणना की जाती है। इसमें जनसंख्या से जुड़े सामाजिक, आर्थिक एवं सांख्यिकीय आंकड़े शामिल होते हैं।

इन आंकड़ों का उपयोग भविष्य में कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन, आवास, बुनियादी सुविधाओं तथा सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी नीतियों के निर्माण में किया जाता है। उन्होंने कहा कि जनगणना के सफल संचालन में जनगणना अधिकारियों, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी जिम्मेदारी, नेतृत्व एवं सक्रिय सहभागिता के परिणामस्वरूप ही उच्च गुणवत्ता वाला डेटा निर्धारित समय-सीमा में एकत्र किया जा सकेगा।

अवैध नशीली कफ सिरप जप्त महिला सहित 5 के विरुद्ध अपराध दर्ज

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

कोतवाली पुलिस टीम द्वारा विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर दुर्गा कालोनी स्थित शबनम बी पति जाकिर हुसैन उर्फ बंटी उम्र 46 वर्ष के घर पर दबिश दी गई। तलाशी के दौरान घर के एक टीन शेड कमरे में रखी टंकी एवं बक्से से कुल 730 नग आनरेक्स कफ सिरप बरामद की गई। कुल सीसी 730 नग प्रत्येक सीसी 100 एमएल, कुल मात्रा 73,000 मिलीलीटर 73

किलोग्राम, अनुमानित कीमत लगभग 1,50,000, आरोपिया के विरुद्ध धारा एनडीपीएस एक्ट एवं म.प्र. ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। विधिवत जप्ती, सीलबंदी एवं पंचनामा कार्यवाही उपरांत आरोपिया शबनम बी को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया। पूछताछ में आरोपिया ने अपने पति जाकिर हुसैन उर्फ बंटी, पुत्र सैफ खान, दामाद आमिल खान एवं रमेश जायसवाल निवासी खारा थाना रामपुर नैकिन के साथ मिलकर अवैध रूप से कफ सिरप खरीदकर ऊँचे दामों में विक्रय करना स्वीकार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

फर्जी दस्तावेज लगाकर 10.50 लाख का लोन लेने वाली महिला गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्र मत)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कुदरी रोड, बस स्टैंड शाखा में फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर एक्सप्रेस क्रेडिट लोन प्राप्त करने के मामले में थाना सोहागपुर पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। थाना सोहागपुर प्रार्थी क्रांति कुमार साहू, बैंक मैनेजर एसबीआई बैंक शाखा कुदरी रोड बस स्टैंड द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट अनुसार आरोपिया बिशाखा दांगी पिता प्राणसिंह दांगी उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम मानेगांव पोस्ट जैतपुर कोपरा तहसील देवरी जिला सागर द्वारा बिजली विभाग में फर्जी नियुक्ति आदेश एवं फर्जी पेस्लिप सहित अन्य कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत कर कुल 10,50,500 का एक्सप्रेस क्रेडिट लोन प्राप्त किया गया था। लोन राशि प्राप्त करने के पश्चात आरोपिया फरार हो गई थी तथा ऋण की किश्तें जमा नहीं कर रही थी। थाना प्रभारी सोहागपुर अरुण पाण्डेय द्वारा विशेष टीम गठित की गई। टीम में सउनि संतोष कोल, प्रआर क्र. राजकुमार जायसवाल, प्रआर क्र. मुकेश पटेल एवं महिला आरक्षक मेनका धूमकेत शामिल रहे। टीम को सागर, भोपाल एवं नर्मदापुरम रवाना किया गया। विवेचना के दौरान संबंधित विभागों से आरोपिया की नियुक्ति संबंधी जानकारी प्राप्त की गई, जिसमें नियुक्ति आदेश फर्जी पाया गया। तकनीकी साक्ष्य के आधार आरोपिया का पता कर नर्मदापुरम स्थित उसके किराये के मकान से गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपिया ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि पैसों की आवश्यकता होने के कारण उसने नौकरीपेशा दर्शाकर अधिक राशि का लोन लेने की योजना बनाई। फरवरी 2025 में अपने लैपटॉप से ऑनलाइन एमपीईबी (बिजली विभाग) के पूर्व जारी आदेश डाउनलोड कर उन्हें एडिट कर स्वयं को अनूपपुर कार्यालय में लाइनमैन अटेंडेंट पद पर नियुक्त दर्शाते हुए फर्जी आदेश पत्र तैयार किया। इसके पश्चात एसबीआई बैंक कुदरी रोड शाखा में फर्जी ऑफर लेटर, पेस्लिप एवं आईसीआईसीआई बैंक खाता स्टेटमेंट जमा कर धोखाधड़ी पूर्वक 10,50,500 का लोन प्राप्त कर राशि का निजी उपयोग किया। आरोपिया को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

कलेक्टर के आदेश पर एरियर भुगतान, नगर पालिका कर्मचारियों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जिले में प्रशासनिक संवेदनशीलता एवं त्वरित निर्णय का परिचय देते हुए डॉ. केदार सिंह के आदेश पर नगर पालिका परिषद शहडोल के कर्मचारियों को लंबे समय से लंबित एरियर (बकाया वेतन अंतर) की प्रथम किस्त का भुगतान कर दिया गया है। यह कार्यवाही आशा भंडारी की विशेष पहल एवं सतत प्रयासों से संपन्न हुई। नगर पालिका परिषद शहडोल में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा एरियर भुगतान की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इस संबंध में पूर्व में असंतोष की स्थिति भी निर्मित हुई थी। जिला प्रशासन द्वारा कर्मचारियों को शीघ्र भुगतान का आश्वासन दिया गया था, जिस पर त्वरित अमल करते हुए आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय औपचारिकताएं पूर्ण की गईं। कलेक्टर के स्पष्ट निर्देशों के पश्चात बकाया एरियर राशि कर्मचारियों के बैंक खातों में जमा करा दी गई। भुगतान की सूचना मिलते ही नगर पालिका कार्यालय परिसर में प्रसन्नता का वातावरण देखा गया। कर्मचारियों ने जिला प्रशासन एवं नगर पालिका अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस निर्णय को सकारात्मक एवं संवेदनशील पहल बताया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा भंडारी ने कहा कि कर्मचारियों के हित सर्वोपरि हैं। शासन के निर्देशानुसार लंबित देयों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समय पर वेतन एवं अन्य देय राशि उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है, जिससे कर्मचारी पूर्ण मनोयोग एवं उत्साह के साथ नगर हित में अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में की गई इस पहल से कर्मचारियों का मनोबल सुदृढ़ हुआ है तथा कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में सकारात्मक वृद्धि हुई है। नगर पालिका प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि भविष्य में भी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु पारदर्शिता एवं तत्परता के साथ कार्य किया जाता रहेगा।मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा की काम नहीं बेतन नहीं नगर पालिका हमेशा कर्मचारीयो के हित में खड़ी रहेगी लेकिन उन्हें शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में पूर्ण सहयोग करना होगा,काम नहीं,बेतन नहीं की तर्ज पर कार्य करेंगे जो कर्मचारी अच्छा काम करेंगे उन्हें सम्मान मिलेगा और जो कर्मचारी कार्य में लापरवाही बरतेगा शहर को सुंदर बनाने में सहयोग नहीं करेगा उनके वेतन काटा जाएगा,सभी के सहयोग से ही शहर को स्वच्छ बनाया जाएगा।

लोक निर्माण से लोक कल्याण की ओर बड़ा कदम

93.50 करोड़ की लागत से 34.4 किलोमीटर सड़क उन्नयन कार्य का हुआ भूमिपूजन

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

जिले में सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शहडोल मईका, लफदा, चुहिरी सड़क के उन्नयन कार्य का शुभारंभ किया गया। लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे इस बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह एवं विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी द्वारा किया गया। इस सड़क उन्नयन परियोजना की कुल लंबाई 34.4 किलोमीटर है, जिस पर 93.50 करोड़ की लागत आएगी। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में यातायात सुविधाएं बेहतर होंगी तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा। विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सड़क उन्नयन से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। हर गांव को अच्छी सड़कों, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। आने वाले समय में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र में और भी विकास कार्य स्वीकृत किए जाएंगे, ताकि आमजन के जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो सके। विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी ने कहा कि इस सड़क के उन्नयन से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी, जिससे व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा।

शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी नगरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, आवागमन, कृषि एवं सिंचाई जैसे क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे आमजन के लिए आय के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष शक्ति सिंह, प्रियम त्रिपाठी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नवाचार से सजी प्रार्थना सभा : छात्रों ने प्रस्तुत किया दैनिक गतिविधियों का प्रतिवेदन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

संदीपनि विद्यालय नरिया में प्रार्थना सभा के दौरान एक सराहनीय और नवाचारी पहल देखने को मिली। विद्यालय की दैनिक प्रार्थना सभा को और अधिक सार्थक एवं सहभागी बनाने के उद्देश्य से छात्रों द्वारा पिछले दिन की समस्त गतिविधियों (विद्यालय लगने से अवकाश तक)का प्रतिवेदन (रिपोर्ट प्रस्तुति) स्वयं मंच से प्रस्तुत किया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा आरंभ की गई इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, आत्मविश्वास तथा उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। प्रतिदिन हाउसवार चयनित छात्र मंच पर आकर शैक्षणिक गतिविधियों, सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों, खेलकूद, विशेष आयोजनों एवं महत्वपूर्ण घोषणाओं का क्रमबद्ध विवरण प्रस्तुत करते हैं। इस नवाचार के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल मंच संचालन का अनुभव प्राप्त हो रहा है, बल्कि वे विद्यालय की गतिविधियों से भी अधिक जागरूक हो रहे हैं। शिक्षकों ने बताया कि इस पहल से बच्चों में संवाद कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है तथा वे विद्यालयीन अनुशासन एवं गतिविधियों के प्रति अधिक सजग बने हैं। विद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को इस प्रकार के रचनात्मक प्रयासों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी विद्यालय की इस अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण बताया। इस प्रकार, संदीपनि विद्यालय नरिया की प्रार्थना सभा अब केवल प्रार्थना तक सीमित न रहकर, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रभावी मंच बन गई है।

शिक्षाविद बद्री प्रसाद तिवारी बने अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद शहडोल के जिलाध्यक्ष

शहडोल (स्वतंत्रमत)। शिक्षाविद एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य पंडित बद्री प्रसाद तिवारी को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के शहडोल जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। यह घोषणा जय स्तंभ चौक स्थित शिव गणेश मंदिर में संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष दयाशंकर शुक्ला द्वारा की गई। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों ने बद्री प्रसाद तिवारी का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इससे पूर्व जिला संयोजक पंडित अनिल शुक्ला ने उनका नाम प्रस्तावित किया, जिसका अनुमोदन संभाग अध्यक्ष त्रिलोकी नाथ गर्ग ने किया। पंडित बद्री प्रसाद तिवारी शिक्षा क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। वे डाईट सेंटर से प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए हैं और वर्तमान में जिला राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष भी हैं। उनकी नियुक्ति से संगठन को मुख्यालय में शासकीय कर्मचारियों के बीच अनुशासनिक विस्तार और मजबूती मिलने की उम्मीद है। संगठन ब्राह्मण समाज के कल्याण, एकता और सामाजिक उत्थान के लिए कार्यरत है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पंडित शंभू प्रसाद द्विवेदी, सुशील शर्मा, गौरव द्विवेदी, राममिलन शर्मा, बीपी द्विवेदी, राजनारायण पांडे, अयोध्या प्रसाद मिश्रा, सुरेंद्र दुबे, एसपी त्रिपाठी, देवेंद्र द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संगठन के सदस्यों ने नई जिम्मेदारी पर पंडित बद्री प्रसादतिवारी को शुभकामनाएं दीं।

खनन माफिया सतर्क हो जाएं...अब नहीं चलेगा अवैध खनन, प्रशासन ने सीज किए 4 वाहन

गाड़ासरई-बजाग में छापा! अवैध गिट्टी-रेत परिवहन का खुलासा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खनिज विभाग की टीम ने दो दिनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार वाहनों को जब्त किया है। विगत दिनांक 20 फरवरी 2026 को ग्राम गाड़ासरई, तहसील बजाग एवं थाना गाड़ासरई क्षेत्र में ओवरलोड गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए तीन वाहनों को पकड़ा गया। जब्त वाहनों में एक ट्रैक्टर एमपी52एए3070 और दो हाइवा सीजी10बीजी2212 और सीजी31बी6419 शामिल हैं। इन वाहनों के स्वामी रतन गुप्ता बताए गए हैं। कार्रवाई के बाद सभी वाहनों को सुरक्षार्थ थाना गाड़ासरई परिसर में खड़ा कराया गया। इसी प्रकार शनिवार को बिना नंबर का एक स्वराज ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पाया गया, जिसे जब्त कर थाना बजाग में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिज विभाग ने सभी संबंधित वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। मामले को आगे की कार्रवाई हेतु कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शहडोल की मिलेट्स पहुंची विदेशों की रसोईयों तक

शुभम को मिला केंद्र एवं राज्य सरकार का सहारा

स्थापित की 2 करोड़ की मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट

शहडोल (स्वतंत्र मत)। केंद्र एवं राज्य सरकार युवा वर्ग को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृत संकल्पित है। शासन द्वारा युवाओं, महिलाओं, किसानों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे हर वर्ग के लोग आत्मनिर्भर और स्वयं का रोजगार स्थापित कर दूसरों को रोज़गार दे सके। शहडोल के रहने वाले 30 वर्षीय युवा उद्यमी शुभम तिवारी, संस्थापक ग्रेनॉक्सी ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों तो असफलता भी सफलता की सीढ़ी बन जाती है। माइनिंग इंजीनियरिंग की नौकरी के लिए मेडिकल फिटनेस टेस्ट में कलर ब्लाइंडनेस के कारण असफल घोषित किए जाने के बाद उन्होंने निराश होने के बजाय स्वयं का मार्ग चुना और आज लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। शुभम तिवारी ने तहसील बुढार अंतर्गत ग्राम साबो में लगभग 2 करोड़ रूपये की लागत से अत्याधुनिक मिलेट्स प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य शासन के उद्यानिकी व एमएसएमई विभाग से सहयोग तथा बैंक से 50 लाख रुपये का वित्तीय लोन प्राप्त कर यह यूनिट स्थापित की थी। यूनिट में मिलेट आधारित आटा, सूजी, नूडल्स, पास्ता, क्रैकर्स, नमकीन, बेकरी उत्पाद एवं 14 प्रकार की कुकीज जैसे स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जो स्वाद और गुणवत्ता में उत्कृष्ट हैं। उन्होंने बताया कि हतंपदवइल.पद ऑनलाइन के माध्यम से अमेरिका, श्रीलंका, गल्फ देशों एवं यूरोप से 42 टन का प्री-ऑर्डर तथा 50 हजार किलोग्राम से अधिक घरेलू बुकिंग हुई। आज शहडोल का मिलेट विदेशों की रसोई तक पहुंच रहा है। शुभम तिवारी ने बताया कि मिलेट् प्रोसेसिंग यूनिट में स्व सहायता समूह की महिलाओ को प्रशिक्षण एवं लगभग 45 लोगो को रोगजार के अवसर मिल रहे है। शुभम तिवारी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए आभार जताया है।

कोतवाली पुलिस ने 23 भैंस और ट्रक जब्त किए, 1 आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

थाना कोतवाली पुलिस ने अवैध पशु तस्करी पर बड़ी कार्यवाही करते हुए 01 आरोपी सहित 23 भैंस और एक ट्रक जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक महोदय वाहिनी सिंह द्वारा सभी थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि जुआ, सट्टा, शराब और पशु तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम की जाए।

जानकारी के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम इमलई पहाड़ी में एक लाल रंग की डालाबाड़ी गाड़ी भैंस लेकर बुचड़खाने की ओर जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन संख्या एमपी-20 एक्सबी-5439 का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित कुछ लोग पुलिस को देखकर भाग गए, लेकिन एक व्यक्ति, सहबाज कुरैशी (26), पिता मो. रईस कुरैशी, निवासी शास्त्री वार्ड, शेल्टर हाउस रोड टक्कर ग्राम जबलपुर, पकड़ में आया। आरोपी ने अपने साथियों के नाम रिजवान खान और खलासी राजा बताए।

भैंस परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। पशु को जब्त कर कांजी हाउस डिंडोरी में छोड़ा गया और पशु चिकित्सक को मेडिकल जांच हेतु भेजा गया। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश कृषि पशु परी0अधि 1959 की धारा 4.6(क) और पशु क्रूरता अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(घ) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

संपूर्ण कार्यवाही में थाना कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे, उप निरीक्षक भिपेंद्र पाठक, प्रधान आरक्षक आदित्य शुक्ला, आरक्षक विकास पटेल, निलेश साहू, प्रवेश पटेल, अवनीश यादव, हेमंत झरिया और कैलाश द्विवेदी की मुख्य भूमिका रही।

आधुनिक लैब में परखी जाएगी शराब की क्वालिटी

जबलपुर में बनेगी प्रयोगशाला, जहरीली मदिरा पर लगेगा अंकुश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति के तहत अब जबलपुर में शराब के सैंपलों की जांच के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी। अभी तक सैंपलों की जांच अलग-अलग स्थानों पर करानी पड़ती थी, जिससे रिपोर्ट में देरी और छेड़छाड़ की आशंका बनी रहती थी। इसके अलावा भोपाल और इंदौर में भी विभाग जल्द ही अत्याधुनिक प्रयोगशाला के लिए स्थान चिह्नित करेगा। नई लैब सीधे आबकारी विभाग के नियंत्रण में संचालित होंगी। इनमें आधुनिक मशीनों के माध्यम से मदिरा की शुद्धता, अल्कोहल की मात्रा, रासायनिक संरचना और निर्धारित मानकों के अनुरूपता की सटीक जांच की जाएगी। इससे अवैध, मिलावटी और नकली शराब के निर्माण व बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद

है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में जहरीली शराब से हुई मौतों और गंभीर घटनाओं के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। सरकार का मानना है कि स्थानीय स्तर पर त्वरित जांच सुविधा उपलब्ध होने से शराब के अवैध निर्माण और परिवहन पर रोक लगेगी, साथ ही राजस्व संग्रह में भी वृद्धि संभव होगी। जबलपुर के सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे का कहना है कि नई प्रयोगशालाओं के शुरू होने के बाद शराब कारोबार में पारदर्शिता बढ़ेगी और उपभोक्ताओं के सेहत की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आएंगे।

ब्रांड प्रमोशन को भी मिलेगा बढ़ावा

नई आबकारी नीति में प्रदेश में निर्मित शराब ब्रांडों के देश-विदेश में प्रचार-प्रसार के लिए विशेष आयोजन और चयनित स्थानों पर सैंपल प्रदर्शित करने का प्रावधान भी शामिल किया गया है। इससे उद्योग को प्रोत्साहन देने के साथ गुणवत्ता मानकों को भी सख्ती से लागू करने की तैयारी है।

इन्होंने कहा

नई आबकारी नीति में जबलपुर में आधुनिक परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। अभी तक अधिकांश सैंपल जांच के लिए ग्वालियर भेजे जाते थे या स्थानीय स्तर पर सीमित संसाधनों वाली लैब में परीक्षण कराया जाता था, जिससे प्रक्रिया लंबी हो जाती थी। यहां प्रयोगशाला बन जाने से स्थानीय स्तर पर ही त्वरित जांच की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी।

- संजीव दुबे
सहायक आयुक्त

डंपर से ले जाई जा रही थी चोरी की रेत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खितौला थाना प्रभारी रमन सिंह मरकाम ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि झिंगरई तरफ से डम्फर में अवैध रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर झिंगरई चौराहा में दबिश दी गई जहां डम्पर आते दिखा जिसमें रेत लोड थी डम्फर को रूकवाकर चालक से नाम पता पूछने पर डम्फर चालक ने अपना नाम रामकृपाल बर्मन पिता स्व. हरिशंकर बर्मन उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम जुनवानी कला खितौला बताया। लोड रेत के संबंध में पूछताछ करने पर रायल्टी एवं दस्तावेज नहीं होना बताते हुये रंजीत पटेल निवासी झिंगरई के कहने पर चोरी की रेत भरकर ग्राम झिंगरई आर्डर पर बेचने के लिये लेकर जाना बताया। पुलिस ने रंजीत पटेल पिता छेदीलाल पटेल उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम झिंगरई को अभिरक्षा में लेते हुये उक्त रेत के संबंध में पूछताछ करने पर चोरी की रेत घर के पास स्टाक करके रखना एवं डम्फर में रेत आर्डर पर ग्राम झिंगरई भेजना बताया। पुलिस ने आरोपी रामकृपाल बर्मन के कब्जे से डंपर मय रेत के जब्त करते हुये दोनों आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की।

मैंटेनेंस कार्य से पहले जोखिम का आकलन दी जाती है तकनीकी जानकारी

एमपी ट्रांसको में जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी बनी कार्य संस्कृति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाते हुए सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस कार्य से पूर्व सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य पालन सुनिश्चित किये जाने की पहल की है। मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ करने से पहले संबंधित तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है तथा टीम को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाती है। इसके साथ ही 'पेप टॉक' के माध्यम से सुरक्षा मानकों, लाइव उपकरणों की स्थिति, कार्य क्षेत्र की संवेदनशीलता और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की जाती है, ताकि प्रत्येक कर्मचारी पूर्ण सजगता और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सके।

कार्य के दौरान मोबाइल का उपयोग वर्जित-कार्य के दौरान एकाग्रता बनाए रखने के उद्देश्य से मोबाइल फोन कंट्रोल रूम शिफ्ट इंचार्ज अथवा संबंधित सुपरवाइजर के पास सुरक्षित रूप से जमा कराए जाते हैं। कार्य प्रारंभ से पूर्व संबंधित क्षेत्र को विधिवत अर्थिंग से जोड़ने तथा सुरक्षा मानकों की दोहरी पुष्टि की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मेंटेनेंस टीम के लीडर को रोटेशन मे बदलने की अभिनव पहल से कर्मचारियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व बोध एवं टीम भावना का विकास हो रहा है। कंपनी का यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है।

विचार दिवस पर स्काउट आंदोलन के संस्थापक को किया याद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जबलपुर मण्डल में मुख्य जिला आयुक्त सुनील टेलर, जिलाआयुक्त वरुण चतुर्वेदी, जिला आयुक्त दीप्ति शर्मा, सहा जिला आयुक्त नितेश कुमार सोने, सहा जिला आयुक्त सचिपति नंदन के मार्गदर्शन में रविवार को जबलपुर स्काउट डेन और नई कटनी शाखा में विचार दिवस को मनाया गया। जिसमे जिला सचिव अनिल चौबे, जिला संगठन आयुक्त विमलेश कुमार तिवारी द्वारा स्काउट आंदोलन के संस्थापक लॉर्ड बेडेन-पॉवेल और उनकी पत्नी लेडी ओलेव बेडेन-पॉवेल की फोटो पर माल्यार्पण किया । रोवर स्काउट लीडर शुभम कुमार कुशवाहा के द्वारा 22 फरवरी के इतिहस का संक्षिप्त विवरण स्काउट एवं गाइड को बताया गया । इस कार्यक्रम मे मण्डल कर सभी स्काउट्स एवं गाइड्स उपस्थित हुए।

युवा गुंजन की टीम ने कसी कमर, धूमधाम से मनाया जाएगा रसरंग महोत्सव

33वें रसरंग महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुंजन कला सदन, मध्य प्रदेश द्वारा आगामी 2 मार्च को आयोजित होने वाले 33वें रसरंग महोत्सव की तैयारियों ने अब जोर पकड़ लिया है। इसी कड़ी में रविवार को युवा गुंजन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें महोत्सव को भव्य और सफल बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा साझा करते हुए सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए युवा गुंजन के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने आगामी कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रसरंग महोत्सव न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह धर्म, वर्ग और राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उल्लेखनीय है कि ये आयोजन गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश के डॉ. आनंद तिवारी (प्रांतीय अध्यक्ष), लायन नरेन्द्र जैन (प्रांतीय महामंत्री), सुरेश सराफ (प्रांतीय कोषाध्यक्ष) व प्रतुल श्रीवास्तव व विजय जायसवाल(प्रधान संयोजक) के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य आकर्षण होंगे पांच सौ दूल्हे-2 मार्च, सोमवार को होलिका दहन की संध्या पर शहीद स्मारक भवन, जबलपुर में आयोजित होने वाला यह महोत्सव कई मायनों में खास होगा। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6 बजे से होगी, जहाँ आमंत्रित अतिथियों का साफा-माला पहनाकर और दूल्हा भेष में तिलक लगाकर अभिनंदन किया जाएगा। आयोजन में पांच सौ दूल्हे सम्मिलित होंगे। आयोजन के दौरान दीप प्रज्ज्वलन और स्तुति नृत्य के पश्चात संस्था के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण किन्नरों का आकर्षक परंपरागत नृत्य होगा, जो इस महोत्सव की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। इसी क्रम में मोती शिवहरे के निर्देशन में नवरंग कथक कला केंद्र के कलाकार मधुर गीतों पर आकर्षक नृत्य करेंगे। लोककला से जुड़े राई और फाग भी इस आयोजन में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। गुंजन कला सदन ने इस विशिष्ट आयोजन के लिए शहरवासियों को सपरिवार आमंत्रित किया है, ताकि वे इस भव्य सांस्कृतिक धरोहर और सौहार्दपूर्ण मिलन के साक्षी बन सकें।

आयोजन को ऐतिहासिक बनाने लिया संकल्प-तैयारियों को लेकर आयोजित इस बैठक में युवा गुंजन की पूरी टीम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में मुख्य रूप से महामंत्री विक्रम परवार, उपाध्यक्ष विवेक सोनी, अभिजीत रॉय, जीपी सिंह, राजेश गुप्ता, एसबी चौबे, हेमन्त अरोरा, अखिल मदान, अभय पचौरी, निखिल तिवारी, निखिल अग्रवाल, मुनीश जायसवाल और केके वर्मा सहित बड़ी संख्या में अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी सदस्यों ने एक स्वर में महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया गया ग्रैंड पेरेंट्स डे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सरस्वती शिशु मंदिर गढ़ा फाटक में विगत दिवस ग्रैंडपेरेंट्स डे का भव्य एवं भावपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के प्रति आदर, प्रेम और कृतज्ञता की भावना से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने उपस्थित अतिथि दादा-दादी एवं नाना-नानी का पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर स्वागत किया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, कविता एवं नाटिका की सुंदर

प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने स्नेह और सम्मान को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमलेश अग्रहरि विभाग समन्वयक विद्या भारती महाकौशल प्रांत रहे।

इस अवसर पर दादा-दादी एवं नाना-नानी ने भी अपने जीवन अनुभव साझा किए और बच्चों को संस्कार, अनुशासन एवं पारिवारिक मूल्यों का महत्व बताया। कई मनोरंजक गतिविधियों एवं खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ जनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने संबोधन में कहा कि दादा-दादी एवं नाना-नानी परिवार की अमूल्य धरोहर होते हैं, जिनके आशीर्वाद और मार्गदर्शन से बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। प्राचार्य शुभांगी नाइक ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट किए गए। पूरे आयोजन ने पारिवारिक मूल्यों एवं पीढ़ियों के बीच प्रेम और संवाद को और अधिक सशक्त करने का संदेश दिया।

दुर्गावाहिनी प्रांत बैठक में गूंजा सनातन का संकल्प

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

विश्व हिंदू परिषद महाकौशल प्रांत की दुर्गावाहिनी की प्रांत बैठक दिनांक 21 एवं 22 फरवरी को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन मंत्री श्री जितेंद्र, श्री प्रदीप, प्रज्ञा माला दीदी, मालती दीदी, श्री पंकज सहित पूरे महाकौशल प्रांत से पहुंचे दुर्गावाहिनी के समर्पित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। बैठक में हिंदू धर्म, सनातन संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा को लेकर गंभीर मंथन हुआ। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि समय की पुकार है कि हम संगठित होकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचें, युवाओं में संस्कार जगाएं और मातृशक्ति को सशक्त बनाएं। पूर्ण ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ यह निर्णय लिया गया कि दुर्गावाहिनी संगठन को गांव-गांव, नगर-नगर तक और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में संकल्प लिया।

जल स्त्रोतों को बचाने संत निरंकारी मण्डल ने चलाया वृहद अभियान

800 से अधिक सेवादारों ने मिलकर नदी, तालाबों को किया स्वच्छ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सतगुरु माता सुदीक्षाजी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिताजी के मार्गदर्शन में संत निरंकारी चेरिटेबिल फ़ाउंडेशन के अंतर्गत रविवार को प्रोजेक्ट अमृत के चतुर्थ चरण स्वच्छ जल स्वच्छ मन का आयोजन किया गया। इस परियोजना का उद्धेश्य जल संरक्षण स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, ताकि भावी पीढ़ीयों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 से संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट अमृत का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पहल का उद्धेश्य केवल जल स्त्रोतों को स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं बल्कि जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच विकसित करना जिसमें नदियों, झीलों, तालाबों और झरनों जैसे प्रकृतिक जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण का अभियान है। मण्डल के सचिव जोगिंदर सुखिजा ने जानकारी दी की ये वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के 900 से अधिक शहरों एवं 1500 स्थानों पर आयोजित किया गया है। संस्कारधानी जबलपुर में भी संत निरंकारी मण्डल के जबलपुर ज़ोन की ब्रांच में भी लगभग 800 भाई-बहिन नीली, खाकी वर्दी व मिशन की टी-शर्ट में साधसंगत ने अपने गुरु की शिक्षाओं को अपना व्यक्तिगत कर्तव्य मानकर पाँच टीमों में जबलपुर, धनपुरी ने - गौरीघाट, गढ़ा, तिलवारघाट, लालमाटी भानतलैया ने हनुमानताल व अधारताल, पनागर ने महाराजपुर एवं मानेगाँव तालाब को लगातार प्रात: 8 बजे से 11 बजे तक जल से कीचड़ एवं चोई निकाल कर जल को प्रदूषण मुक्त किया व घाटों पर सेवादारों ने झाड़ू लगाकर साफ सुथरा किया। प्रोजेक्ट अमृत परियोजना में नगर निगम के अधिकारी, पार्षद, शारदा कुशवाहा, कविता रैकवार, सुनील पुरी आदि की उपस्थित रहे।

चकाचक होगा जबलपुर, बजट में मिली 382 करोड़ के 34 निर्माण कार्यों की स्वीकृति

अभ्युदय मप्र बजट 2025-26 विषय पर लोक निर्माण मंत्री ने दी जानकारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश का बजट विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बजट में क्षेत्र के समग्र विकास, निवेश प्रोत्साहन और बेहतर जीवन गुणवत्ता की दिशा को साकार करने के प्रावधान किये गए है, यह बात मप्र के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने अभ्युदय मप्र बजट 2025-26 विषय पर पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कही। पत्रकार वार्ता में महानगर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकडे, जिप अध्यक्ष आशा गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिंकूज विज, मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, सह मीडिया प्रभारी रवि शर्मा, नितिन

भाटिया उपस्थित रहे।

रफ्तार पकड़ेंगे 34 निर्माण कार्य

मंत्री श्री सिंह कहा इस बजट में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत जबलपुर जिले के लिए कुल 34 निर्माण कार्यों को सम्मिलित किया गया है, जिनकी कुल स्वीकृत लागत 382 करोड़ है। यह प्रावधान जिले की सड़क एवं परिवहन अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इन कार्यों में सबसे प्रमुख निर्माण कार्य महागवा-चरगवां-शहपुरा-पाटन-पौड़ी-कटंगी-मझौली मार्ग का है, जिसकी कुल लंबाई 102 किलोमीटर है तथा इसकी लागत 200 करोड़ है। यह मार्ग क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करते हुए ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों को मुख्य परिवहन नेटवर्क से जोड़ेगा, जिससे व्यापार, कृषि परिवहन और आवागमन को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा इसी प्रकार सिहोरा-मझौली-कटाप-गुबरा-तीरहा मार्ग के निर्माण को भी सम्मिलित किया गया है।

34 किलोमीटर लंबाई वाले इस मार्ग पर 75 करोड़ की लागत से कार्य किया जाएगा। यह सड़क क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने कहा शहरी क्षेत्र में भी अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता दी गई है। मेहता पंप से अग्रसेन चौक होते हुए उखरी चौक तक तथा एकता चौक से अहिंसा चौक तक सीसी रोड निर्माण कार्य को भी सामिलित किया गया है, जिसकी कुल लागत 17 करोड़ है।

अन्य कार्य भी हुए बजट में सम्मिलित

श्री सिंह ने बताया जबलपुर जिले के अन्य कार्य जिन्हें बजट में सम्मिलित किया गया है। जिनमें ग्राम छपरी भर्रा से सिमरिया तक 1.50 किमी लंबाई का सड़क निर्माण कार्य 1.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा। ग्राम मड़ोद से मुडिया मार्ग तक 1.10 किमी लंबाई की सड़क का निर्माण 1.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा। मुडिया से सीगनतलाई तक 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य 2 करोड़ की लागत से किया जाएगा। ग्राम पंचायत धरमपुरा से नुनपुर होते हुए घुघरा (राम पथ गमन) मार्ग का 3.00 किमी लंबाई में निर्माण 4.20 करोड़ की लागत से किया जाएगा। भमका से सिद्धघाट कुलोन मार्ग का 6.50 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 6.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

झण्डा चौक से परियट तक 1.00 किमी लंबा ग्रीन मार्ग 2.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा। दर्शन सिंह तिराहा से मस्ताना चौक तक 1.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण 1.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा। जबलपुर शहर के पंचशील नगर, गीता विहार एवं आजाद चौक क्षेत्र की सड़कों का 7.20 किमी लंबाई में सुदृढ़ीकरण 7.25 करोड़ की लागत से किया जाएगा। ग्वारीघाट, ब्रजमोहन नगर एवं पुराने स्टेशन क्षेत्र की सड़कों का 6.30 किमी लंबाई में सुदृढ़ीकरण कार्य 6.35 करोड़ की लागत से किया जाएगा। छत्तरपुर से चरखी पहुंच मार्ग का 1.50 किमी लंबाई में निर्माण 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा। वीरनेर से आमाखोह तक 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।

छत्तरपुर रिंग रोड चौराहा से शाला भवन होते हुए निभोरा को जोड़ने हेतु 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा। पनागर-मुडिया-पड़ौरा-सलैया मार्ग का 9.20 किमी लंबाई में धनपुरी-पड़वार-इमलई मार्ग का 5.00 किमी लंबाई में निर्माण 4.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा। रमखिरिया से चिकली देवरी पहुँच मार्ग का 5.00 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 4.75 करोड़ की लागत से किया जाएगा। चौराई-कऊझर-मोहनी-मड़ई-मकरार-उमरिया मार्ग का 8.00 किमी लंबाई में निर्माण 5.40 करोड़ की लागत से किया जाएगा। श्री सिंह ने कहा यह बजट प्रदेश में सुगम, सुरक्षित एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलित विकास को नई गति देगा।

कांग्रेस का प्रदर्शन, मंत्री का पुतला दहन

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान का विरोध, माफी मांगने और मंत्रीमण्डल से हटाने की मांग

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के खिलाफ कथित अमर्यादित भाषा के प्रयोग के विरोध में रविवार की दोपहर 2 बजे बालाघाट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा, मध्य प्रदेश की 7 करोड़ 30 लाख जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में बैठाया है और कांग्रेस पार्टी को मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने का अधिकार दिया है। जनता ने हमें जिम्मेदारी दी है कि हम सदन के भीतर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाएं, भ्रष्टाचार को उजागर करें और आम नागरिकों की आवाज़ बुलंद करें। जब कांग्रेस पार्टी महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों को उठा रही है, तब मंत्री तथ्यात्मक जवाब देने के बजाय अमर्यादित और अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। यह बौखलाहट दर्शाती है कि सरकार विपक्ष के सवालों से असहज है। विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र मंच है, वहां इस प्रकार की भाषा पूरी तरह अस्वीकार्य है। यह प्रदेश की जनता के जनादेश का सीधा अपमान है। मंत्री को तत्काल सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

युवक कांग्रेस अध्यक्ष शिवम विश्वकर्मा ने कहा कि युवा वर्ग सरकार से जवाब चाहता है, न कि अहंकारपूर्ण बयान। सेवादल अध्यक्ष जीतू बर्वे ने लोकतांत्रिक मर्यादा की रक्षा की बात कही। महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी बगाडे ने मंत्री के बयान को निंदनीय बताते हुए शालीन राजनीति की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और कांग्रेस पदाधिकारियों ने अपनी मांग दोहराई।प्रदर्शन में प्रमुख रूप से श्याम पंजवानी, लक्ष्मी वाघाडे , अनिल सोनी, जीतू बर्वे, शिवम विश्वकर्मा, अनिल बनोटे, उषा मिश्रा, जुवैदा अंसारी,प्रवीण मदनकर, प्रकाश मदन कर, शानू राय, राजू यादव, उर्मिला जी, शीला नागपुरे, दुर्गा वरकड़े,दीपक बघेल, सौरभ चौहान, चंद्रेश दशहरे, राहुल बीरंबार, अंकितबिसेन, मयूर ऊईके,सुनील बनारे, प्रवीण घरड़े, राजू राय, रघु सिंगार, जुगल किशोरी, साहिल विश्वकर्मा, चंदू उइके, राहुल बिरनावार, शाकिर बिसेन, सुमित उइके, देव उइके, सारंग विश्वकर्मा, डी. के. श्रीवास, मयूर उइके, देवेंद्र दमोह, सोनू विश्वकर्मा, डी के मेश्राम , मिथुन सोलखे, विकास निकोंसे, मुकेश रंनगिरे, जितेंद्र पटले , राजा कोरी ,बगलेश लिल्हारे,राजेंद्र मोहारे ,शैलेश टेभरे, मोंटू बिसेन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रफ्तार की अंधी दौड़ और सड़कों पर बिखरती जिंदगियाँ

नेवरगांव-खारा मार्ग में दो बाईक सवार युवकों की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

सड़क पर रफ्तार आज सुविधा से ज्यादा खतरे का पर्याय बन चुकी है। तेज गति मानो युवाओं के लिए रोमांच का साधन बन गई है, लेकिन यही रफ्तार हर दिन कई घरों के चिराग बुझा रही है। थोड़ी सी लापरवाही, एक गलत ओवरटेक, हेलमेट या सीट बेल्ट की अनदेखी और पल भर में जिंदगी मौत में बदल जाती है। हादसों के बाद अक्सर यही सुनने को मिलता है कि गाड़ी बहुत तेज थी। सवाल यह है कि आखिर यह जल्दबाजी किसलिए? कुछ मिनट पहले पहुंचने की चाह में लोग अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल देते हैं। दुखद यह भी है कि अधिकांश दुर्घटनाएँ युवाओं के साथ होती हैं, जिनके सपनों के साथ पूरे परिवार की उम्मीदें भी खत्म हो जाती हैं। दरअसल, कुछ ऐसा ही एक हादसा बालाघाट के किरनापुर क्षेत्र के नेवरगांव से ग्राम खारा मार्ग पर देखने मिला, जहां तेज रफ्तार का कहर देखने मिला और दो जिदंगीया रफ्तार के फेर में काल कलवित हो गई। रविवार की सुबह करीब 11 बजे यह भीषण सड़क हादसा हुआ, जहां दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई। वही अन्य दो लोग भी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार दोनो मोटर साईकिल चालक अपने अपने साथी से साथ निजी कार्य के लिये घर से निकले थे। जिनमें एक बाईक सवार दो लोग खारा से रजेगांव डीजल लेने जा रहे थे, तो वही दूसरे बाईक सवार दो युवक नेवरगांव से ग्राम खारा की ओर आ रहे थे। लेकिन इसी बीच वे लोग नेवरगांव चौक से खारा मार्ग पर हादसे का शिकार हो गये और दोनो बाइक आपस में टकरा गईं।

हादसे में वाहनो की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मोटर साइकिलों के परखच्चे उड़े गए। वही दुखद बात यह रही कि इस हादसे में नेवरगांव निवासी अनिल उर्फ काशी कुतराहे की हादसे के दौरान ही मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। साथ ही दूसरा बाईक चालक ज्ञानेंश्वर उर्फ लाला बोपचे निवासी ग्राम खारा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल उपचार के लिए गोंदिया ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। इन दोनो के अलावा अन्य दो लोग जो दोनो बाईक में पीछे सवार थे, उन्हे भी शरीर में गंभीर चोटे आई है, लेकिन वे सुरक्षित बताये जा रहे है।

रविवार की सुबह 11 बजे अचानक हुई इस भीषण टक्कर ने दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगो का मौके पर हुजूम लग गया और पुलिस भी मौके पर पहुंची। जहां पुलिस ने मौके पर मृत हुए युवक काशी कुतराहे के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और शव का पीएम करवाकर शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में विवेचना की जा रही है।

अल्लाह की रजा के लिए 5 वर्ष की रिफद ने रखा पहला रोजा

कटंगी (स्वतंत्र मत)। रमजान के मुबारक महीने के चौथे दिन कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 12 निवासी अकील अंसारी की 05 वर्षीय बेटी ने रविवार को अपना पहला रोजा रखकर खुदा की इबादत की। रिफत ने अपना पहला रोजा रखकर अपने परिवार को भी चौंका दिया। पांच वर्षीय रिफत अंसारी ने रोजा रखकर नेक दिली का सबूत दिया। परिजनों ने बताया रिफत ने अल सुबह उठकर रोजे की तैयारी की, कुरान-ए-पाक की तिलावत की, और अल्लाह की इबादत का तरीका सीखा। शाम को इफ्तार के वक्त उसने अपना पहला रोजा मुकम्मल किया। दिल से पक्का इरादा करते हुए नन्हीं रिफद ने अल्लाह की रजा के लिए अपना पहला रोजा रखा। रिफद के घर पर दादी मम्मी, बड़ी मम्मी चाचा और चाची सभी रोजा रखते हैं और नमाज अदा करते है। उसने भी रोजा रखकर अल्लाह तआला का शुक्र अदा किया। रिफत ने पूरे दिन धैर्य से रोजा रखा और इफ्तार के समय दुआ की। महज 05 वर्ष की उम्र में रोजा रखने से परिवार और समाज में उत्साह का माहौल है। रिफत की इस जिद और ईमान ने सबको दिखा दिया है कि इबादत की कोई उम्र नहीं होती। बता दें कि रमजान का महीना अल्लाह की इबादत के साथ-साथ दूसरों के लिए दुआ करना और समाज में मोहब्बत और अमन फैलाने का संदेश देता है।

शादी-बारात में स्कूल वाहनों के उपयोग पर सख्त रोक, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। बालाघाट जिले में कुछ स्थानों पर यह देखने में आ रहा है कि स्कूल वाहन मालिकों एवं चालकों द्वारा रात्री के समय स्कूल बसों का उपयोग शादी-बारात एवं अन्य निजी कार्यक्रमों में किया जा रहा है। इस संबंध में परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि स्कूल वाहन केवल विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन के लिए अधिकृत हैं, उनका किसी भी प्रकार से व्यावसायिक या निजी कार्यक्रमों में उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने जिले के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों एवं निजी स्कूलों के प्रमुखों को निर्देशित किया है कि स्कूल बसों को विशेष परमिट शर्तों के तहत संचालन की अनुमति दी जाती है अत: ऐसे वाहनों का शादी, विवाह, बारात आदि अन्य कार्यों में उपयोग करना परमिट की शर्तों का उल्लंघन है तथा यह मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। जिले में कहीं पर भी स्कूल बसों का शादी, विवाह, बारात या अन्य व्यवसायिक कार्यों में उपयोग पाए जाने पर संबंधित वाहन मालिक और चालक के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने सभी स्कूल वाहन संचालकों को सख्त हिदायत दी है कि वे नियमों का पालन सुनिश्चित करें और स्कूल वाहनों का उपयोग केवल छात्रों के परिवहन के लिए ही करें। विभाग द्वारा समय-समय पर औचक जांच भी की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं स्कूल वाहनों का उपयोग शादी-बारात या अन्य निजी कार्यक्रमों में किया जाता हुआ दिखाई दे, तो इसकी सूचना संबंधित विभाग को दें, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन कराया जा सके।

खैरलांजी पुलिस की मवेशी तस्करों पर बड़ी कार्रवाई

20 भैंस की तस्करी 4 पिकअप वाहन जब्त 4 आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

थाना खैरलांजी पुलिस ने मवेशी तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए 20 नग मवेशी (भैंस) एवं परिवहन में प्रयुक्त 4 पिकअप वाहनों को जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर विधिवत कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 फरवरी 2026 को सूचना मिली कि ग्राम भौरगड़ से महाराष्ट्र की ओर अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी की जा रही है। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए थाना खैरलांजी पुलिस ने ग्राम भौरगड़-कुम्हली मुख्य मार्ग पर घेराबंदी की। इस दौरान पिकअप वाहन क्रमांक एमपी-50 जेड.जे 7516, एमएच-34 बी.जी 03883, एमपी-50 जेड.डी 2273 एवं एमएच-35 ए.जे. 2109 को रोका गया। जहां वाहनों की तलाशी लेने पर उनमें 20 नग भैंस ठूंस-ठूंस कर भरी हुई पाई गईं। पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने मवेशियों एवं वाहनों को जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पहले प्रकरण में अपराध क्रमांक 56/2025 के तहत पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(घ) एवं मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 184 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में भुनेश्वर चौधरी (23) निवासी नवेगांव, खैरलांजी तथा अजय मस्करे (28) निवासी नवेगांव, खैरलांजी को गिरफ्तार किया गया है। वही दूसरे प्रकरण में अपराध क्रमांक 57/2025 के तहत समान धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर राम उर्फ रामजाने कुतराहे (25) निवासी भेण्डरा, रामपायली एवं संदीप जैतवार (27) निवासी आरंभा, खैरलांजी को गिरफ्तार किया गया है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण कल से

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रावधानों पर 24 फरवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक कलेक्टोरेट परिसर सभाकक्ष, बालाघाट में दो दिवसीय क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं।

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकारों एवं धारा 3(1)(6) में उल्लेखित सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन संबंधी अधिकारों को मान्यता देने की प्रक्रिया को स्पष्ट करना है। प्रशिक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को वन अधिकार पट्टा स्वीकृति की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, दावे के परीक्षण एवं अनुमोदन की कार्यवाही सहित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

कार्यक्रम में वन विभाग, राजस्व विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग के अनुभाग एवं जनपद स्तर के अधिकारी भाग लेंगे। प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को उनके अधिकार समय पर और विधि अनुसार उपलब्ध कराना है, ताकि वन आश्रित समुदायों को सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन में सशक्त भागीदारी मिल सके।

बांधवगढ़ में घायल बाघ को स्वस्थ होने पर जंगल में छोड़ा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अनुपम सहाय ने बताया कि दिनांक 29 जनवरी 2026 को वन मंडल उत्तर शहडोल के परिक्षेत्र जयसिंह नगर अंतर्गत वन चाचर बीट में लगभग 8 वर्ष आयु के एक वयस्क नर बाघ को आपसी संघर्ष में घायल अवस्था होने से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के रेस्क्यू दल द्वारा रेस्क्यू किया गया था। रेस्क्यू उपरांत घायल

बाघ को उपचार हेतु बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व लाया गया, जहाँ उसे मगधी परिक्षेत्र स्थित बेहेरहा एनक्लोजर क्रमांक-1 में सुरक्षित रखा गया। विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों की सतत निगरानी में उसका उपचार एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। लगातार चिकित्सकीय देखरेख एवं गहन मॉनिटरिंग के पश्चात बाघ के स्वास्थ्य में संतोषजनक सुधार पाया गया। निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दिनांक 22 फरवरी 2026 को बाघ को ट्रैंक्विलाइज कर पुन: विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आज ही सुरक्षित रूप से उपयुक्त प्राकृतिक आवास में पुन: छोड़ दिया गया है।इस अवसर पर क्षेत्र संचालक, उप संचालक, डॉ. राजेश तोमर (वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व), डॉ. अभय सेंगर सहायक संचालक ताला, सहायक संचालक धमोखर, सहायक संचालक पनपथा, परिक्षेत्र अधिकारी मगधी, परिक्षेत्र अधिकारी टूरिज्म, अन्य विषय विशेषज्ञ, बायोलॉजिस्ट सहित रेस्क्यू दल के अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।अब वन क्षेत्र में मुक्त करने उपरांत स्थानीय वन अमले द्वारा निगरानी की जाएगी।

लोढा रेलवे लाइन पर अज्ञात व्यक्ति की रनओवर से मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत उमरिया से ग्राम लोढा की तीसरी रेलवे लाइन पर एक अज्ञात व्यक्ति ट्रेन से रनओवर हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटना पोल क्रमांक 981/31 ए से 981/31-ए-1 के बीच की है। मामले में मर्ग क्रमांक 14/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ की

गई, लेकिन मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को उक्त अज्ञात व्यक्ति के संबंध में कोई जानकारी हो तो सिविल लाइन चौकी, थाना कोतवाली के मोबाइल नंबर 8770 450 471 (आशीष दुबे) पर सूचित करें। फिलहाल अज्ञात शव को पहचान हेतु जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में सुरक्षित रखा गया है।

सड़क हादसे में युवक घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में घोड़छत्र पुल में शनिवार की शाम बड़ा हादसा हो गया। बताया जाता है कि नौरोजाबाद से पठारी जा रहे दोपहिया वाहन चालक और सिहोरा से शहडोल जा रही कार की आमने सामने टक्कर हो गई। दुर्घटना में दोपहिया वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे मौके पर मौजूद लोगों की मदद से नज़दीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है हालांकि घायल व्यक्ति का नाम पता नहीं चल पाया है दुघर्टना का शिकार हुई दोपहिया वाहन का नंबर एम पी 54 एम बी5915 है।

शिक्षा की जगह राजनीति का अखाड़ा बना कन्या परिसर.!

एक माध्यमिक शिक्षक ने आदिवासी छात्राओं को बनाया मोहरा.!

उमरिया (स्वतंत्रमत) – मध्यप्रदेश की सरकार जहाँ आदिवासी बच्चो के सुनहरे भविष्य की कल्पना से माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर जैसे अत्याधुनिक सुविधा युक्त छात्रावास बनाये जिसमे गरीब तबके की आदिवासी छात्राये रहकर पढ़ सके और अपना भविष्य सवार सके, वही एक माध्यमिक शिक्षक की सनक और अहम ने उन गरीब भोली भाली छात्राओ को मोहरा बनाकर अपना पावर दिखा रहा है और शासन, प्रशासन मूक दर्शक बना देख रहा है.! आखिर एक माध्यमिक शिक्षक के आगे विभाग और प्रशासन क्यो पंगु बना हुआ है.? स्वतंत्र मत द्वारा कन्या शिक्षा परिसर में व्याप्त भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को उजागर किया गया था जिसपर मानपुर स्थित माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर में पदस्त माध्यमिक शिक्षक दिनेश चंद्र साहू ने आदिवासी छात्राओ को मोहरा बनाते हुए शुक्रवार 20 फरवरी को सुबह 10 बजे स्कूल की प्रार्थना के बाद परिसर से बाहर रोड पर बैठा कर सड़क जाम करवा दिया.! जानकारी लगते ही जिले के संवेदनशील कलेक्टर ने आनन फानन में सहायक आयुक्त को टीम भेजने को कहा तो किसी कदर छात्राओ को समझाया गया तब

घंटो बाद छात्राये रोड से हटी और जाम खुल सका.! अब सवाल यह उठता है कि छात्राओ को सड़क पर आने के लिए किसने बहकाया और उकसाया उस पर क्या कार्यवाही हुई? क्या विभाग और प्रशासन एक माध्यमिक शिक्षक जो कन्या परिसर का सर्वोसर्वा बना हुआ है प्राचार्य की अनुपस्थिति में प्राचार्य बन सभी खरीददारी करता है और बिजौरी के बालक छात्रावास का अधीक्षक भी है और जो मुख्य काम पढ़ना है उसे छोड़कर राजनीति करने की खुली छूट दे रखी है या फिर शिक्षक के रसूक के आगे विभाग और प्रशासन लाचार और बेबस हैं..!

जाँच टीम पर उठे सवाल

जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती पूजा द्विवेदी द्वारा 5 सदस्यीय टीम बना कर मानपुर भेजा गया और उसमें लगभग सभी उसी विभाग के प्राचार्य और कर्मचारी थे जो बिना जाँच के ही पहले से ही जिम्मेदार को क्लीन चिट देने में आमादा थे। अब सवाल यह उठता हैं कि जो छात्राओ को शासन द्वारा पारदर्शिता के लिए जिले भर के तीनों ब्लॉक में बिस्तर, कपड़े,ड्रेस, ब्लेजर और किताबो के लिए जो पैसा छात्रों के खाते में डाले गए और सभी प्राचार्यो द्वारा छात्रों से पैसे वापस मांग कर उनको सामान खरीदकर दिया दिया गया, क्योंकि कमीशन का खेल था और शासन ने इसी को बंद करने का काम किया है लेकिन जो खाने की लत लगी हुई है वो नही छूट रही.! टीम में कन्या परिसर पाली की प्राचार्य सरिता जैन है जो खुद अपने कन्या परिसर में छात्राओ से उनके खाते में आये पैसे लेकर कमीशन में निम्न स्तर के समान विद्यालयों के छात्राओ को वितरित की है और लाखों का कमीशन दुकानदारों से ले रही है वो टीम में है तो क्या निष्पक्ष जांच कैसे होगी आप समझ सकते है.? वही जब तक कन्या परिसर के प्राचार्य, शिक्षक दिनेश चंद साहू और अधीक्षिका तीनो को हटाकर एक ट्राईबल विभाग से बाहर की टीम जाँच नही करेगी तब तक निष्पक्ष जांच की संभावना न के बराबर ही है,आखिर लाखो का सवाल हैं.! शेष अगले अंक में स्वतंत्र मत भ्रष्टाचार पर प्रहार जारी रहेगा।

वनमंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला वनोपज सहकारी यूनियन पश्चिम मंडला द्वारा तेंदूपत्ता सीजन वर्ष 2026 के लिए वनमंडल स्तरीय शाखाकर्मियों के प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वनमंडलाधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक एम.एस. मौर्य, आकाश साहू (प्रशिक्षु भा.रा.से.), उपमंडलाधिकारी श्रीराम सूत्रकार सहित संबंधित अधिकारी, पालक अधिकारी एवं प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में तेंदूपत्ता उत्पादन बढ़ाने, कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित अवधि 12 मार्च 2026 से 24 मार्च 2026 तक शाखाकर्मियों द्वारा कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संग्रहण स्तर पर कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने पर जोर दिया गया ताकि संग्राहकों को अधिक से अधिक तेंदूपत्ता प्राप्त हो सके और रोजगार के अवसर बढ़ें।

चुटका परमाणु परियोजना बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में चुटका परमाणु परियोजना संबंधी बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि मुख्य सचिव मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारियों द्वारा उक्त परियोजना की प्रगति की समीक्षा की जानी है। इसके लिए अभी तक की पूरी प्रक्रिया एवं संबंधित सम्पूर्ण पीपीटी तैयार करानी है। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने परिवारों के पुनर्वास, विस्थापन, अवार्ड, पूरक अवार्ड, धारा 19 तथा 23, दोहरे विस्थापन, टिकरिया से चुटका तक सड़क निर्माण सहित सभी विषयों पर बिंदुवार समीक्षा करते हुए तैयारियों के लिए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, डीएफओ पूर्व एम एस मौर्य, डीएफओ उत्पादन सुश्री पूजा नागलें, एएसपी शिवकुमार वर्मा, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संगम घाट में किया गया श्रमदान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत स्वच्छ जल स्वच्छ मन अभियान मुखी महात्मा अनिल बानी के पावन सानिध्य में संगम घाट महाराजपुर पर किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट अमृत का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पल का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं बल्कि जल संरक्षण और मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित महाभियान में अपने पहले तीन चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है।

बाल विवाह रोकथाम कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्र मत)। बाल विवाह के विरुद्ध जन जागरूकता हेतु चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत ग्राम पंचायत रामनगर में बाल विवाह रोकथाम विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी प्रशासक श्रीमती मधुलिका उपाध्याय ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग करने की अपील की।

सांसद श्री कुलस्ते का दौरा आज

मण्डला(स्वतंत्र मत)। एससी, एसटी कल्याण संबंधी समिति लोकसभा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के जिले में निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार 23 फरवरी को प्रात: 11 बजे जेवरा से मण्डला के लिए रवाना होंगे तथा दोपहर 12 बजे मण्डला पहुंचेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रम और सायं 5 बजे सांसद कप का समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे रात्रि 8 बजे मण्डला से रवाना होंगे तथा 8:45 बजे कान्हा एमपीटी पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। सांसद श्री कुलस्ते 24 फरवरी को प्रात: 11 बजे कान्हा एमपीटी मण्डला से जिला बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 1 बजे बालाघाट पहुंचकर प्रेस कांफ्रेस में शामिल होंगे। इसके बाद श्री कुलस्ते दोपहर 2 बजे बालाघाट से सिलादेही जिला सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगे।

संत गाडगे की जन्मजयंती आज

मण्डला(स्वतंत्र मत)। रजक समाज के जिला अध्यक्ष गजेन्द्र रजक ने बताया कि आज रजक समाज के द्वारा राष्ट्र संत गाडगे महाराज की जन्मजयंती भव्यता से मनाई जायेगी। बिंझिया स्थित माहेश्वरी गार्डन में जन्मोत्सव समारोह का आयोजन किया गया है। यहां पर दोपहर 2 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ होगा। बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति किए जायेंगे।

मवई में जिम्मेदारों की लापरवाही का नतीजा भुगत रहे बैगा कुपोषण की महामारी से बच्चों का बचपन हुआ नासूर

मण्डला/मवई (स्वतंत्र मत)

आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला का मवई विकासखंड जहां सबसे अधिक बैगा आदिवासी समुदाय निवास करता है जो कि आज भी मूलभूत सुविधाएं के साथ कुपोषण के कलंक से जूझ रहा है। सरकारी योजनाओं पोषण अभियानों और विकास के तमाम दावों के बावजूद मवई के कई गांवों में बच्चे आज भी कुपोषण के शिकार हैं। कुपोषण यहां सिर्फ एक स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि एक सामाजिक त्रासदी बन चुका है जो पीढ़ी दर पीढ़ी बैगा समाज के भविष्य को खोखला कर रही है। मवई क्षेत्र के दुर्गम गांवों में यदि जमीनी हकीकत देखी जाए तो तस्वीर बेहद चिंताजनक नजर आती है। कच्चे घरों, जंगलों से सटे बसे गांवों में रहने वाले बैगा आदिवासी परिवारों के बच्चों के चेहरे पर कुपोषण की साफ छाप दिखाई देती है। दुबले-पतले शरीर सूखे हाथ-पैर बढ़ती उम्र के साथ विकास न होना और आंखों में कमजोरी ये सब यहां आम दृश्य हैं। कई बच्चे ऐसे हैं जो अपनी उम्र के हिसाब से न तो चल पा रहे हैं और न ही बोल पा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो मवई क्षेत्र में कुपोषण की समस्या बच्चों के जन्म के बाद नहीं बल्कि मां के गर्भ से ही शुरू हो जाती है। बैगा आदिवासी महिलाओं में एनीमिया कमजोरी और पोषक तत्वों की भारी कमी पाई जाती है। गर्भावस्था के दौरान न तो उन्हें पर्याप्त पोषण मिल पाता है और न ही नियमित स्वास्थ्य जांच हो पाती है। नतीजा यह होता है कि बच्चे जन्म से ही कमजोर होते हैं और धीरे-धीरे गंभीर कुपोषण की श्रेणी में पहुंच जाते हैं। सरकार द्वारा कुपोषण से निपटने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्था की गई है लेकिन मवई क्षेत्र में इनकी स्थिति खुद सवालों के घेरे में है। कई गांवों में आंगनवाड़ी भवन जर्जर हालत में हैं तो कहीं पर नियमित रूप से केंद्र खुलते ही नहीं। पोषण आहार वितरण में लापरवाही, बच्चों की सही माप-जोख न होना और रजिस्टरों में सिर्फ खानापूर्ति ये समस्याएं आम हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि कई बार महीनों तक बच्चों को पोषण आहार नहीं मिल पाता। जब शिकायत की जाती है तो कागजों में सब कुछ ठीक दिखा दिया जाता है लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। मवई क्षेत्र के बैगा आदिवासी परिवार मुख्य रूप से जंगलों पर निर्भर हैं। जंगल से मिलने वाले कंद-मूल, पत्ते और लकड़ी ही इनके जीवन का सहारा हैं। रोजगार के स्थायी साधन न होने के कारण परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। ऐसे में बच्चों को भरपेट और पोषक भोजन मिलना एक चुनौती बन जाता है। मनरेगा जैसी योजनाएं कागजों में जरूर चल रही हैं लेकिन गांवों में काम की उपलब्धता सीमित है। मजदूरी समय पर न मिलना भी बड़ी समस्या है। जब घर में अनाज ही नहीं होता तो बच्चों का पोषण प्राथमिकता से बाहर हो जाता है। मवई क्षेत्र के कई गांव आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं से कोसों दूर हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। बारिश के मौसम में तो हालात और भी बदतर हो जाते हैं। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को जिला अस्पताल तक ले जाना कई परिवारों के लिए लगभग असंभव हो जाता है। कई मामलों में बच्चों को समय पर इलाज न मिलने के कारण उनकी हालत और बिगड़ जाती है। कुछ बच्चे ऐसे भी हैं जिन्हें एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) में भर्ती कराने की जरूरत होती है लेकिन जानकारी के अभाव और संसाधनों की कमी के कारण वे वहां तक पहुंच ही नहीं पाते। कुपोषण की एक बड़ी वजह जागरूकता की कमी भी है। बैगा आदिवासी समुदाय के कई परिवारों को संतुलित आहार स्वच्छता और बच्चों की देखभाल की सही जानकारी नहीं है। शिक्षा का स्तर कम होने के कारण महिलाएं यह नहीं समझ पातीं कि बच्चे को किस उम्र में क्या भोजन देना जरूरी है। स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना जरूर चल रही है लेकिन कुपोषित बच्चों के लिए यह पर्याप्त नहीं साबित हो रही। कई बच्चे कमजोरी के कारण नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पाते जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है। सरकारी आंकड़ों में कुपोषण की दर में कमी दिखाई जाती है, लेकिन मवई क्षेत्र की हकीकत इन आंकड़ों को झुठलाती नजर आती है। कागजों में योजनाएं सफल हैं लेकिन गांवों में बच्चे अब भी कुपोषण से जूझ रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक कुपोषण को सिर्फ आंकड़ों की नजर से देखा जाएगा तब तक हालात नहीं बदलेंगे। इसके लिए जमीनी स्तर पर ईमानदार प्रयास निगरानी और जवाबदेही जरूरी है। कुपोषण का असर सिर्फ वर्तमान तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बच्चों के पूरे भविष्य को प्रभावित करता है। कमजोर शारीरिक विकास के साथ साथ मानसिक विकास भी बाधित होता है। ऐसे बच्चे आगे चलकर न तो पढ़ाई में अच्छा कर पाते हैं और न ही रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर पाते हैं। इससे गरीबी और पिछड़ेपन का दुष्चक्र और मजबूत हो जाता है। मवई क्षेत्र में कुपोषण से निपटने के लिए सिर्फ योजनाओं की घोषणा नहीं बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। आंगनवाड़ी केंद्रों की नियमित निगरानी गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं तक आसान पहुंच और रोजगार के स्थायी साधन ये सभी कदम जरूरी हैं। साथ ही बैगा आदिवासी समुदाय को जागरूक करने के लिए स्थानीय भाषा और संस्कृति के अनुसार अभियान चलाने होंगे ताकि लोग खुद भी बच्चों के पोषण को प्राथमिकता दें।

संस्कार शिक्षा सत्संग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। एकल अभियान के तत्वाधान में आयोजित श्री हरि वनवासी विकास ट्रस्ट के द्वारा अंचल सत्संग मंडली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद कार्यालय प्रांगण में संपन्न हुआ। यहां 8 संच शामिल हुए यहां पर बिछिया, घुघरी, घुटास, बीजाडांडी,मोहगांव,चाबी, अंजनिया, निवास की मंडली टीम संच केंद्र के एकल विद्यालय संस्कार ग्राम से चयन होकर जिला स्तरीय सत्संग मंडली प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें घुटास संच प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं द्वितीय स्थान बिछिया, तृतीय स्थान पर मोहगांव की मंडली रही जिसमें प्रथम विजेता टीम को शील्ड 1100 रुपए, द्वितीय विजेता टीम को शील्ड 750 रुपए तथा तृतीय स्थान टीम को शील्ड 500 रुपए की नगद राशि अंचल आयोजक समिति द्वारा सप्रेम भेट की गई। आयोजक पदाधिकारी अंचल से प्रदीप सिंह अंचल सचिव, अनिल मिश्रा अंचल कोषाध्यक्ष, अरविंद तिवारी विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल विभाग संगठन मंत्री, नीरज अग्रवाल अध्यक्ष पत्रकार परिषद, कैलाश डहेरिया अध्यक्ष वनवासी सेवा मंडल मंडला, किशोरी साहू सक्रिय सदस्य, श्रीमती उमा यादव अंचल उपाध्यक्ष, हरि कथा अध्यक्ष श्रीमती प्रिया धुर्वे अंचल महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती शारदा कछवाहा रहे।

पुलिस का चौपाल से जागरूकता

मण्डला। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौंकी क्षेत्रों में माइक्रो बीट पुलिस चौपाल आयोजित कर ग्रामीण नागरिकों को हेलमेट अनिवार्यता, यातायात नियमों के पालन, नशा मुक्ति, साइबर अपराध से बचाव तथा महिला एवं बाल सुरक्षा के संबंध में व्यापक रूप से जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत थाना निवास बम्हनी, थाना बिछिया खुलवा, थाना बीजाडांडी ओरिया, थाना टिकरिया गुजरसनी, एवं चौकी मनेरी मेढी, पांडीवारा मानेगांव, चौकी पौडी मोहगांव, चौकी पिंडरई झरवाडा क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों द्वारा चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

नैनपुर में कांग्रेस कमेटी का प्रदर्शन, किया पुतला दहन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा दिए गए विवादित बयान को लेकर नैनपुर कांग्रेस कमेटी ने कड़ा विरोध दर्ज जताया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य मार्ग में एकत्र होकर मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की तथा उनका पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मंत्री का बयान समाज की भावनाओं को आहत करने वाला और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों से जनता में भ्रम और असंतोष फैलता है। कांग्रेस कमेटी ने मांग की कि मंत्री अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा लगातार इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश की छवि धूमिल हो रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस तरह की बयानबाजी जारी रही तो कांग्रेस पार्टी सड़को पर उतरकर तीव्र आंदोलन करेगी। पुतला दहन कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दामोदर पटेल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नैनपुर,सरजू तिवारी पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नैनपुर, संतोष मिश्रा, धर्मेश तिवारी, प्रेम नारायण बारेश्वर , जयंत रंगारी, रवि वैष्णव, राजू वैष्णव, अंकित शर्मा, पीयूष खंडेलवाल बीरबल परते, संतोष उइके, उमाकांत झरिया, महपाल कन्हैया गुप्ता ,लक्ष्मण नरेटी, राजेश गुप्ता,पनकु उइके मुलायम नेटी एवं समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता पदाधिकारी प्रदर्शन में सहभागी रहे।

सीताराम संकीर्तन समिति महोत्सव

मण्डला/नारायणगंज

ग्राम पटेहरा में सीताराम संकीर्तन समिति की प्रभात फेरी महोत्सव 21 वी वर्षगांठ को बड़े ही उत्साह से मनाया गया साथ ही हनुमान मंदिर निर्माण कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। नारायणगंज जनपद पंचायत पटेहरा ग्राम जहां पिछले कई सालों से ग्राम पटेहरा मे सीताराम संकीर्तन समिति द्वारा पिछले 21 सालों से प्रति दिन सुबह प्रभात फेरी का आयोजन होता हे जिसमें गाओ का प्रत्येक व्यक्ति सीताराम संकीर्तन समिति से जुड़ कर स्वस्थ लाभ के साथ साथ धार्मिक लाभ भी ले रहे है पिछले कुछ सालों से सीताराम संकीर्तन मंडल द्वारा राम धुन प्रभात फेरी का आयोजन पटेहरा ग्राम से शुरुआत होते हुए आजकल आस पास के कई गांव में रामधुन प्रभात फेरी होने लगी हे आसपास में प्रभात फेरी करवाने का श्रेय गांव के बुजुर्ग और सीताराम समिति से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं को जाता हैं जो लोगों को सुबह उठने ओर राम से जुड़ने का प्रयास निरंतरण कर रहे जिनके द्वारा आसपास के गांव पर भी राम धुन प्रभात फेरी शुरू हो चुकी है। इस अवसर पर सुबह 9 बजे से कलश यात्रा निकाल कर 12 बजे देवपूजा कार्यक्रम किया गया साथ ही चौकी, सिंघनपुरी, पडरिया, टोला तिलगाव, सोनपुर, सुंदरपुर, पटपरा देवरी, बरेला, डूडी 17 संकीर्तन समितियों का आगमन हुआ स्वागत और साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। यहां पर सरपंच कालिचरण मार्को, बेनीलाल सिंगरोरे बंटू, दुर्गेश सिंगरौरे, ओमकार सिंगरौरे संजू सिंगरोरे, उमेश सिंगरोरे, राजाराम, रघुवीर, सुरेंद्र, श्याम सुंदर, नोनेलाल, छोटेलाल, धनेश्वर पटेल, सचिव दिवेंद्र श्रीवास्तव उप सरपंच प्रकाश,अखिलेश अग्रवाल आदि लोगों का प्रवचन हुआ संतों का सम्मान अंत में प्रभात फेरी संकीर्तन सीताराम समिति के कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया।

अधिकारियों का जनगणना प्रशिक्षण 23 से

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए जिले में अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 एवं 24 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की तैयारियों के तहत आयोजित होगा।मध्यप्रदेश राज्य में जनगणना के प्रथम चरण का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक संपादित किया जाएगा। इस आशय की अधिसूचना 23 जनवरी 2026 को मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित की जा चुकी है। कलेक्टर एवं मुख्य जनगणना अधिकारी द्वारा जारी आदेशानुसार प्रशिक्षण 23 फरवरी को जिला योजना भवन सभाकक्ष में तथा 24 फरवरी को जिला पंचायत सभागार मंडला में आयोजित किया जाएगा। दोनों दिवसों में प्रशिक्षण प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक चलेगा।

राज्य कर्मचारी संघ का चुनाव सम्पन्न, जिला अध्यक्ष मनोनीत हुए सुभाष चंद्र चतुर्वेदी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

राज्य कर्मचारी संघ जिला इकाई मंडला का चुनाव 22 फरवरी 2026 को संपन्न हुआ जिसमें तहसील स्तरीय कार्यकारिणी एवं सदस्यों के द्वारा जिला अध्यक्ष उपाध्यक्ष कार्यकारी अध्यक्ष सचिव एवं अन्य पदाधिकारी का चयन किया गया । जिला अध्यक्ष सुभाष चंद्र चतुर्वेदी प्राचार्य जनजातीय कार्य विभाग का चुनाव किया गया कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर ए एच खान प्राचार्य , उपाध्यक्ष जावेद खान प्राचार्य एवं अन्य 8 पदाधिकारी कोषाध्यक्ष हेतु अशोक पांडे का चुनाव किया गया।? सचिव के पद पर संजू कुशराम जन जातीय कार्य विभाग का चुनाव किया गया। विगत कई वर्षों पश्चात राज्य कर्मचारी संघ का चुनाव होना कर्मचारियों के लिए एक सुखद अवसर माना गया। यह चुनाव राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री रजनीश विश्वकर्मा एवं भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष एवं जिला महामंत्री की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कर्मचारीयो की समस्याओं का प्रस्तुतीकरण एवं निराकरण हेतु राज्य कर्मचारी संघ जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एक मजबूत संगठन है मध्य प्रदेश सरकार को कर्मचारी की समस्याओ के सम्बन्ध मे अपना पक्ष मजबूती से रखेंगे इसमें प्रमुख रूप से ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने के लिए राज्य कर्मचारी संघ 25 फरवरी 2026 को 31 सूत्रीय प्रमुख मागो को लेकर सरकार के नाम कलेक्टर मंडला को ज्ञापन सौंपा जाएगा कर्मचारी के भविष्य को संवारने एवं समस्याओं के समाधान हेतु तत्पर होकर पूरी लगन ईमानदारी निष्ठा से कार्य करने की मंशा जताई गई।

घुघरी को विधायक ने दी सौगात

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्र मत)। घुघरी क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में घुघरी मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने अपनी विधायक निधि से निर्मित मंच पर स्थापित होने वाली दो प्रमुख प्रतिमाओं को विधिवत रूप से ग्राम पंचायत और स्थानीय नागरिकों को समर्पित किया। इन प्रतिमाओं को घुघरी की पहचान और आस्था के केंद्रों पर स्थापित किया जाएगा। बस स्टैंड घुघरी पर यहां अदम्य साहस की प्रतीक अमर शहीद वीरांगना रानी दुर्गावती की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। त्यागी चौंक यहां क्षेत्र की आध्यात्मिक आस्था के केंद्र परम पूज्य त्यागी जी महाराज की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इन प्रतिमाओं के निर्माण और इस गौरवपूर्ण कार्य को सफल बनाने में विधायक नारायण सिंह पट्टा के विशेष प्रयासों के साथ-साथ ग्राम पंचायत घुघरी और समस्त ग्रामवासियों का अथक योगदान रहा है। प्रतिमाओं के निर्माण में तकनीकी बारीकियों और कलात्मकता का विशेष ध्यान तकनीकी विशेषज्ञ विनय चौकसे के सहयोग से रखा गया है। विधायक श्री पट्टा ने प्रतिमाएं सौंपते हुए बताया कि जल्द ही शुभ मुहूर्त और भव्य आयोजन के साथ दोनों प्रतिमाओं की स्थापना और अनावरण किया जाएगा।

नाम परिवर्तन संबंधी आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं किशोर कालपीवार (KISHORE KALPIWAR), पिता मोहन चन्द्र कालपीवार (MOHAN CHANDRA KALPIWAR), निवासी H.N. 132, 42 B., आजाद वार्ड गर्ल्स कॉलेज के पास मंडला, जिला मंडला (म.प्र.) 481661 शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूं। कि मेरे पासपोर्ट क्रमांक K4988564 में मेरा नाम (KISHORE KUMAR KALPIWAR) अंकित है जो कि गलत है जबकि मेरा सही एवं वर्तमान नाम (KISHORE KALPIWAR) है। मुझे (KISHORE KALPIWAR) नाम से ही जाना पहचाना व लिखा जाता है। उपरोक्त नाम परिवर्तन सूचना किसी प्रकार की धोखाधड़ी या अनुचित लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से नहीं किया गया है। यह शपथ-पत्र मैं अपने नाम के संशोधन-परिवर्तन के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूँ।

पुराना नाम :
(KISHORE KUMAR KALPIWAR)
किशोर कुमार काल्पीवार
सही नाम :
(KISHORE KALPIWAR)
किशोर काल्पीवार
पता: आजाद वार्ड, गर्ल्स कॉलेज के पास मंडला, जिला मंडला (म.प्र.) 481661
शपथकर्ता
किशोर कालपीवार

संपादकीय

ट्रंप का गैरकानूनी टैरिफ

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहुत बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने कहा है कि ट्रंप को टैरिफ लगाने का कानूनी अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप का दुनिया के देशों पर लगाया गया टैरिफ गैरकानूनी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने नेशनल इमरजेंसी के लिए रखे गए कानून का इस्तेमाल करके बड़े टैरिफ लगाकर अपने अधिकार का उल्लंघन किया। अदालत ने कहा कि 1977 में बना यह कानून, प्रेसिडेंट को नेशनल इमरजेंसी के दौरान कॉमर्स को रेगुलेट करने की इजाजत देता है, लेकिन इसमें टैरिफ का साफ तौर पर जिक्र नहीं है। लिहाजा अब राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने की अपनी खास ताकत के दावे को सही ठहराने के लिए कांग्रेस से मिली साफ मंजूरी दिखानी होगी।

यह ट्रंप के बड़े एजेंडा का पहला बड़ा हिस्सा है जो सीधे देश की सबसे बड़ी अदालत के सामने आया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का यूएस-भारत ट्रेड रिश्तों पर बड़ा असर पड़ेगा। ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति की वजह से नई दिल्ली-वाशिंगटन के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे। भारत उन पहले देशों में से था जिन पर ट्रंप के 2 अप्रैल को घोषित 'रेसिप्रोकल' टैरिफ का असर पड़ा था। ट्रंप ने उस दिन को 'लिबरेशन डे' कहा था। ट्रंप ने बार-बार भारत के टैरिफ स्ट्रक्चर की आलोचना की। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड इकोनॉमी' बताया। ट्रंप ने भारत की एग्रीकल्चर इकोनॉमी, मेडिकल डिवाइस और मोटरसाइकिल पर ड्यूटी को टारगेट किया गया और नई दिल्ली पर गलत ट्रेड बैरियर बनाए रखने का आरोप लगाया। अमेरिकी थिंक टैंक ने कई बार कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध की फंडिंग कर रहा है क्योंकि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता है। इसी का हवाला देकर ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ और 25 फीसदी दंडात्मक टैरिफ लगाया। ये दंड रूस से कच्चा तेल आयात करने के लिए लगाया गया था। हालांकि भारत ने हाल ही में अमेरिका के साथ ट्रेड डील कर लिया है इसके बाद ट्रंप ने भारत पर टैरिफ की दर घटाकर 18 फीसदी कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने ट्रंप के दूसरे टर्म के इकोनॉमिक एजेंडा के एक अहम हिस्से को कमजोर कर दिया है। इस फैसले का दुनिया भर में असर पड़ सकता है। ट्रंप ने अपनी दूसरी पारी में आक्रामक विदेश और व्यापार नीति को फॉलो किया और टैरिफ को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। ट्रंप के इस पॉलिसी की वजह से ग्लोबल ट्रेड वॉर की दिशा बदल गई। इसी कानून का इस्तेमाल कर ट्रंप ने भारत, चीन, मेक्सिको समेत दुनिया के कई देशों पर हैवी टैरिफ लगाए। इस टैरिफ के जरिए ट्रंप ने दुनिया के देशों से अरबों डॉलर रुपये वसूले। अब इस फैसले के बाद यूनाइटेड स्टेट्स को अपने उन इंपोर्टर्स को अरबों डॉलर रिफंड करने पड़ सकते हैं जिन्होंने टैरिफ का पेमेंट किया था, भले ही कुछ इंपोर्टर्स ने पहले ही ये लागत उपभोक्ताओं पर डाल दिया हो। हालांकि, संविधान कांग्रेस को टैरिफ लगाने की पावर देता है। लेकिन ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने तर्क दिया कि 1977 का एक कानून जो प्रेसिडेंट को इमरजेंसी के दौरान इंपोर्ट को रेगुलेट करने की इजाज़त देता है, उन्हें टैरिफ तय करने की भी इजाज़त देता है। दूसरे प्रेसिडेंट्स ने इस कानून का दर्जनों बार इस्तेमाल किया है, अक्सर बैन लगाने के लिए, लेकिन ट्रंप पहले प्रेसिडेंट थे जिन्होंने इसे इंपोर्ट टैक्स के लिए इस्तेमाल किया।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। मानवता केंद्र में का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

ट्रम्प की इकतरफा शुल्क नीति

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की वैश्विक शुल्क निर्धारण नीति को गैर संवैधानिक करार दिये जाने के बाद भारत से हुए इसके व्यापार समझौते की वैधता पर भी सवालिया निशान लगना स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि श्री ट्रम्प ने जिस कानून 'इंटरनेशनल इकोनॉमिक पावर्स एक्ट' का इस्तेमाल करके दुनिया के विभिन्न देशों के बने माल पर अमेरिका में आयात होने पर शुल्क लागने का काम किया है वह उन्हें इसका अधिकार ही नहीं देता है, अतः उनका आदेश असंवैधानिक है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से दुनिया के विभिन्न देशों ने राहत की सांस ली है लेकिन श्री ट्रम्प ने अपने देश की सुरक्षा के तहत बने नियमों के तहत जिन आयातित उत्पादों पर शुल्क बढ़ाया है उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय की नौ सदस्यीय पीठ ने अपना फैसला 6-3 के बहुमत से देते हुए स्पष्ट किया कि शुल्क निर्धारण का अधिकार केवल अमेरिका की संसद (कांग्रेस) के पास है जिसे राष्ट्रपति लांघ नहीं सकते हैं। मगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद राष्ट्रपति ने एक प्रेस कान्फ्रेस में कहा कि भारत के साथ हुए व्यापार समझौते पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

ज्ञातव्य है कि अमेरिका ने भारत के साथ अभी अन्तरिम समझौता ही किया है जिसका ब्यौरा अभी बन रहा है। अतः भारत के पास ऐसा हथियार आ गया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले की रोशनी में इस ब्यौरे को तैयार करे और पुरानी शुल्क व्यवस्था की ओर लौटने का प्रयास करे। पुरानी व्यवस्था में अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान पर अधिकतम तीन से चार प्रतिशत शुल्क की दरें प्रभावी थीं जबकि नये समझौते में इन्हें बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके साथ ही समझौते में गैर शुल्कीय या नान टैरिफ शर्तें भी हैं जैसे भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल आयात करने पर भी अमेरिका ने 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी। इसे लेकर भारत की विरोधी पार्टियां व्यापार समझौते की कटु आलोचना कर रही थीं और इसे भारत की संप्रभुता से जोड़ रही थीं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद भारत सरकार के हाथ में ऐसा अस्त्र आ गया है कि वह समझौते की विभिन्न शर्तों को ढीला कर सके। अमेरिका के संविधान के अनुसार आपसी कारोबारी मुल्कों पर शुल्क निर्धारण करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास होने की वजह से राष्ट्रपति ट्रम्प को अपनी वैश्विक शुल्क नीति को कांग्रेस के पास लेकर जाना चाहिए था मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया और अधिशासी आदेश जारी करके शुल्क नीति लागू कर दी। इससे अमेरिका की राजनीति में भूचाल आने की संभावना भी बढ़ गई है क्योंकि कांग्रेस में अमेरिका की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का भी अच्छा दबदबा है। अमेरिका के इतिहास में अभी तक किसी भी राष्ट्रपति ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट का इस्तेमाल शुल्क दर निर्धारण के लिए नहीं किया है। मगर विगत वर्ष 2 अप्रैल को श्री ट्रम्प ने यह घोषणा की कि विदेशी कारोबार व आर्थिक प्रक्रियाओं के चलते अमेरिका में आपातकाल जैसी स्थिति बन चुकी है जिसकी वजह से उन्हें अमेरिका के हितों को देखते हुए नई शुल्क नीति लागू करनी पड़ रही है। इसके बाद ट्रम्प ने विभिन्न कारोबारी देशों पर इकतरफा शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया था। इससे वर्ष 2025 के भीतर ही अमेरिका के राजकीय कोष में 142 अरब डालर की अतिरिक्त धनराशि जमा हुई थी। मगर ट्रम्प के इस कदम से पूरी दुनिया के स्थापित विश्व क्रम में तूफान आ गया था और अमेरिकी शुल्कों ने एक हथियार का रूप ले लिया था। इस 142 अरब डालर की धनराशि में भारत से वसूली गई लगभग 49 करोड़ डालर की रकम भी शामिल है।

अमेरिका ने सर्वाधिक धनराशि चीन से वसूली है। अतः सुप्रीम कोर्ट के आदेश से उन देशों को यह छूट मिल गई है कि वे नई शुल्क दरों के तहत अमेरिका को दी गई अतिरिक्त रकम की वापसी की मांग करें। हालांकि सुप्रीम कोर्ट इस मसले पर चुप रहा है लेकिन जहां तक भारत का सवाल है तो फैसले से उसे फौरी लाभ तभी मिल सकता है जबकि समझौते की वैधता पर प्रश्न चिन्ह लग जाये और अमेरिका ने बढ़ी हुई शुल्क दर के हिसाब से भारत से अभी तक जो भी वसूली है उस रकम की वापसी हो। भारत अमेरिका को जो भी माल निर्यात करता है उसका लगभग 55 प्रतिशत ऐसा है जिसका अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा के तत्वों से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर वहां के राष्ट्रपति को शुल्क बढ़ाने का अधिकार है, अतः ऐसे माल पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शुल्क दरें पूर्व की भांति ही हो जानी चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सामान में धातु व इंजीनियरिंग मशीनरी आदि की वस्तुएं आती हैं। जाहिर है कि घरेलू सामान जैसे कालीन से लेकर हीरे-जवाहरात व आभूषणों तथा कपड़ों आदि का अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई सम्बन्ध नहीं हो सकता जबकि भारत 55 प्रतिशत के लगभग ऐसा ही सामान अमेरिका को निर्यात करता है। मगर राष्ट्रपति ट्रम्प अपने देश के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शर्मिन्दा करने वाला बता रहे हैं, इससे उनकी मानसिक स्थिति का ही पता चलता है। पूरी दुनिया जानती है अमेरिका का लोकतन्त्र समूचे विश्व में सबसे खुला व पारदर्शी व जवाबदेह लोकतन्त्र है जिसमें वहां के निर्वाचित राष्ट्रपति को उसकी संसद द्वारा बनाये गये संवैधानिक अनुदेशों पर ही चलना होता है। यहां का सुप्रीम कोर्ट संसद द्वारा बनाये गये कानूनों की परख फिर संविधान की कसौटी पर करता है। अतः राष्ट्रपति ट्रम्प को अपने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का सम्मान करते हुए भारत के साथ हुए व्यापार समझौते की खुद ही तसदीक करनी चाहिए।

तकनीक के जरिए मातृभाषाओं को बचाने की जरूरत

उमेश चतुर्वेदी

तकनीकी दौर में मातृभाषाएं सबसे ज्यादा संकट में हैं। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं को बोलना भी तकनीक से प्रभावित हो रहा है और लेखन तो पूरी तरह उसी पर निर्भर हो गया है। तकनीक की खासियत कहें या कमी, वह बाजार के लिहाज से खुद को विकसित करती है और अपने उत्पादों के लिए इसी नजरिए से शोध करती है। चूंकि मातृभाषाओं में कई ऐसी हैं, जिन्हें बोलने या जिनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या बेहद कम है, इसलिए उनसे कमाई की संभावना कम है। चूंकि तकनीकी विकास में काफी धन लगता है, और मातृभाषाओं के एक हिस्से से कमाई की गुंजाइश नहीं दिखती, इसलिए तकनीक उनके सहज इस्तेमाल में दिलचस्पी नहीं दिखाती। इसलिए मातृभाषाओं की बड़ी संख्या लुप्त होने के कगार पर हैं। भारत को ही देखिए। साल 1961 की जनगणना के आंकड़ों के लिहाज से भारत में 1652 भाषाएं थीं। लेकिन सिर्फ दस साल बाद यानी 1971 में यह संख्या घटकर महज 808 रह गई। ऐसा बदलाव तब हुआ, जब तकनीक का बोलबाला नहीं था। लेकिन अब बात उससे भी आगे बढ़ चुकी है। 2013 के भारतीय लोकभाषा सर्वेक्षण के अनुसार, विगत 50 वर्षों में 220 भाषाएँ जहां लुप्त हो गई हैं, वहीं 197 भाषाएँ खत्म होने की कगार पर हैं।

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। इसके बावजूद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो मातृभाषाओं को लेकर कुछ इलाकों में सम्मोहन बरकरार है। शायद यही वजह है कि इस बार के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए यूनेस्को ने जो थीम रखा है, वह बेहद अहम जान पड़ता है। यह थीम है, 'भाषाओं का महत्व- रजत जयंती और सतत विकास'। इस थीम का ध्येय वाक्य 'अनेक भाषाएँ, एक भविष्य' है। पूर्वी बंगाल में 1952 में शहीद हुए भाषा आंदोलनकारियों की याद में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की पिछले साल यानी 2025 में रजत जयंती थी। तब यूनेस्को ने इस दिवस को भाषाई विविधता, डिजिटल सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा के माध्यम से सतत विकास पर जोर देने पर केंद्रित किया था।

यूनेस्को की ओर से घोषित 'भाषाओं का महत्व - रजत जयंती और सतत विकास' विषय, एक तरह से भाषायी विविधता, बहुभाषावाद और सतत विकास के बीच गहरे संबंधों को ही रेखांकित करता है। चूंकि यूनेस्को ने मातृभाषाओं को संरक्षित करने, भाषायी विविधता को जिंदा रखने और उन पर रश्क करने के साथ ही शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत है, इसलिए वह लगातार भाषाओं को बचाने का संदेश दे रहा है। दुनिया में इन संदेशों को सुना और समझा भी जा रहा है। चूंकि भाषाएँ सिर्फ संवाद का साधन ही नहीं होतीं, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का अहम औजार भी हैं, लिहाजा प्राथमिक शिक्षा में उन पर जोर दिया जा रहा है। 2020 में आई भारत की नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषाओं में शिक्षा-विशेषकर प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। दुनियाभर के शिक्षाशास्त्री मानते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा समावेशी होती है और बच्चों की समझ को बेहतर बनाने में मददगार होती है। इतना ही नहीं, इसके चलते बच्चे की सीखने की प्रक्रिया भी तेज होती है। मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के भी नतीजे बेहतर होते हैं। चूंकि सतत विकास में शिक्षा का स्थान अहम है और मातृभाषा आधारित शिक्षा बेहतरीन होती है, यही वजह है कि सतत विकास के लक्ष्यों को अब मातृभाषा के जरिए मिलने वाली शिक्षा में गंभीरता से खोजा जा रहा है। इसीलिए दुनिया एक बार फिर मातृभाषाओं के जरिए शिक्षा की ओर उन्मुख होती दिख रही है।

जैसे-जैसे अधिकाधिक भाषाएँ विलुप्त होती जा रही हैं, भाषायी विविधता खतरे में पड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व की 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल रहा है, जिन्हें वे बोलते या समझते हैं। मातृभाषाओं का संरक्षण इसलिए भी जरूरी है कि स्थानीय समाज उनके जरिए शिक्षा हासिल कर सकें। मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक नींव की आधारशिला है। यह सोचने, समझने और संवाद करने का सबसे सहज माध्यम है, जो बच्चे को उसकी विरासत से जोड़ती है। मातृभाषा में शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है, संज्ञानात्मक कौशल विकसित होते हैं, और दूसरी भाषाएं सीखना आसान हो जाता है।

मातृभाषा में शिक्षा से बच्चे की अवधारणाओं को समझने की क्षमता तेज होती है और रचनात्मकता बढ़ती है। मातृभाषा संस्कृति, परंपराओं और इतिहास को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का मुख्य माध्यम है। व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं को मातृभाषा में सबसे अच्छी तरह व्यक्त कर सकता है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है।

शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार, जिन बच्चों की नींव मातृभाषा में मजबूत होती है, मातृभाषाओं से इतर भाषाओं में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। मातृभाषाएं परिवार और समुदाय से एक मजबूत भावनात्मक संबंधों की गारंटी भी होती हैं।

दुनिया की हर मातृभाषा अपनी संस्कृति, परंपरा और इतिहास की संवाहक है। इसी वजह से दुनियाभर के मानवशास्त्री मानते हैं कि सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण जरूरी है। इतना ही नहीं, मातृभाषाएँ आपसी समझ, सम्मान और सहयोग को भी बढ़ावा देती हैं, इस लिहाज से वे समावेशी समाज के निर्माण में भी सहायक मानी जाती हैं। मानवशास्त्रियों के अनुसार, स्थानीय भाषाएँ ज्ञान का खजाना हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना आवश्यक है। इसीलिए यूनेस्को का मानना है कि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाषायी विविधता और बहुभाषावाद का उपयोग सहयोगी हो सकता है। इससे विश्व स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए जरूरी है कि मातृभाषाओं को तकनीक के लिहाज से विकसित किया जाए। यह कार्य सार्वजनिक संस्थान और सरकारें ही कर सकती हैं।

मोदी लूला की दोस्ती ने किया कमाल, क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते ने दुनिया में मचाया धमाल

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आज वह तस्वीर दिखी जिसने वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा में नया संकेत दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में भारत और ब्राजील ने क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साथ ही इस्पात आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ। यह आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, सामरिक स्वावलंबन और आर्थिक शक्ति के नए युग की घोषणा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स पर हुआ समझौता मजबूत और लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। रक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच भरोसे और रणनीतिक तालमेल का प्रमाण है। उन्होंने अगले दस वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डॉलर से आगे ले जाने का लक्ष्य दोहराया। ब्राजील पहले ही लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, अब यह संबंध नई ऊंचाई छूने को तैयार है।

राष्ट्रपति लूला ने भी भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता की खुलकर सराहना की। सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति को उन्होंने भविष्य की साझेदारी का आधार बताया। उनके साथ आए मंत्रियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का बड़ा दल यह संकेत देता है कि यह मित्रता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और औद्योगिक धरातल पर भी मजबूत हो रही है।

हम आपको बता दें कि ब्राजील लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल और नियोबियम जैसे खनिजों का विश्व के प्रमुख उत्पादकों में है। भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता 218 मिलियन टन तक पहुंच चुकी है और आधारभूत ढांचे के विस्तार के साथ इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में ब्राजील के साथ खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और उन्नत तकनीक पर सहयोग भारत को कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

वहीं, क्रिटिकल मिनरल्स समझौता केवल उद्योग की जरूरत नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता है। विश्व में रेयर अर्थ उत्पादन पर चीन का लगभग एकाधिकार रहा है। भारत लंबे समय से निर्भरता कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ब्राजील के साथ यह साझेदारी उस रणनीति को ठोस आधार देती है। इससे भारत की रक्षा, ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, अंतरिक्ष और उच्च तकनीक उद्योगों को स्थायी आपूर्ति मिलेगी।

देखा जाये तो भारत और ब्राजील की यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय नहीं है। यह ग्लोबल साउथ की सामूहिक आवाज को मजबूती देती है। जब दो बड़े लोकतंत्र खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और तकनीक में हाथ मिलाते हैं तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का समीकरण बदलता है। पश्चिमी शक्तियों और चीन के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा के दौर में यह समझौता तीसरे ध्रुव की संभावना को मजबूत करता है।

ऊर्जा क्षेत्र में जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत उड्डयन ईंधन पर सहयोग हरित भविष्य की दिशा में कदम है। आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना और जलवायु अनुकूल कृषि में साझा पहल विकासशील देशों के लिए उदाहरण बन सकती है। स्वास्थ्य और औषधि क्षेत्र में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति ब्राजील के लिए लाभकारी होगी, वहीं भारतीय औषधि उद्योग को विशाल बाजार मिलेगा। वहीं रक्षा क्षेत्र में बढ़ता तालमेल हिंद महासागर और दक्षिण अटलांटिक क्षेत्र में सामरिक संतुलन को प्रभावित करेगा। समुद्री सुरक्षा, संसाधन संरक्षण और तकनीकी साझेदारी से दोनों देश अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर सकते हैं।

देखा जाये तो भारत की विदेश नीति पिछले कुछ वर्षों में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह सिद्ध किया है कि मित्रता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक निवेश होती है। ब्राजील के साथ बढ़ती निकटता इसी सोच का परिणाम है। मोदी की नीति बहु ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलित और स्वायत्त भूमिका की है। एक ओर पश्चिमी देशों से गहरे संबंध, दूसरी ओर रूस से सामरिक तालमेल और साथ ही वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ सघन सहयोग। ब्राजील के साथ क्रिटिकल मिनरल्स और इस्पात समझौता इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह संदेश स्पष्ट है कि भारत अपने औद्योगिक और सामरिक भविष्य को किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं छोड़ेगा।

इस साझेदारी से भारत को कच्चे माल की सुरक्षा, नई तकनीक, निवेश और बाजार मिलेगा। ब्राजील को भारत की तकनीकी दक्षता, औषधि आपूर्ति, डिजिटल ढांचा और विशाल उपभोक्ता बाजार का लाभ मिलेगा। दोनों देश मिलकर वैश्विक मंचों पर संस्थागत सुधार, आतंकवाद के विरोध और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देंगे।

यह समझौता एक रणनीतिक घोषणा है कि भारत अपने पक्के दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। आने वाले वर्षों में यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर जमीन पर उतरता है तो यह एशिया और लैटिन अमेरिका के बीच नए शक्ति सेतु का निर्माण करेगा। यही वह दिशा है जिसमें भारत आत्मनिर्भर, प्रभावशाली और निर्णायक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

एयरस्ट्राइक का बदला जरूर लेंगे

19 मौतों से बौखलाए अफगानिस्तान की पाकिस्तान को चेतावनी

इस्लामाबाद/काबुल

अफगानिस्तान के तालिबान प्रशासन ने रविवार को कहा कि हम पाकिस्तान के हवाई हमलों का आकलन कर रहे हैं और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस घटना के बाद अफगान-पाकिस्तान सीमा पर तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंचने के संकेत मिल रहे हैं। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में पाकिस्तान पर अफगान संप्रभुता के उल्लंघन करने और बेकसूर नागरिकों पर हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानी टेरिटरी में घुसपैठ की है। कल रात उन्होंने नांगरहार और पक्तिका प्रांतों में हमारे नागरिकों पर बमबारी की, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों लोग मारे गए और घायल हुए। पाकिस्तानी जनरल ऐसे अपराधों के माध्यम से अपने देश की सुरक्षा कमजोरियों की भरपाई करते हैं। पाकिस्तानी हवाई हमलों में एक ही परिवार के 19 लोगों के मारे जाने की सूचना है। अफगान तालिबान के करीबी सूत्रों ने बताया कि अधिकारी इन हमलों से हुए नुकसान के पैमाने की जांच

कर रहे हैं। हालांकि अभी तक अफगान तालिबान की ओर से किसी तात्कालिक प्रतिक्रिया की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन नेतृत्व ने संकेत दिया है कि जवाबी कार्रवाई का विकल्प खुला है। सूत्रों ने तालिबान के हवाले से कहा, पाकिस्तान ने अफगान हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है और अफगानिस्तान को जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है। हम सही समय पर जवाबी हमला करेंगे। पक्तिका और नांगरहार में पाकिस्तान के हवाई हमलों के बाद तालिबान प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने हालात पर चर्चा और आगे की रणनीति तय करने के लिए काबुल और कंधार में आपात बैठकें बुलाईं हैं। सूत्रों ने कहा, पाकिस्तानी हमलों पर अभी कुछ भी निश्चित रूप से कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन काबुल निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे संकेत मिलते हैं कि आंतरिक विचार-विमर्श के बाद अफगान तालिबान की ओर से पाकिस्तानी हमलों के खिलाफ औपचारिक प्रतिक्रिया हो सकती है। वहीं, पाकिस्तान ने दावा किया है कि सीमा पार किए गए हवाई हमलों का उद्देश्य आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाना था। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि अफगानिस्तान के पक्तिका, पक्तिया, नंगरहार और खोस्त प्रांतों में किए गए सटीक हमलों में आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया गया। पाकिस्तान ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के भीतर डूरंड लाइन के पास कई ठिकानों पर हवाई हमले किए।

पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने कथित तौर पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तानी विमानों ने पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में एक मदरसे पर भी हमला किया। स्थानीय सूत्रों ने कई विस्फोटों की जानकारी दी। मरघा इलाके में एक के बाद एक धमाकों की खबरें आईं। पाकिस्तान ने बरमल के बनूसी मदरसे पर मिसाइलें भी दागीं। सूत्रों ने बताया कि इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी वायुसेना ने एफ-16 और जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। पाकिस्तान ने आधिकारिक बयान में कहा कि इस्लामाबाद, बाजौर और बन्नू में हाल के आत्मघाती हमलों को अंजाम देने वाले आतंकी संगठनों और आतंकियों को इस हवाई हमले में निशाना बनाया गया। पाकिस्तान के मुताबिक ये आत्मघाती हमले फितना अल खवारिज और उससे जुड़े संगठनों, इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत द्वारा किए गए थे। इस्लामाबाद ने कहा कि उसके पास ठोस सबूत हैं, जो इन हमलों को अफगान क्षेत्र में सक्रिय आतंकियों से जोड़ते हैं। साथ ही पाकिस्तान ने दोहराया कि वह अफगान अधिकारियों से बार-बार आग्रह करता रहा है कि वे अपने क्षेत्र का इस्तेमाल ऐसे समूहों द्वारा न होने दें, और यह भी कहा कि पाकिस्तान शांति और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने एआई समिट को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया : मोदी

मेरठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसने एक राष्ट्रीय कार्यक्रम को कमजोर करने की कोशिश की। पीएम मोदी का यह हमला कांग्रेस के उस प्रोटेस्ट को लेकर था जो एआई ग्लोबल समिट के दौरान उसके नेताओं ने बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन किया था। मेरठ में सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन ने उस नेशनल इवेंट की गरिमा का उल्लंघन किया है, जो टेक्नोलॉजी की तरक्की और इनोवेशन पर फोकस था। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता राजनीतिक असहमति के बजाय निजी दुश्मनी से प्रेरित हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़ उतारकर पहुंच गए। देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो फिर कपड़े उतारने की जरूर क्यों पड़ी? उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता मोदी से नफरत करते हैं, वे मेरी कब्र खोदना चाहते हैं।

केजरीवाल बोले- बेटियों की शिक्षा ही असली ताकत

अहमदाबाद। गुजरात के भावनगर में एक ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने राजनीति से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का काम किया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 151 जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। चारों तरफ खुशी का माहौल था। जब एक घर में शादी होती है तो पूरे परिवार में उत्सव जैसा माहौल बन जाता है, यहां तो एक साथ 151 बेटियों की डोली उठ रही थी। पूरा मैदान खुशियों से भरा हुआ था। यह कार्यक्रम वीर मंधाता कोली समाज संगठन द्वारा किया गया, जो पिछले 12 सालों से जरूरतमंद और अनाथ बेटियों की शादी करवा रहा है। अब तक 2000 से ज्यादा बेटियों की शादी करवाई जा चुकी है। कुछ साल पहले 501 जोड़ों की शादी एक साथ करवाई गई थी। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को कर्ज और दिखावे से बचाने का अभियान है। गुजरात में कोली समाज की बड़ी संख्या है। खेती, मछली पालन और मेहनत-मजदूरी से जुड़ा यह समाज वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर रहा है। शादी-ब्याह में ज्यादा खर्च की वजह से कई परिवार कर्ज में डूब जाते हैं। जमीन बेचनी पड़ती है, गहने गिरवी रखने पड़ते हैं। ऐसे में सामूहिक विवाह जैसे आयोजन गरीब परिवारों के लिए बड़ी राहत बनते हैं। यहां बिना फिजूल खर्च के, सम्मान के साथ बेटियों की शादी होती है। अरविंद केजरीवाल ने मंच से किसी तरह की राजनीतिक बात नहीं की। उन्होंने सिर्फ बेटियों की खुशियों की बात की, परिवारों की जिम्मेदारियों की बात की और समाज से अपील की कि दिखावे और कुरीतियों को खत्म करें। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों को अच्छी शिक्षा और सही अवसर मिले तो वे देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

अमेरिका में विंटर स्टॉर्म 'हर्नांडो' का अलर्ट जारी, कई उड़ानें रद्द

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्वी तट पर शक्तिशाली बर्फीले तूफान की चेतावनी के बीच एयर इंडिया ने 23 फरवरी के लिए न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इस तूफान को विंटर स्टॉर्म हर्नांडो नाम दिया गया है। एयरलाइन ने बताया कि 22 और 23 फरवरी को न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों में भारी बर्फबारी की संभावना है, जिससे उड़ान संचालन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। ट्रैवल एडवाइजरी में एयर इंडिया ने कहा कि यह फैसला यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एयरलाइन के अनुसार, प्रभावित यात्रियों की रीबुकिंग और अन्य सहायता के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं। अमेरिका की डेल्टा एयरलाइन ने भी हर्नांडो स्टॉर्म को ध्यान में रखकर एहतियातन उड़ानें रद्द करने की घोषणा की और यात्रियों को बिना कोई शुल्क दिए अपने यात्रा की तारीख बदलने की सुविधा दी जा रही है।

भारतीय इंफ्लुएंसर का दक्षिण कोरिया में मानसिक टॉर्चर

नई दिल्ली

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सचिन अवस्थी अपनी पत्नी दीप्तिशिखा मिश्रा के साथ दक्षिण कोरिया के जेजू आइलैंड घूमने गए थे। जहां उनको बिना किसी वजह के 38 घंटे तक हिरासत में रखा गया और अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया। सचिन अवस्थी ने इंस्टाग्राम पर अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि जेजू आइलैंड पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद उनकी यात्रा पूरी तरह बदल गई। उन्होंने लिखा कि उन्हें और उनकी पत्नी को बिना किसी स्पष्ट कारण के देश में प्रवेश से मना कर दिया गया और एक

होल्डिंग एरिया में ले जाया गया, जहां उनसे बस इंतजार करने को कहा गया। सचिन के अनुसार, दोनों को एक ऐसे डिटेंशन सेंटर में रखा गया जो जेल जैसा था, जहां न तो धूप आती थी और न ही बाहरी दुनिया से संपर्क की अनुमति थी। उन्हें वही खाना दिया गया, जिसे उन्होंने जेल का खाना बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने यह तक नहीं बताया कि आगे क्या होने वाला है। इंफ्लुएंसर का आरोप है कि अधिकारियों ने उन पर दबाव डालकर बेहद महंगा रिटर्न टिकट बुक कराने के लिए मजबूर किया। चीन से ट्रांजिट के दौरान भी कथित तौर पर परेशानियां कम नहीं हुईं। उन्होंने बताया कि फोन का इस्तेमाल प्रतिबंधित था, खाना नहीं दिया गया, पानी सीमित था और यहां तक कि शौचालय का इस्तेमाल भी पुलिस निगरानी में कराया गया। सचिन ने कहा कि जब उन्हें भारत वापस भेजने का फैसला सुनाया गया, तब तक वे मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुके थे। उन्होंने बताया कि वापसी का टिकट सामान्य कीमत से करीब 10 गुना महंगा था, लेकिन उस वक्त बहस करने की ताकत नहीं बची थी। उनका कहना है कि वह यह अनुभव सहानुभूति या ड्रामा के लिए साझा नहीं कर रहे, बल्कि इसलिए ताकि लोग सच्चाई जान सकें। सचिन ने माना कि इमिग्रेशन से जुड़े फैसले अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन उनका कहना है कि उन्हें अपराधियों की तरह ट्रीट करने का कोई हक नहीं था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर यात्रा जितनी ग्लैमरस दिखती है, असलियत कई बार बिल्कुल अलग हो सकती है।

युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन में मतभेद

ईरान पर करेंगे हमला या पीछे खींचेंगे कदम...

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मिडिल ईस्ट में बड़े पैमाने पर सैन्य जमावड़ा किया है। अरब सागर में सैन्य तैनाती की वजह से तनाव बढ़ा हुआ है। यह तनाव ऐसे समय में बढ़ा है जब अमेरिका में अगले कुछ महीने में मिडटर्म चुनाव होने हैं। ऐसे में प्रशासन के भीतर ही कई सहयोगी उन्हें आगाह कर रहे हैं कि चुनाव से पहले ईरान की बजाय अर्थव्यवस्था पर फोकस ज्यादा जरूरी है।

व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ट्रंप की कड़ी बयानबाजी के बावजूद ईरान पर हमले को लेकर प्रशासन में एकजुट समर्थन नहीं है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, हमें ऐसे संदेश से बचना होगा जो मतदाताओं को यह लगे कि सरकार भटक गई है, जबकि वे महंगाई और रोजमर्रा के खर्च को लेकर चिंतित हैं। एक ब्रिटिश न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस हफ्ते

कैबिनेट सचिवों के साथ एक निजी ब्रीफिंग में रिपब्लिकन कैंपेन अधिकारियों ने साफ कहा कि चुनावी एजेंडा का प्रमुख मुद्दा अर्थव्यवस्था होना चाहिए। ट्रंप उस बैठक में मौजूद नहीं थे। रिपब्लिकन एडवाइजर ने कहा, लंबा खिंचने वाला संघर्ष ट्रंप और पार्टी दोनों के लिए राजनीतिक खतरा बन सकता है। ट्रंप की राजनीति विदेशी टकराव को कम करने पर आधारित है, और फॉरएवर वॉर्स को खत्म करना उनका वादा रहा है। दूसरी तरफ, व्हाइट हाउस के एक अन्य अधिकारी ने बचाव करते हुए कहा, राष्ट्रपति की विदेश नीति अमेरिकी लोगों के लिए जीत में बदली है। उनके हर कदम में अमेरिका फर्स्ट है, चाहे दुनिया को सुरक्षित बनाना हो या आर्थिक लाभ हासिल करना हो। राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर चेतावनी दोहराई कि तेहरान न्यायसंगत समझौता करे। उन्होंने पहले भी कहा है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता, न ही यूरेनियम संवर्धन की क्षमता रख सकता है। प्रशासन का दावा है कि राष्ट्रपति कूटनीति को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन बहुत देर होने से पहले समझौता जरूरी है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि संभावित हमले के कारणों पर स्पष्टता कम है। मसलन, ट्रंप ने अपने देश के लोगों को ईरान के साथ तनाव के बारे में कम ही जानकारी दी है। शुरुआत में ट्रंप ने जनवरी में ईरान में प्रदर्शनों पर सरकारी कार्रवाई के जवाब में हमले की धमकी दी थी, लेकिन फिर पीछे हट गए। हाल में उन्होंने ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म करने और यहां तक कि सत्ता परिवर्तन की बात भी की, लेकिन यह नहीं बताया कि सिर्फ हवाई हमलों से यह कैसे संभव होगा। सर्वे बताते हैं कि 2024 में अमेरिका फर्स्ट और महंगाई घटाने के वादे के साथ दोबारा चुने गए ट्रंप अब भी ऊंची कीमतों को काबू में लाने के मोर्चे पर मतदाताओं को पूरी तरह आश्वस्त नहीं कर पाए हैं। इतिहास बताता है कि मिडटर्म चुनावों में विदेश नीति कम ही निर्णायक मुद्दा बनती है। लेकिन अगर बड़े पैमाने पर विमानवाहक पोत और युद्धक विमान तैनात करने के बाद कार्रवाई नहीं होती, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका के कमजोर दिखने का जोखिम भी है। नवंबर का चुनाव तय करेगा कि रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस के दोनों सदनों पर नियंत्रण बनाए रखती है या नहीं। एक या दोनों सदन विपक्षी डेमोक्रेट्स के हाथ जाने पर ट्रंप के बाकी कार्यकाल के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं। फिलहाल, व्हाइट हाउस के भीतर बहस यही है कि जंग का जोखिम उठाया जाए या घरेलू अर्थव्यवस्था पर पूरा ध्यान रखा जाए।

प्लेन क्रैश बड़ी साजिश, विमान में रखे थे पेट्रोल से भरे डब्बे

अजित पवार के भतीजे ने फिर उठाए सवाल

मुंबई

एनसीपी (शरद पवार) गुट के विधायक रोहित पवार ने एक बार फिर अपने चाचा अजित पवार की प्लेन क्रैश में हुई मौत पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ब्लैक बॉक्स को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, साथ ही हादसे के समय एक धमाका नहीं बल्कि कई धमाके हुए थे।

रोहित पवार ने कहा, विमान में सामान रखने वाली जगह पर अतिरिक्त पेट्रोल के डिब्बे रखे गए थे, जिससे आग भड़की। उन्होंने साजिश का शक जताते हुए कहा कि यह दो तरह की हो सकती है, एक व्यवसायिक और दूसरी राजनैतिक। उन्होंने कहा, जांच जैसे-जैसे गहरी होती जा रही है, सामने आ रहा है कि विमान कंपनी को प्रभावशाली लोगों का समर्थन हासिल है। इसमें से कुछ राज्य सरकार में तो कुछ केंद्र में सत्ताधारी दल से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में रोहित पवार ने 'हितों के टकराव' का गंभीर मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि जिस विमानन कंपनी (वीएसआर वेंचर्स) का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसके प्रमोटरों और नागरिक उड्डयन मंत्री की पार्टी (टीडीपी) के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्घटना से ठीक पहले विमान के डेटा और उपकरणों के साथ छेड़छाड़ की संभावना हो सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि संबंधित कंपनी के रिकॉर्ड और सुरक्षा मानकों की जांच में पारदर्शिता की कमी है। पवार ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि इस मामले की जांच किसी ऐसी स्वतंत्र एजेंसी या न्यायिक आयोग से कराई जाए, जिस पर मंत्रालय का सीधा नियंत्रण न हो।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

महादेव की भक्ति में लीन दिखीं राशा थडानी

बॉलीवुड अभिनेत्री राशा थडानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आ रही हैं। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने पिछले साल फिल्म %आजाद% से डेब्यू किया था। राशा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में वे महादेव की भक्ति में लीन नजर आईं। राशा को कई बार भगवान शिव के मंदिर में पूजा-अर्चना करते देखा जाता है। राशा एक बार फिर वे शिव मंदिर पहुंचीं, जहां नंदी के कान में उन्होंने अपनी मनोकामना कही। इसके अलावा राशा ने कुछ फोटोज और साझा की हैं। एक तस्वीर में वह अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से वीडियो कॉल पर बात करती दिख रही हैं। वहीं, कुछ फोटोज उनके प्रोफेशनल फ्रंट की हैं, जिनमें वे फोटोशूट कराती दिख रही हैं। राशा बॉलीवुड के बाद अब तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। राशा की पहली तेलुगु फिल्म को अजय भूपति निर्देशित करेंगे। इस फिल्म का नाम श्रीनिवासा मंगापुरम है। इसके अलावा राशा फिल्म लाइकी लाइका में भी नजर आएंगी।

62 वर्ष के हुये सूरज बड़जात्या

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार सूरज बडज़ात्या आज 62 वर्ष के हो गये। 22 फरवरी 1964 को मुंबई में जन्में सूरज बडज़ात्या ने अपने करियर की शुरुआत बतौर निर्देशक वर्ष 1989 में प्रदर्शित फिल्म मैनें प्यार किया से की। प्रेम कथा पर बनी इस फिल्म में सलमान खान और भाग्यश्री की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई।वर्ष 1994 में सूरज बडज़ात्या ने अपने प्रिय अभिनेता सलमान खान को लेकर हम आपके हैं कौन बनाई। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट माधुरी दीक्षित थी। पारिवारिक पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में सलमान और माधुरी की जोड़ी काफी पसंद की गई। फिल्म ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए और ऑल टाइम ग्रेटेस्ट हिट्स में शुमार हो गई। वर्ष 1999 में सूरज बडज़ात्या ने अपनी महात्वकांक्षी फिल्म हम साथ साथ हैं का निर्देशन किया। इस फिल्म में सलमान खान, सैफ अली खान, मोहनीश बहल, तब्बू, सोनाली बेन्द्रे और करिश्मा कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। पारिवारिक पृष्ठभूमि पर बनी यह मल्टीस्टारर फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई।

वर्ष 2003 में सूरज बडज़ात्या ने मैं प्रेम की दीवानी हूं का निर्देशन किया। यह फिल्म उनके दादा ताराचंद बडज़ात्या के बैनर राजश्री प्रोडक्शन के तले बनी चितचोर की रिमेक थी। मैं प्रेम की दीवानी हूं, में ऋतिक रोशन, अभिषेक बचन और करीना कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी, लेकिन यह फिल्म टिकट खिड़की पर बेअसर साबित हुई।

वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म विवाह सूरज बडज़ात्या के करियर की एक और हिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में शाहिद कपूर और अमृता राव ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी। इस फिल्म के बाद सूरज बडज़ात्या ने फिल्म निर्देशन करना बंद कर दिया। वर्ष 2007 में सूरज बडज़ात्या ने सोनू सूद और इशा कोपीकर को लेकर एक विवाह ऐसा भी बनाई। यह फिल्म भी राजश्री बैनर तले बनी फिल्म तपस्या की रिमेक थी।हालांकि, एक विवाह ऐसा भी को तपस्या जैसी कामयाबी हासिल नहीं हो सकी। सूरज बडज़ात्या ने करीब आठ साल के बाद एक बार फिर से फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा।

सूरज बडज़ात्या सलमान खान को लेकर वर्ष 2015 में प्रदर्शित फिलम प्रेम रतन धन पायो बनाई। फिल्म में सलमान खान और सोनम कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म ने 200 करोड़ से अधिक की कमाई की है। वर्ष 2022 में सूरज बड़जात्या ने अमिताभ बचन, डैनी, अनुपम खेर ,परिणीति चोपड़ा जैसे सितारों को लेकर फिल्म उंचाई बनायी। इस फिल्म के लिये उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

सूरज बड़जात्या इन दिनों फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' बना रहे हैं।

ज़ी म्यूज़िक ने की यश की फिल्म टॉक्सिक के साथ डील

ज़ी म्यूज़िक कंपनी ने यश की फ़िल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के साथ डील की है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा बनाई गई इस फ़िल्म के मेकर्स और ज़ी म्यूज़िक की यह पार्टनरशिप सिर्फ़ एक फ़िल्म तक लिमिटेड नहीं, बल्कि आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए भी एक लंबी क्रिएटिव जर्नी की शुरुआत है। यह कदम फ़िल्म की पैन-इंडिया और ग्लोबल रिलीज़ स्ट्रैटेजी को और मज़बूत बनाता है।रवि बसरूर, विशाल मिश्रा और तनिष्क बागची अपने-अपने अलग अंदाज़ के साथ इस म्यूज़िकल वर्ल्ड को आकार देंगे। विशाल मिश्रा चार गाने कंपोज़ कर रहे हैं, तनिष्क बागची एक खास ट्रैक लेकर आ रहे हैं जिसे उन्होंने अर्सलान निज़ामी और फहीम अब्दुल्ला के साथ मिलकर तैयार किया है। वहीं रवि बसरूर एक गाना देने के साथ-साथ फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर भी संभालेंगे। यह एल्बम सिर्फ गानों का कलेक्शन नहीं होगा, बल्कि फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने वाला म्यूजिकल एक्सपीरियंस बनेगा। इस फिल्म को यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है और निर्देशित भी गीतू मोहनदास ने ही किया है। यह फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में शूट की गई है, जबकि हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सहित कई भाषाओं में डब वर्जन भी जारी होंगे।केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा निर्मित टॉक्सिक 19 मार्च 2026 को सिनेमा में दस्तक देगी।

श्वेता त्रिपाठी ने बर्लिनाले 2026 में शिरकत की

बॉलीवुड अभिनेती और निर्माता श्वेता त्रिपाठी ने पहली बार बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (बर्लिनाले) 2026 में हिस्सा लिया, जो लंबे समय से उनकी इच्छा सूची में था। इस साल श्वेता ने पहली बार बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (बर्लिनाले) में हिस्सा लिया, जो लंबे समय से उनकी इच्छा सूची में था। अब एक निर्माता भी बन चुकी श्वेता ने इस फेस्टिवल को एक 'सिनेमा की छात्रा' की तरह अनुभव किया। उन्होंने पैनल चर्चाओं में हिस्सा लिया, अंतरराष्ट्रीय फिल्में देखीं और दुनियाभर के फिल्मकारों से गहराई से बातचीत की। उन्होंने अलग-अलग संस्कृतियों की फिल्में देखीं, चार्ली चैपलिन की फिल्म की लाइव ऑर्केस्ट्रा स्क्रीनिंग अटेंड की और हॉलीवुड फिल्म एडोलसेंस के लेखक जैक थॉर्न से मुलाकात की। श्वेता त्रिपाठी ने कहा,मेरे लिए फिल्म फेस्टिवल वो जगह हैं, जहां सिनेमा अलग तरह से सांस लेता है। यहां आपको एहसास होता है कि कहानियां किसी एक देश की नहीं होतीं, वे सबकी होती हैं। एक अभिनेत्री और निर्माता के रूप में आगे बढ़ते हुए श्वेता अब अपने अगले कदम को लेकर स्पष्ट हैं।वह अपनी फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल सर्किट तक ले जाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मुझे फिल्म फेस्टिवल से प्यार है।

कायाकल्प 2.0 के तहत 13 लाख की लागत से डामलीकरण कार्य शुरू

नरसिंह वार्ड में विकास का शंखनाद

करेली (स्वतंत्रमत)।

7 नगर पालिका परिषद करेली द्वारा नगर विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कायाकल्प 2.0 योजना के अंतर्गत नरसिंह वार्ड में डामलीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। शहर में निरंतर चल रहे लोक निर्माण कार्यों की श्रृंखला में यह कार्य एक नई उपलब्धि के रूप में जुड़ा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार के नेतृत्व में करेली नगर में समग्र विकास के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में नरसिंह वार्ड में बासिर खान के कॉम्प्लेक्स से बालाजी नगर पुलिया तक लगभग 13 लाख रुपए की लागत से डामलीकरण कार्य कराया जा रहा है। यह सड़क क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। विशेष बात यह है कि यह मार्ग रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर 2 को भी जोड़ेगा, जिससे नागरिकों को रेलवे स्टेशन आने-जाने में काफी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से क्षेत्रवासी धूल, गड्ढों और बरसात के दौरान कीचड़ की समस्या से परेशान थे। डामलीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद इन समस्याओं से स्थायी राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।

भूमि पूजन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप ममार, वार्ड पार्षद खालिक कुरैशी, वार्ड के वरिष्ठ नागरिक सलीम मंसूरी, बसीर खान, गणेश मालवीय, सज्जू भाईजान, जाकिर खान, मुबीन खान, रज्जन मिश्रा, सुनील सोनी, नगर पालिका से सब इंजीनियर योगेंद्र बाथरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नगर पालिका परिषद करेली द्वारा वार्ड स्तर पर किए जा रहे विकास कार्य शहर की तस्वीर बदलने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। नगर पालिका परिषद करेली द्वारा कायाकल्प योजना के अंतर्गत किए जा रहे ये विकास कार्य न केवल शहर की सुंदरता बढ़ा रहे हैं, बल्कि नागरिक सुविधाओं को भी मजबूत कर रहे हैं। शहरवासियों ने इन कार्यों की सराहना करते हुए इसे विकास की नई दिशा बताया है।

असंगठित श्रमिकों के भविष्य को सुरक्षित कर रही प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

पात्र हितग्राही ऑनलाइन व सीएससी के माध्यम से करा सकते हैं पंजीयन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवायएम) संचालित की जा रही है। यह योजना श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत ऐसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच है, मासिक आय 15 हजार रुपये तक है तथा जो आयकरदाता नहीं हैं और ईपीएफओ (पीएफ), ईएसआईसी या एनपीएस के सदस्य नहीं हैं, वे इस योजना के लिए पात्र हैं और अपना पंजीयन करा सकते हैं। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में लाभार्थी को आयु के अनुसार 55 रुपये से 200 रुपये तक मासिक अंशदान करना होता है। लाभार्थी द्वारा जमा की गई राशि के बराबर अंशदान केंद्र सरकार द्वारा भी योगदान के रूप में किया जाता है। योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर लाभार्थी को न्यूनतम 3 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाती है। वहीं लाभार्थी की मृत्यु की स्थिति में उनके जीवनसाथी को पेंशन की 50 प्रतिशत राशि पारिवारिक पेंशन के रूप में देय होती है। योजना में पंजीयन की सुविधा जिले के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) एवं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध है। श्रमपदाधिकारी ने श्रमिकों से अपील की है कि वे इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें। अधिक जानकारी के लिए श्रमिक नजदीकी सीएससी केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 23 को

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक मनाए जाने के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सोमवार 23 फरवरी को अपरान्ह 3 बजे नरसिंह भवन कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी। कार्यपालिक दंडाधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में आगामी 2 मार्च को होली (धुरेड़ी), 8 मार्च को रंगपंचमी, 19 मार्च को चैत्र नवरात्र प्रारंभ/ गुड़ी पडवा/ चेटीचांद, 21 मार्च को ईद-उल-फितर और 27 मार्च 2026 को रामनवमी का त्यौहार शांतिपूर्वक मनाये जाने के संबंध में उक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल व पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के प्रयासों से नरसिंहपुर को बड़ी सौगात

शासकीय विधि महाविद्यालय के नवीन भवन हेतु 8 करोड़ 47 लाख रुपये स्वीकृत

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिले के शिक्षा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के सतत प्रयासों के फलस्वरूप नरसिंहपुर स्थित शासकीय विधि महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण हेतु 8 करोड़ 47 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस संबंध में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा पत्र जारी कर स्वीकृति की जानकारी प्रदान की गई है।बताया जा रहा है कि लंबे समय से महाविद्यालय के लिए नए एवं सुव्यवस्थित भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। वर्तमान व्यवस्थाओं के चलते विद्यार्थियों को पर्याप्त कक्षाओं, पुस्तकालय और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा था। नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति मिलने से अब विद्यार्थियों को आधुनिक एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।स्वीकृत राशि से अत्याधुनिक कक्षाओं, समृद्ध पुस्तकालय, प्रशासनिक कक्ष, सेमिनार हॉल तथा अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे विधि शिक्षा के क्षेत्र में नरसिंहपुर को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। जिले के युवाओं को अब कानून की पढ़ाई के लिए अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की बचत भी होगी कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने इस स्वीकृति पर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि नवीन भवन के निर्माण से जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा प्राप्त होगी और वे न्यायिक सेवाओं सहित विभिन्न विधिक क्षेत्रों में आगे बढ़कर जिले का नाम रोशन करेंगे उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने भी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे नरसिंहपुर के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है।

मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण 23 एवं 24 फरवरी को

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जनगणना 2027 का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जो दो चरणों में सम्पादित किया जाएगा। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना के कार्य के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन 23 एवं 24 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे से सायं 5 बजे तक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया जाएगा। अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती लता बान ने बताया कि इस प्रशिक्षण में जिला जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी- एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी- एनआईसी, समस्त नगरीय चार्ज अधिकारी- सीएमओ, समस्त ग्रामीण चार्ज अधिकारी- तहसीलदार, समस्त ग्रामीण अतिरिक्त चार्ज अधिकारी- प्रत्येक तहसील से एक नायब तहसीलदार एवं प्रत्येक चार्ज स्तर से एक जनगणना लिपिक प्रशिक्षण में सम्मिलित होंगे।

जनगणना 2027 संबंधी कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए दो कर्मचारी संलग्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिले में जनगणना 2027 संबंधी कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए जिला जनगणना अधिकारी ने दो कर्मचारियों को जनगणना कार्य में संलग्न करने का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार सहायक ग्रेड 3 श्री अंकित वर्मा एवं भृत्य श्री अमित कुमार राजपूत को जनगणना समाप्ति एवं आगामी आदेश तक जिला जनगणना कार्यालय नरसिंहपुर में संलग्न किया गया है। उक्त कर्मचारी जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी के निर्देशन में कार्य करेंगे।

सूखाखेरी में श्री विष्णु महायज्ञ जारी

यज्ञ के आयोजन से भूमि होती है धन्य - विपिन बिहारी महाराज

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

क्षेत्र के समीपी ग्राम सूखाखेरी में 45 वां श्री विष्णु महायज्ञ एवं मानस सम्मेलन भव्य एवं विशाल कलश यात्रा से प्रारंभ हो चुका है। यज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या मे धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित होकर यज्ञ शाला की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है। यज्ञ मे प्रतिदिन देव पूजन, हवन,आरती आदि धार्मिक आयोजन हो रहे है। शुक्रवार को रात्रि मे बुंदेली कथावाचक विपिन बिहारी ज़ी महाराज का आगमन हुआ। उनके आगमन पर ग्रामवासियों ने उनका ढ़ोल बाजे के साथ आत्मीय स्वागत करते हुए उनकी अगवानी की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज मे सनातन धर्म से जुड़े कार्य निरंतर होते रहना चाहिए। सूखाखैरी मे श्री विष्णु महायज्ञ का आयोजन होना पुनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि यज्ञ के आयोजन से सम्पूर्ण क्षेत्र का माहौल धर्ममय हो जाता है और यज्ञ स्थल की भूमि धन्य हो जाती है।

उन्होंने कहा कि हमारे जीवन मे सदाचार का होना जरुरी है क्योंकि अच्छे आचरण ही जीवन को सफल बनाता है। यहाँ उल्लेखनीय है कि यज्ञ मे प्रतिदिन दोपहर एवं रात्रि के समय प्रवचन होते है। इसके अलावा यज्ञ स्थल के पास प्रसाद एवं धार्मिक सामग्री की दुकाने भी लगी है। यज्ञ मे आने जाने वाले श्रद्धालुओ के वाहनों के लिए व्यवस्थित वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था भी है। इसके अलावा शुद्ध पेयजल, भोजन, प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी यज्ञ समिति द्वारा की गई है। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कर्मियों की ड्यूटी यज्ञ परिसर मे लगाई गई है। यज्ञ मे प्रवचन हेतु स्वामी स्वरुपाचार्य ज़ी महाराज, सदानंद सरस्वती ज़ी महाराज, अंकुश ज़ी महाराज, राजीव लोचन दास ज़ी महाराज, सुश्री प्रभा भारती आदि संतो का आगमन आगामी दिनों मे होगा।

14 वर्षीय नाबालिग के साथ गलत काम करने वाला आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

दिनांक 19-20/02/2026 की मध्य रात्रि जान से मारने की धमकी देकर नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिक बालिका के साथ उसके पिता के साथ काम करने वाले 28 वर्षीय युवक ने गलत काम किया । पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना गाडरवारा में आरोपी के विरूद्ध 64(1),65(1),332(ङ्), 351(3) बी.एन.एस., 3,4 पॉक्सो एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर डॉ. ऋषिकेश मीना ने 14 वर्षीय नाबालिक बालिका के साथ घृणित कृत्य करने वाले आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित कर विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर संदीप भूरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस,गाडरवारा ललित सिंह डागुर के सतत मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक अशोक सिंह चौहान के नेतृत्व में थाना गाडरवारा की पुलिस टीम उप निरीक्षक मनीषा लिल्हारे, सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक अंजली दुबे, वरिष्ठ आरक्षक अखिलेश पटेल के द्वारा अपराध पंजीबद्ध होने के 8 घंटों में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की । गिरफ्तारशुदा आरोपी को ज्यूडिशियल रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।

विधायक ने मानपुर क्षेत्र में कई पुलों के शीघ्र निर्माण के लिए भोपाल में मुख्य अभियंता ब्रिज से की मुलाकात

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बजट सत्र के दौरान भोपाल में मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री मीना सिंह जी ने अपने क्षेत्र के विकास में बाधा बन रही कई नदिया जिसमे पुल नही होने के कारण क्षेत वाशियो को असुविधा हो रही हैं उन सभी नदियों में पुल निर्माण अति शीघ्र करने ब्रिज के मुख्य अभियंता से मुलाकात की।

भोपाल में निर्माण भवन पहुंच कर मुख्य अभियंता ब्रिज पीसी वर्मा जी से मुलाकात कर ग्राम बल्हौड से अमिलिया मार्ग में सोन नदी घियार में पुल निर्माण लागत 44 करोड़ 77 लाख एवं दूसरा पुल बिजौरी से भमरहा में सोन नदी पर निगाही पुल निर्माण जयसिंहनगर जोड़ने के लिए लागत 31 करोड़ 65 लाख बजट में प्रावधान हो गया है। संबंधित विषय पर समस्त प्रक्रियाओं को पूरा करने हेतु विस्तृत चर्चा की।

बजट में उमरिया की कई ग्रामीण सड़कों को मंजूरी-मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा 2026- 27 के लिए वित्त मंत्री और मध्य प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के द्वारा विधानसभा में पेश किए गए बजट में उमरिया जिले की 6 ग्रामीण सड़कों को शामिल किया गया है। जिसके लिए 13.45 करोड रुपए की राशि स्वीकृत दी गई है। जिसमें अमिलिया से बंधवावारा तक 5 किलो मीटर सड़क मार्ग के लिए एक करोड़ 80 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। मझौली मार्ग से सीतापाल 3.20 किमी के लिए एक करोड़ 60 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। महामन से मैरी मार्ग 5.50 किलोमीटर के लिए 2 करोड रुपए स्वीकृत किए गए हैं। धमोखर से पठारी मार्ग 6 किलोमीटर के लिए 2 करोड़ 20 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। निपानिया से साले टोला तक 3 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 60 लाख रुपए की मंजूरी मिली है।

बैंक सखी पर राशि का हेरफेर करने का आरोप

कटंगी (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत कटंगी के अधीन आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव में संचालित दीया स्व सहायता समूह की महिलाओं ने केनरा बैंक की बैंक सखी अनीता गभने पर स्व सहायता समूह की राशि में हेरफेर करने का गंभीर आरोप लगाया है। स्व सहायता समूह ने बकायदा विगत दिवस बैंक प्रबंधक से पूरे मामले को लेकर शिकायत करते हुए त्वरित कार्रवाई करने की मांग रखी है। रविवार को दोपहर साड़े 03 बजे महिलाओं ने पूरे मामले की जानकारी दी। मामला स्व सहायता समूह की राशि बैंक में जमा करने से जुड़ा हुआ है। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि 24 अप्रैल 2025 को बैंक सखी को 20 और 30 हजार रूपए की नगदी राशि जमा करने के लिए दी गई थी बैंक सखी के द्वारा 2 हजार की राशि कम जमा करवाई गई। 12 सितंबर 2025 को समूह की महिलाओं ने बैंक सखी को 70 हजार रुपए की राशि जमा करने के लिए दिया परंतु बैंक सखी ने यह राशि समूह के खाते में जमा नहीं की और जब समूह की महिलाओं ने बैंक सखी से जमा पर्ची मांगी तो बैंक सखी आनाकानी करने लगी। जिसके बाद समूह की महिलाओं ने बैंक पहुंचकर खाते का स्टेटमेंट चेक करवाया तो पूरा मामला उजागर हुआ।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाडरवारा को सात करोड़ की सौगात

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के विकास को पंख लगे हैं, विधानसभा क्षेत्र के सर्वोन्मुखी विकास की रफ्तार में निरंतर सौगातों के क्रम में मध्य प्रदेश के अभूतपूर्व एवं जन के मानस को छूते बजट में एक बार पुन: गाडरवारा को बड़ी सौगात नवाजी गई है।

क्षेत्र के विकास परक विधायक, प्रदेश के संवेदनशील परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री माननीय उदय प्रताप सिंह के निरंतर संकल्पित प्रयासों से क्षेत्र के विकास के निरंतर क्रम में महाराणा प्रताप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाडरवारा के भवन के उन्नयन हेतु लगभग 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत राशि से शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाडरवारा में विविध निर्माण कार्यों के साथ-साथ 6 अतिरिक्त अध्ययन कक्षों का निर्माण होगा।

मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष बनाए गए राजीव लोचन सोनी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ के संभाग अध्यक्ष सुरेश प्रसाद पांडेय जी के सेवानिवृत्त होने के पश्चात राजीव लोचन सोनी जी को शहडोल संभाग का संभागीय अध्यक्ष मनोनीत किया है,, मध्यप्रदेश प्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव ज्ञानेंद्र पाण्डेय जी के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि संभागीय बैठक शहडोल दिनांक 14 फरवरी 2026 को प्रांतीय सचिव ज्ञानेंद्र पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में पूर्व संभाग अध्यक्ष सुरेश प्रसाद पांडेय जी के द्वारा उनकी संगठन के के प्रति सक्रियता एवं कार्यकुशला को दृष्टिगत रखते हुए राजीव लोचन सोनी बालक कालरी स्कूल उमरिया को नवीन संभाग अध्यक्ष के लिए अनुशंसित किया गया जिसमें प्रांतीय सचिव श्री पाण्डेय जी द्वारा दिनांक 21 फरवरी 2026 को मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ की राष्ट्रीय बैठक कार्यक्रम के दौरान श्री सोनी जी को संभाग अध्यक्ष शहडोल के रूप में माननीय किए जाने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया। उक्त प्रस्ताव के अनुसार प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा जी के द्वारा राजीव लोचन सोनी को

शहडोल संभाग का संभागीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया, जिसमें संगठन के संरक्षक बीरेंद्र दुबे अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष कैलाश गौतम लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रबी वर्मा अनूपपुर जिला अध्यक्ष संदीप पांडेय उमरिया जिलाध्यक्ष श्री धनेश पुरी गोस्वामी कार्यवाहक जिला अध्यक्ष राजेंद्र गड़ारी वा कोषाध्यक्ष जयकरण सिंह उपाध्यक्ष अंकज चतुर्वेदी रूपलाल कुशवाहा सचिव, जिला मीडिया प्रभारी आदिल सिद्दीकी निरीक्षण समिति अध्यक्ष कमलेश शुक्ला जिला सचिव कमलेश रैदास, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी सदस्य संतोष बैगा महिला ई रानी सिंह अध्यक्ष महिला ई मायादेवी वर्मन सुषमा चौधरी दुर्जन सिंह राकेश सोधिया मनोज रैदास नंदू बैगा प्रेमलाल वर्मन रामनारायण बैगा चरण सिंह आशीष सिंह दादूराम बैगा बसतीयाबाई, प्यारी बाई बैगा सुरजीत सिंह आदि कर्मचारी साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शराब दुकानों की नीलामी से 453 करोड़ कमाएगी सरकार

जिले में ई-टेंडर और ई-ऑक्शन से होगा 63 शराब दुकानों का ठेका

नई आबकारी नीति लागू, 5 दुकानों का बनेगा समूह, अहाते भी रहेंगे बंद

कटनी (स्वतंत्र मत)

प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति लागू कर दी है। नई पॉलिसी के मुताबिक अब जिले की आधा सैकड़ा से अधिक शराब दुकानों का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। शराब दुकानों का निष्पादन ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के माध्यम से लाईसेंस फीस में 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ किया जाएगा। इसके अलावा अहाते पहले की तरह अब भी बंद ही रहेंगे और एक समूह को पांच से ज्यादा दुकानें आवंटित नहीं की जाएंगी। कोई भी पुरानी शराब दुकान का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। शराब ठेकेदारों का कहना है कि सरकार की नई पॉलिसी से सरकार को ही फायदा होगा। लाईसेंस फीस में 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी किए जाने से न केवल शराब की कीमतों में इजाफा होगा, बल्कि इससे ठेकेदारों को कई तरह के नुकसान होंगें। उधर दूसरी तरफ सरकार का कहना है कि नई पॉलिसी से शराब ठेकेदारों की मोनोपॉली समाप्त हो जाएगी। विदित हो कि प्रदेश सरकार द्वारा अब तक शराब दुकानों का नवीनीकरण करते हुए ठेके पर दिया जाता था। इससे सरकार का खजाना भर जाता था।

पिछले साल 378 करोड़ में हुआ था ठेका- कटनी जिले की बात करें तो वर्ष 2024-25 में जिले में 63 देशी-विदेशी शराब दुकानों का ठेका 378 करोड़ में हुआ था। इस हिसाब से देखें तो इस बार लाईसेंस फीस में प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ ही नए वित्तीय वर्ष में शराब का ठेका 453 करोड़ के आसपास हो सकता है। सरकार ने नई आबकारी नीति लागू करने के साथ ही आबकारी नीति में कई महत्वपूर्ण बदलाव कर दिए हैं। नई नीति के तहत अब प्रदेश में कोई भी नई शराब दुकान नहीं खुलेगी। अहाते पहले की तरह अब भी बंद ही रहेंगे। वहीं एक समूह को पांच से ज्यादा दुकानें आवंटित नहीं की जाएंगी। वहीं कोई भी पुरानी शराब दुकान का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। मदिरा दुकानों के नवीनीकरण का विकल्प समाप्त कर दिया गया है।

लाइसेंस फीस में 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी- मदिरा दुकानों का निष्पादन ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा। ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के लिए मदिरा दुकानों का आरक्षित मूल्य वर्तमान वर्ष के मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि कर निर्धारित किया जाएगा। ई-टेंडर और ई-ऑक्शन के लिए मदिरा दुकानों के समूह बनाये जाएंगे। अधिकतम 5 मदिरा दुकानों का एक समूह बनाया जा सकेगा।

आरक्षित मूल्य के आधार पर जिले के समूह को तीन-चार बैच में वर्गीकृत किया जाएगा। बैच के आधार पर तीन-चार चरण में ई-टेंडर और ई-ऑक्शन की कार्यवाही की जाएगी। जालसाजी की आशंकाओं को समाप्त करने के लिए प्रतिभूति राशि के रूप में सिर्फ ई-चालान, ई-बैंक गारंटी ही मान्य की जाएगी। साधारण बैंक गारंटी एवं सावधि जमा मान्य नहीं होगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर का भव्य समापन

कटनी (स्वतंत्र मत)

कैमोर जिला संगठन डॉक्टर रुक्मणी प्रताप सर के मार्गदर्शन में कैमोर विज्ञान महाविद्यालय कैमोर के प्राचार्य डॉ एमपी स्वर्णकार के निर्देशन में कैमोर विज्ञान महाविद्यालय कैमोर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम धवैहा में लगाया गया था जिसका आज समापन समारोह आयोजित किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्रीमती संगीता पटेल ग्राम पंचायत हरैया की सरपंच महोदया मुंडी बाई कोल समस्त पंचगन , सचिन इंद्रपाल पटेल रोजगार सहायक अजय कचेर प्राथमिक शाला धवैया की प्रधानाचार्य श्रीमान रघुनाथ सिंह जी सहायक प्राध्यापक चंद्रकला बाई जी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता , आशा कार्यकर्ता एवं समस्त ग्रामीण जन उपस्थित रहे महाविद्यालय परिवार की ओर से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एमपी स्वर्णकार सर सहायक प्राध्यापक नीलांचल मिश्रा निखिल असाटी, वैशाली गुप्ता एवं कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार पटेल एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति सराहनीय रही कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन किया गया एवं प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए गए स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई अतिथियों ने छात्र-छात्राओं के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

16 वर्षीय अपहृत नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा

कटनी (स्वतंत्र मत)

चौकी निवार थाना माधवनगर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 16 वर्षीय अपहृत नाबालिक बालिका को दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया यह कार्यवाही श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अभिनय विश्वकर्मा व्दारा आपरेशन मुस्कान के तहत कार्यवाही को निर्देशित किया गया था जिसके पालन मे श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे के मार्ग दर्शन में चौकी प्रभारी निवार अंजनी मिश्र ने आपरेशन मुस्कान के तहत की कार्यवाही

घटना का विवरण:- दिनांक 25/07/25 शाम करीबन 18.00 बजे प्रार्थी सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा पिता लोचन प्रसाद कुशवाहा उम्र 44 वर्ष ग्राम जरवाही थाना माधवनगर जिला कटनी का चौकी उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज करायी जिस पर चौकी निवार थाना माधवनगर ने अप क्रं.661/25 धारा 137(2) बी.एन.एस.का कायम कर अपहर्ता की पुलिस निरंतर जिला कटनी सीमावर्ती जिलो के साथ साथ कटनी जबलपुर नरसिंहपुर,इटारसी मे भी लगातर तलास कर रही थी और अंतत: अपहर्ता को मुखबिर सूचना पर कटनी नगर से प्र.आर.68 मनीष कुमार असैया आर.352 अरविन्द कुशवाहा ग्रीन सिटी रेवाडी जिला हरियाणा से दस्तयाब किया है जिसकी प्रारंभिक कार्यवाही बाद पुलिस ने अपहर्ता को उसकी माता को सुपुर्द कर दिया।

परिजनों की खुशी:- बालिका को सुरक्षित पाकर उसके परिजनो के चेहरे पर राहत और खुशी की मुस्कान लौट आई। बालिका के माता-पिता ने पुलिस के प्रयासो की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

महत्वपूर्ण भूमिका:- थाना माधवनगर पुलिस की इस कार्यवाही में वरिष्ट अधिकारीगण के निर्देशन मार्गदर्शन में निरीक्षक संजय दुबे,चौकी प्रभारी अंजनी मिश्र,सउनि रमाकान्त दुबे,प्र.आर.मनीष कुमार ,प्र.आर. गौरव सेन,आरक्षक अरविन्द कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही थाना माधवनगर लगातार गुमशुदा, अपहृता की दस्तयाबी और बिछडे, अपहृत, गुमशुदा को परिजन से मिलाने में लगातार सराहनीय कार्य कर रही हैं इसी क्रम में आज भी पुलिस व्दारा नाबालिक बालिका को अपने परिजन से मिलाया गया जिससे परिजन ने बालिका के मिलने पर राहत की सांस ली और खुशी में झूम उठे।

जनगणना 2027 को लेकर ग्रामीण एवं नगरीय चार्ज का प्रथम चरण का प्रशिक्षण सम्पन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की अध्यक्षता में जिला कटनी में जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण भोपाल से आए सहायक निदेशक श्री सुधीर कुमार एवं जिला प्रभारी कटनी सुश्री दीपिका कुमारी द्वारा प्रदान किया गया। इसमें जनगणना की कार्ययोजना, समय-सीमा तथा प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

बताया गया कि, जनगणना दो चरणों में सम्पन्न होगी। प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं आवासीय इकाइयों की गणना की जाएगी, जबकि द्वितीय चरण फरवरी-मार्च 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा में ही पूर्ण किया जाएगा, इसमें किसी

प्रकार के विस्तार का प्रावधान नहीं है।

प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि जनगणना 2027 में डिजिटल माध्यमों का व्यापक उपयोग किया जाएगा। स्व-जनगणना पोर्टल **(Self Enumeration Portal)** तथा मोबाइल एप (HLO App) के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। साथ ही हाउस लिस्टिंग ब्लॉक क्रिएटर **(HLBC)** वेब पोर्टल के माध्यम से मकानसूचीकरण ब्लॉकों का निर्माण किया जाएगा। जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली के अंतर्गत वेब पोर्टल के माध्यम से मॉनिटरिंग की जाएगी।

जिला स्तर पर नियुक्त अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों, सुपरवाइजर, फील्ड ट्रेनर्स एवं अन्य संबंधित कर्मियों को उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर आयुक्?त, नगर निमग कटनी सुश्री तपस्?या परिहार जिला स्तरीय अधिकारीगण, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, मुख्?य नगर पालिका अधिकारी एवं अन्?य अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर, श्री आशीष तिवारी ने कहा कि, जनगणना विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक कार्यों में से एक है। इस बार डिजिटल साधनों के उपयोग से आंकड़े अधिक सटीक एवं पारदर्शी होंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों से पूर्ण जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ कार्य करने का आग्रह किया, ताकि जिले में जनगणना का कार्य सुचारू एवं समयबद्ध रूप से संपन्न हो सके।

40 पुलिस कर्मियों को एचएचएमडी/डीएफएमडी संचालन का प्रशिक्षण

कटनी (स्वतंत्र मत)

जिले में अतिमहत्वपूर्ण एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों के प्रवास के दौरान उनकी व्यापक एवं सुदृढ़ सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पुलिस कटनी द्वारा 40 पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण एच.एच.एम.डी. एवं डी.एफ.एम.डी. के संचालन संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण पुलिस अधीक्षक कटनी श्री अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जबलपुर बीडीडीएस टीम से एएसआई शंभू सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक अरुण द्विवेदी, प्रधान आरक्षक ललित कुमार एवं आरक्षक आशीष श्रीवास्तव (बीडीएस टीम, पुलिस मुख्यालय) द्वारा विस्तृत तकनीकी जानकारी व्यवहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि व्हीवीआईपी /वीआईपी सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होती। व्हीआईपी के निकट जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की अनिवार्य रूप से सघन जांच की जानी चाहिए। डीएफएमडी एवं एचएचएमडी जैसे उपकरण आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं, जिनके माध्यम से संदिग्ध धातु वस्तुओं का पता लगाकर संभावित खतरे को टाला सकता है।

गौठान भूमि पर कब्जा का खेल

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शहर में शासकीय जमीनों पर हो रहे अतिक्रमण अब महज लापरवाही का मामला नहीं रह गया है बल्कि यह संगठित कब्जा तंत्र का रूप लेता जा रहा है। नजूल राजस्व और नगरपालिका की निष्क्रियता ने अतिक्रमणकारियों को खुली छूट दे दी है। हालात यह हैं कि शिकायत के बाद भी कार्यवाही नहीं हो रही है और कब्जाधारी झोपड़ी से पक्के निर्माण तक पहुंच जाते हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने आम नागरिकों में आक्रोश पैदा कर दिया है। महाराजपुर के ज्वाला जी वार्ड स्थित खसरा नंबर 128 की गौठान भूमि इसका ताजा उदाहरण है। किए गए पौधारोपण और सुरक्षा के लिए लगाई गई फेंसिंग को तोड़कर पहले हरियाली उजाड़ी गई और अब उसी जमीन पर झोपड़ी खड़ी कर कब्जे की पटकथा लिखी जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी बार-बार नगरपालिका नजूल शाखा और राजस्व अधिकारियों को दी गई लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ चुप्पी साध ली गई। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यह सिर्फ उदासीनता नहीं बल्कि सुनियोजित खेल है पहले कब्जा होने दिया जाता है फिर वर्षों का हाउस टैक्स लेकर रसीद थमा दी जाती है और बाद में वही दस्तावेज न्यायालय में पट्टे की दावेदारी का आधार बन जाते हैं।

वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण स्थल का किया अवलोकन

कटनी (स्वतंत्र मत)

जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह रविवार को बहोरीबंद क्षेत्र के दौरे पर रहे। दौरे के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह विकासखण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बाकल पिपरिया पहुंचे।जहां उन्होंने वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण स्थल का अवलोकन कर वहां की स्थिति का जायजा लिया।वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी भव्य प्रतिमा का अनावरण संभवत: 20 मार्च को निर्धारित किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ सिंह ने बताया कि अनावरण समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा सहित भोपाल दिल्ली से दिग्गज नेता शामिल होंगे। फिलहाल कार्यकम में भव्यता प्रदान करने बृहद रूप में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस मौके पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र सैनी, संतोष पटेल,अजय गर्ग, डॉ गंगा राम पटेल,राममिलन दुबे,पिल्लू पटेल, नीरज पटेल, पूर्णेन्द् पटेल, संजय पटेल,आजाद पटेल,बिल्लू पटेल, रामनारायण पटेल, नारायण पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि विकासखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत पिपरिया बाकल में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी भव्य प्रतिमा स्थापित करने हेतु वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने अपने मद से 8 लाख रुपए की राशि प्रदान की थी। जिसके बाद यहां पर वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा किया गया है।

जल संरक्षण की दिशा में निरंकारी मिशन का सशक्त कदम प्रोजेक्ट अमृत का चौथा चरण

कटनी (स्वतंत्र मत)

संत निरंकारी मिशन दिल्ली की शाखा संत निरंकारी भवन सिटी के द्वारा 22 फ़रवरी रविवार सुबह 7 बजे से 10 बजे तक मसूराहा घाट मैं सफाई अभियान चलाया गया कटनी। जब सेवा साधना बन जाए और प्रकृती के प्रति संवेदना जीवन का मूल मंत्र हो, तब पावन संकल्प जन्म लेते हैं। मानव सेवा और लोक कल्याण की इसी दिव्य चेतना को साकार रूप प्रदान करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के चौथे चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 22 फरवरी 2026 प्रात: 7 बजे से 10 बजे तक परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं आदरणीय निरंकारी राजपिता जी के निर्देशानुसार समस्त भारत में भव्य रूप से आयोजित किया गया ,इसी कड़ी में कटनी मैं संत निरंकारी भवन सिटी ब्रांच द्वारा 22

फ़रवरी रविवार सुबह 7 बजे से 10 बजे तक मसूराहा घाट का सफाई अभियान चलाया गया एवं इस अभियान में सिटी ब्रांच के मुखी महात्मा आदरणीय सुनील मेघानी समाज सेवी प्रेम बत्रा व समस्त सेवादल सादसंगत उपस्तिति रही संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय श्री जोगिंदर सुखीजा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशाल अभियान देशभर में 1500 से अधिक स्थानों में एक साथ आयोजित किया गया इस व्यापक विस्तार के कारण यह प्रयास ऐतिहासिक स्वरूप धारण करेगा, जो जल संरक्षण तथा स्वच्छता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावशाली रूप से पहुँचाएगा। इस पहल का मूल उद्देश्य समाज को यह अनुभूति कराना है कि जल केवल संसाधन नहीं, जीवन का आधार और ईश्वर की अमूल्य देन है, जिसकी रक्षा करना प्रत्येक मानव का नैतिक कर्तव्य है। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी की प्रेरणास्पद शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'प्रोजेक्ट अमृत' का सूत्रपात किया था। यह पुनीत पहल जल संरक्षण को किसी एक दिवस या अभियान तक सीमित न रखकर उसे जीवनशैली, संस्कार और सेवा-भाव के रूप में अभिव्यक्त करने की प्रेरणा देती है, जहाँ स्वच्छ जल से स्वच्छ मन और स्वच्छ समाज का निर्माण संभव हो सके।

टी-20 वर्ल्डकप में 12 मैच बाद हारा भारत

सुपर-8 में साउथ अफ्रीका ने 76 रन से हराया

अहमदाबाद (वार्ता)। डिफेंडिंग चैंपियन भारत को टी-20 वर्ल्ड कप के तीसरे सुपर-8 मैच में साउथ अफ्रीका के 76 रन की करारी हार झेलनी पड़ी है। टीम टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार 12 मैच जीतने के बाद हारी है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके। केशव महाराज ने 3 विकेट लिए। कॉर्बिन बॉश को 2 और ऐडन मार्करम को एक विकेट मिला। शिवम दुबे ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। इससे पहले साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने 35 बॉल पर 63 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 24 बॉल पर नाबाद 44 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए। डेविड मिलर (63), डेवाल्ड ब्रेविस (45) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 44) की शानदार पारियों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में रविवार को भारत के खिलाफ सात विकेट पर 178 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही और उसने 20 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। क्विंटन डी कॉक (छह), कप्तान एडन मारक्रम (चार) और रायन रिकलटन (सात) रन बनाकर आउट हुये।

भारत ए ने जीता महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स का खिताब

बैंकॉक (वार्ता)।

तेजल हसबनीस (नाबाद 51), कप्तान राधा यादव (36) के बाद प्रेमा रावत (तीन विकेट) सहित अन्य गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ए महिला टीम ने रविवार को बंगलादेश ए टीम को 46 रनों से हराकर महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। 135 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश ए महिला टीम को साइमा ठाकोर ने तीसरे ओवर में इश्मा तंजीम (तीन) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद शमीमा सुल्ताना और सरमिन सुल्ताना की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में प्रेमा रावत ने शमीमा सुल्ताना 15 गेंदों में (20) रन को आउट कर पवेलियन भेज दिया। सरमिन सुल्ताना (18) को राधा यादव ने आउट किया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे। लता मंडल (एक), सादिया अख्तर (10), कप्तान फाहिमा खातून (14) और फरजाना ईस्मिन (छह) रन बनाकर आउट हुई। 18वें ओवर में तनुजा कंवर ने संजीदा

अख्तर मेघला (पांच) को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई।20वें ओवर की पहली गेंद पर तनुजा कंवर ने शोरिफा खातून (नौ) को आउट कर बंगलादेश की टीम को 88 रन के स्कोर पर ढेर कर मुकाबला और खिताब 46 रनों से अपने नाम कर लिया। भारत ए महिला टीम के लिए प्रेमा रावत ने 12 रन देकर चार विकेट लिये। सोनिया मेंधिया और तनुजा कंवर को दो-दो विकेट मिले। राधा यादव, साइमा ठाकोर और मिन्नु मनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर भारत ए महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और उसने 44 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिये। दिनेश वृंदा 17 गेंदों में (19), नंदिनी कश्यप (आठ), मिन्नु मनी (शून्य) और अनुष्का शर्मा (आठ) रन बनाकर आउट हुई। ऐसे संकट के समय तेजल हसबनीस और कप्तान राधा यादव की जोड़ी ने पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 69 रन जोड़े। 17वें ओवर में फाहिमा खातून ने राधा यादव को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। राधा यादव 30 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाये। इसी ओवर की छठी गेंद पर फाहिमा खातून ने तनुजा कंवर (एक) का भी शिकार कर लिया। उन्होंने 19वें ओवर में प्रेमा रावत (चार) को भी आउट किया। हालांकि इस दौरान तेजल हसबनीस एक छोर थामे रन बनाती रही। भारत ए महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 134 रनों का स्कोर खड़ा किया। तेजल हसबनीस ने 34 गेंदों में नाबाद 51 रनों की पारी खेली।

भारतीय मूल के खिलाड़ी दुनिया में बढ़ा रहे है देश का गौरव : मोदी

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय मूल के खिलाड़ी दुनिया में अपने देश का गौरव बढ़ा रहे हैं और वहाँ के युवाओं के लिये प्रेरणा बन रहे हैं। श्री मोदी ने आज अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में आज कहा कि मैं अक्सर कहता हूँ जो खेले-वो खिले। खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 विश्व कप के मैच देख रहे होंगे और मुझे पक्का विश्वास है कि मैच देखते हुए कई बार आँखें किसी खास खिलाड़ी पर टिक जाती होंगी। जर्सी किसी और देश की होती है लेकिन नाम सुनकर लगता है कि अरे, ये तो अपने देश का है। तब दिल के किसी कोने में एक हल्की सी खुशी आती है। क्योंकि वो खिलाड़ी भारतीय मूल का होता है और वो उस देश के लिये खेल रहा होता है जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं, पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा की टीम में सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस सूची में हर्ष ठाकर, श्रेयस मोवा जैसे कई नाम हैं, जो कनाडा के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका की टीम में कई चेहरे भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं।

मध्यप्रदेश उभर रहा है दिव्यांगजन के खेलों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव-2026 नॉट आउट 100 का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश दिव्यांगजन के खेलों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। प्रदेश के कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। समाज सुधारक और चिंतक स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म शताब्दी वर्ष पर 100 घंटे लगातार क्रिकेट खेलने का यह प्रयास केवल रिकॉर्ड बनाने की कोशिश नहीं, बल्कि यह संदेश है कि जब संकल्प समाज के उत्थान के लिए होता है तो सीमाएं स्वयं समाप्त हो जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकलांग शब्द के स्थान पर दिव्यांग शब्द को स्थापित किया है। उनका यह कदम भारतीय

संस्कृति के मनोभाव के अनुरूप है। इस पहल ने विकलांग शब्द से जन सामान्य में उपजती हीनता की भावना का अंत किया है, साथ ही चुनौतिपूर्ण परि?स्थितियों में संघर्ष की अदम्य इच्छा शक्ति को प्रोत्साहित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सकारात्मक सोच के अनुरूप देश को सभी क्षेत्रों में आगे लाने के प्रयास को साकार रूप देने के उद्देश्य से ही राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव 2026 नॉट आउट्ज्ञ100 का आयोजन किया गया है। मुख्ययंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय दिव्यांगजन क्रिकेट खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस लाइन स्टेडियम में दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह भी भेंट किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रिकेट पिच पर पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा एक बॉल खेलकर मैच का शुभारंभ किया। पहला मैच मध्यप्रदेश और राजस्थान की ऑर्थो केटेगरी टीम के बीच रहा। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव को खेल महोत्सव का बैच लगाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टूर्नामेंट की कैप भी धारण की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय दिव्यांग खेल महोत्सव के अंतर्गत दिव्यांगजन का लगातार 100 घंटे क्रिकेट खेलना अद्भुत, आनंददायी और हम सबके लिए गर्व का अवसर है। उन्होंने इस आयोजन के लिए कुशाभाऊ ठाकरे न्यास और इंटर नेशनल पब्लिक पॉलिसी रिसर्च सेंटर को बधाई दी।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों से हराया

पल्लेकेले (वार्ता)। फिल साल्ट (62) की शानदार अर्धशतकीय पारी के बाद विल जैक्स (तीन विकेट) के साथ अन्य गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलतर इंग्लैंड ने रविवार को टी-20 विश्वकप में सुपर आठ मुकाबले में श्रीलंका को 51 रनों से हरा दिया। इंग्लैंड ने नौ विकेट पर 146 रनों का सामान्य स्कोर बनाने के बावजूद श्रीलंका को 16.4 ओवरों में मात्र 95 रन पर ढेर कर दिया। विल जैक्स को उनके हरफनमौला प्रदर्शन (21 रन और 22 रन पर तीन विकेट) के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 34 रन तक अपने पांच विकेट गंवा दिये। कप्तान दासुन शनाका ने हालांकि 24 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 30 रन बनाये। लेकिन इसके बाद श्रीलंका की पारी को सिमटने में ज्यादा समय नहीं लगा। महीश तीक्षणा (नाबाद 10), कामिंडु मेंडिस (13), दुनिथ वेल्लालेज (10) दहाई की संख्या में पहुंचने वाले अन्य बल्लेबाज रहे। इंग्लैंड की तरफ से विल जैक्स के तीन विकेटों के अलावा जोफ्रा आर्चर, लियाम डासन और आदिल राशिद ने दो-दो विकेट झटके। इससे आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के बल्लेबाज श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के संघर्ष करते हुए नियमित अंतराल पर अपने विकेट गंवाते रहे। इंग्लैंड को पहला झटका तीसरे ओवर में दुनिथ वेल्लालेज ने जॉस बटलर (सात) को आउट कर दिया। इसके बाद छठे ओवर में महीश तीक्षणा ने जैकब बेथेल (तीन) का शिकार किया। टॉम बैंटन (छह) रनआउट हुये। कप्तान हैरी ब्रूक 7 गेंदों में (14) और सैम करन (11) रन बनाकर आउट हुये। इस दौरान फिल साल्ट ने एक छोर थामे रन बनाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। 15वें ओवर में इंग्लैंड का छठा विकेट फिल साल्ट के रूप में गिरा। उन्हें दुनिथ वेल्लालेज ने आउट किया।

सीएम ने वैभव सूर्यवंशी को किया सम्मानित

अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्डकप-2026 में दिलाई ऐतिहासिक जीत

बिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप-2026 की विजेता भारतीय टीम के सदस्य वैभव सूर्यवंशी को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें 50 लाख का चेक और अंगवस्त्र भेंट किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को बधाई देते हुए कहा कि अंडर-19 वर्ल्ड कप-2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत में बिहार के प्रतिभावान क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा से बिहार का गौरव बढ़ाया है और वे भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। मेरी शुभकामना है कि वे भविष्य में भारतीय सीनियर टीम के लिए भी नए कीर्तिमान स्थापित करें और देश का नाम रोशन करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप इसी तरह निरंतर अच्छा खेलते रहें। राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सुविधा और आधुनिक विश्वस्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करा रही है। आपकी यह उपलब्धि बिहार के बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत है। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और सरकार आपको हर कदम पर सहयोग प्रदान करती रहेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव अनुपम कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, खेल विभाग के सचिव महेन्द्र कुमार और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविन्द्रण शंकरण सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधि राकेश तिवारी और वैभव सूर्यवंशी के परिजन मौजूद थे।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को शूट आउट में हराया

होबार्ट (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एफआईएच हॉकी प्रो लीग में अपना लगातार मैच जीता, भारत के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला और फिर शूटआउट में जीत के साथ बोनस पॉइंट हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी क्वार्टर में दो गोल से पीछे होने के बाद ज़बरदस्त वापसी करते हुए इस कॉम्पिटिशन का अपना पहला पॉइंट गंवा दिया और भारत के साथ 2-2 से ड्रॉ कर लिया। फिर उन्होंने हिम्मत बनाए रखी और शूटआउट जीतकर बोनस पॉइंट हासिल किया।

भारत एक दिन पहले वाली टीम से अलग लग रही थी क्योंकि उन्होंने शुरुआती क्वार्टर में वापसी की। उन्होंने बेहतर मौके बनाए और 15वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से आगे निकल गए, अमित रोहिदास ने रनर्स के पास से बॉल को दूर ले जाकर बाएं कोने में ज़ोरदार शॉट मारा। इसके बाद टीमों ने दूसरे क्वार्टर में कंट्रोल के लिए बहुत मेहनत की और भारत ने ब्रेक तक अपनी 1-0 की मामूली बढ़त बनाए रखी। तस्मानियाई फैंस को तीसरे क्वार्टर में रोमांचक रनिंग हॉकी देखने को मिली, जिसमें भारत ने अभी भी बेहतर क्वालिटी की सर्कल एंट्री बनाई।

एफपीआई ने फरवरी में की 31,815 करोड़ रुपये की लिवाली

मुंबई (वार्ता)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय पूंजी बाजार में 31,815 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की। शुद्ध लिवाली लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने फरवरी में 16,912 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी है। डेट में भी उनका निवेश 15,859 करोड़ रुपये बढ़ा है। वहीं, हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने 1,280 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। म्यूचुअल फंड में उनका शुद्ध निवेश 325 करोड़ रुपये रहा है। दो

महीने बाद एफपीआई लिवाल दिख रहे हैं। इससे पहले जनवरी में उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में 29,071 करोड़ रुपये और दिसंबर 2025 में 38,721 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी।

चावल, दालों में तेजी, चीनी नरम, तेलों में घटबढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ दालों में भी तेजी रही। गेहूं की कीमत लगभग स्थिर रही। चीनी में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 83 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,836 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,858 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा 13 रुपये गिरकर 3,328 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा। सोया तेल की औसत कीमत 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। पाम ऑयल में 145 रुपये और सूरजमुखी तेल में 100 रुपये की गिरावट रही। मूंगफली तेल 99 रुपये सस्ता हुआ। सरसों

तेल 56 रुपये और वनस्पति 53 रुपये फिसल गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल औसतन 79 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। उड़द दाल 64 रुपये और चना दाल 46 रुपये मजबूत हुई। मसूर दाल की कीमत 38 रुपये और मूंग दाल की 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव लगभग स्थिर रहे। वहीं, चीनी 14 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। दाल चना 7762.95 रुपये, मसूर काली 8058.82 रुपये, मूंग दाल 10154.05 रुपये, उड़द दाल 10711.44 रुपये, तुअर दाल 11131.36 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2857.50 रुपये और चावल 3835.64 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3328.07 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4302.76 रुपये और गुड़ 4982.54 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17679.21 रुपये, मूंगफली तेल 18163.84 रुपये, सूरजमुखी तेल 16492.62 रुपये, सोया तेल 14071.33 रुपये, पाम ऑयल 12727.80 रुपये और वनस्पति 14506.17 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

गिफ्ट निफ्टी ने बनाया कारोबार का नया रिकॉर्ड

गांधीनगर (वार्ता)। गिफ्ट निफ्टी ने 20 फरवरी को 23.48 अरब डॉलर के साथ कारोबार का नया रिकॉर्ड कायम किया। एनएसई अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंज (एनएसईआईएक्स) की ओर से रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 20 फरवरी को गिफ्ट निफ्टी में कुल 4,57,989 अनुबंधों के तहत 23.48 अरब डॉलर (तकरीबन 2,13,587 करोड़ रुपये) का कारोबार हुआ। यह अपने-आप में नया रिकॉर्ड है। गिफ्ट

निफ्टी ने अपना दो साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि 23 जनवरी 2024 को 22.88 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था। गिफ्ट निफ्टी गुजरात के गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (गिफ्टी आईएफएससी) में एनएसईआईएक्स का मुख्य सूचकांक है। गिफ्ट सिटी एक तरह से देश के अंदर संचालित होने वाला अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजार है जिसमें कारोबार मुख्यत: डॉलर में होता है। वहां एनएसई अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंज की स्थापना 05 जून 2017 को हुई थी। गिफ्ट आईएफएससी में इसकी बाजार हिस्सेदारी 99.6 प्रतिशत से अधिक है। गिफ्ट निफ्टी का पूर्ण संचालन 03 जुलाई 2023 को शुरू हुआ था। विज्ञप्ति के अनुसार, इसमें अबतक छह करोड़ से ज्यादा अनुबंधों के माध्यम से कुल 2.76 लाख करोड़ डॉलर का कारोबार हो चुका है।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में कमी का असर

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा आयात शुल्क में कमी के कारण अगले सप्ताह भी तेजी जारी रहने की उम्मीद है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाये गये ऊंचे आयात शुल्कों प्रशासनिक आदेशों को रद्द कर दिया। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को 150 दिन के लिए सभी देशों पर एक समान 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके लिए जारी आदेश में कहा गया है कि यह दर 24 फरवरी से लागू होगी। श्री ट्रंप ने 21 फरवरी को सोशल मीडिया पर बताया कि 10 प्रतिशत को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है, हालांकि इसके लिए अबतक कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। यह देखते हुए कि भारत के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते में अमेरिका ने 18 प्रतिशत की दर से आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया है, दरों में और कमी से निवेशक बाजार में लिवाल रह सकते हैं। बीते

सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 187.95 अंक (0.23 फीसदी) की साप्ताहिक बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 100.15 अंक यानी 0.39 फीसदी चढ़कर 25,571.25 अंक पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में गिरावट रही। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.18 प्रतिशत फिसल गया। ऑटो, आईटी और मीडिया समूहों में साप्ताहिक गिरावट रही जबकि बैंकिंग, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य, धातु और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे। खासकर सार्वजनिक बैंकों में जबरदस्त तेजी रही।

सेंसेक्स की कंपनियों में सप्ताह के दौरान एलएंडटी का शेयर सबसे अधिक 4.97 प्रतिशत चढ़ा। आईटीसी में 4.27 फीसदी, पावर ग्रिड में चार प्रतिशत, एनटीपीसी में 2.78 फीसदी, एशियन पेंट्स में 2.71 फीसदी, एक्सिस बैंक में 2.58 फीसदी और टाटा स्टील में 2.49 फीसदी की बढ़त रही। बजाज फिनसर्व का शेयर 1.67 प्रतिशत, सनफार्मा का 1.55, भारतीय स्टेट बैंक का 1.45, बीईएल का 1.32 और टाइटन का 1.30 प्रतिशत की तेजी में रहा। एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी बढ़त में रहे। इटरनल में सबसे ज्यादा 5.70 प्रतिशत की गिरावट रही। टेक महिंद्रा का शेयर 5.09 प्रतिशत, ट्रेंट का 3.82, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 3.42, मारुति सुजुकी का 1.58, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट दोनों का 1.54, आईसीआईसीआई बैंक का 1.47, भारती एयरटेल का 1.34, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.23 और इंफोसिस का 1.22 प्रतिशत टूट गया। अडानी पोर्ट्स और टीसीएस ने भी साप्ताहिक नुकसान उठाया।

शीर्ष 10 की छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 63,478 करोड़ रुपये बढ़ गया जबकि अन्य चार का 38,752 करोड़ रुपये घट गया। निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की कंपनी एलएंडटी का एमकैप 28,523 करोड़ रुपये बढ़ गया। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक के एमकैप में 16,015 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक में 9,618 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। सार्वजनिक जीवन बीमा कंपनी एलआईसी को बाजार पूंजीकरण में 5,977 करोड़ रुपये का और बजाज फाइनेंस को 3,142 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। विविध क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का एमकैप 203 करोड़ रुपये बढ़ा। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का एमकैप 15,339 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 14,632 करोड़ रुपये घट गया। आईटी कंपनी इंफोसिस का एमकैप 6,792 करोड़ रुपये और टीसीएस का 1,990 करोड़ रुपये कम हुआ। बाजार पूंजीकरण के मामले में 19,21,679 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। इसके बाद क्रमश: एचडीएफसी बैंक का एमकैप 14,03,239 करोड़ रुपये और एयरटेल का 11,27,705 करोड़ रुपये रहा।

प्रदेश में विकास को बनाया गया है राष्ट्रनिर्माण का आधार : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा का अनावरण और पर्यटक स्थल का लोकार्पण किया

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में चहुँओर तेज गति से विकास हो रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास से ही हम मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमने विकास को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया है, हम उसी संकल्प को लेकर प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश में हो रहे विकास कार्य आने वाले समय में शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं का नया केंद्र बनाएंगे। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मध्यप्रदेश सरकार विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में क्षेत्र में और तेजी से विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने जनजातीय नायक टंट्या मामा के सम्मान में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया और भगोरिया उत्सव को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने महूगांव को सौगात देते हुए यहां 100 बिस्तरों का नया अस्पताल बनाने और महूगांव नगर परिषद को नगर पालिका का दर्जा दिया जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर जिले के महू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महूगांव में 85 करोड़ रुपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस

अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा का अनावरण करते हुए 4.50 करोड़ रुपये की लागत से विकसित नानाजी देशमुख पर्यटक स्थल का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 38 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महू और एक करोड़ रुपये की लागत से निर्मित चंद्रशेखर आजाद सरोवर (काकड़पुरा तालाब) पार्क एवं घाट का लोकार्पण कर सम्पूर्ण क्षेत्र का अवलोकन भी किया।

भारत की आत्मा गांवों में बसती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख को स्मरण करते हुए कहा कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन के महान साधक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ग्राम विकास, शिक्षा और स्वावलंबन के लिए समर्पित कर दिया। नानाजी देशमुख का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है, और जब गांव मजबूत होंगे तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा। उनके द्वारा स्थापित किए गए विकास मॉडल आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

महू क्षेत्र क्रांतिसूर्य टट्या मामा की कर्मभूमि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महू क्षेत्र ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली है, वहीं निकट ही जानापाव पर्वत भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में भी प्रसिद्ध है। महू क्षेत्र क्रांतिसूर्य टट्या मामा की कर्मभूमि भी रहा है। इस कारण यह पूरा क्षेत्र एक प्रकार से तीर्थ नगरी का स्वरूप लिए हुए है। आज महू और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से औद्योगिक विकास हुआ है। चारों ओर उद्योग, कॉलेज, स्कूल और विकास कार्यों को देखकर गर्व की अनुभूति हुई।

उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों को विकास में सहभागिता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा के लिए शस्त्र और शास्त्र का ज्ञान हमारी प्राचीन परंपरा रही है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिलाओं, युवाओं, गरीबों और किसानों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि इससे इन वर्गों के जीवन में तेजी से सकारात्मक बदलाव आ रहा है। राज्य सरकार लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। इस योजना में 1000 रुपए से बढ़कर 1500 रुपए हो चुकी है और आगे भी महिलाओं के हित में निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने आयुष्मान योजना, सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए उपचार सहायता, एयर एम्बुलेंस सुविधा और अंगदान करने वालों को गार्ड ऑफ ऑनर देने जैसी पहलों का भी उल्लेख किया।

विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया। इनमें 14.44 करोड़ रुपये की लागत से अमृत 2.0 योजना अंतर्गत नवीन पेयजल लाइन, 7.52 करोड़ रुपये की लागत से स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत उपयोगित जल प्रबंधन योजना, 10.40 करोड़ रुपये की लागत से महू-नीमच रोड निर्माण, 2 करोड़ रुपये की लागत से महूगांव मुक्तिधाम पर घाट निर्माण, 1.03 करोड़ रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, 2.50 करोड़ रुपये की लागत से गायकवाड़ चौराहे से महूगांव स्कूल तक सड़क निर्माण तथा 1.51 करोड़ रुपये की लागत से गौशाला रोड निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में कन्या-पूजन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये।

मन की बात' जन-भावनाओं का सम्मान करने की देती सीख : पटेल

राज्यपाल ने 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रशिक्षणाधीन पुलिस अधिकारियों के साथ सुना

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मन की बात कार्यक्रम केवल एक रेडियो प्रसारण नहीं है, बल्कि देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों और जन-भागीदारी की जीवंत गाथा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का जनता से सीधा जुड़ाव होता है। मन की बात समाज की नब्ज समझने और जन-भावनाओं का सम्मान करने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मंच से विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के लिए कुछ अनूठा करने वाले गुमनाम नायकों की चर्चा करते हैं। इन कहानियों से प्रेरणा लेकर पुलिस बल के सदस्य अपने व्यक्तित्व को और अधिक संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि इस कार्यक्रम को केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं मानें, बल्कि इसे नियमित सुनने की आदत में बदलें। राज्यपाल श्री पटेल रविवार को मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में प्रशिक्षाणाधीन पुलिस के युवा अधिकारियों और नव आरक्षकों को मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण से पूर्व संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रशिक्षुओं से कहा कि प्रशिक्षण का यह समय आपके भविष्य की नींव है। यहाँ से सीखी गई बातें और मोदी जी के विचार आपके करियर में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान कानून की बारीकियां सीखते हैं। मन की बात आपको लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत करती है। पुलिस के व्यवहार में शालीनता और तत्परता होनी चाहिए, ताकि पीड़ित व्यक्ति आपके पास आते समय सुरक्षित महसूस करें। पुलिस बल में अनुशासन के साथ सहानुभूति का होना अनिवार्य है। मन की बात हमें वही मानवीय दृष्टिकोण प्रदान करता है। वर्दी केवल सत्ता का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्य शैली ऐसी होनी चाहिए जो समाज में पुलिस की छवि को एक मित्र और रक्षक के रूप में स्थापित करें। मन की बात में देश के अलग-अलग हिस्सों की सफलता की कहानियाँ सुनने से पता चलता है कि व्यक्ति का छोटा सा प्रयास भी बड़े परिवर्तन ला सकता है। जरूरी है कि स्वयं को केवल ड्यूटी तक सीमित नहीं रखें, बल्कि एक चेंज मेकर के रूप में समाज में अपनी पहचान बनाएं।उन्होंने कहा कि मन की बात में प्रधानमंत्री जी स्वच्छता, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसे विषयों पर जो मार्गदर्शन देते हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में लागू करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का संवाद सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी सकारात्मकता कैसे बनाए रखी जाए। आधुनिक युग में अपराध की प्रकृति बदल रही है, इसलिए मानसिक रूप से सजग और वैचारिक रूप से समृद्ध होने की आवश्यकता है। 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनकर चिंतन करें कि इसमें बताई गई कौन सी बात आप अपने जीवन और कार्यशैली में उतार सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि देश भक्ति-जन सेवा की गौरवशाली परंपरा को वे सशक्त, अनुशासित और मानवीय पुलिस बल के रूप में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे।

द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन पूजा करने पहुंचे विधायक जयंत मलैया

दमोह (स्वतंत्र मत)। द्वादस ज्योतिर्लिंगों के दर्शन पूजा करने दमोह विधायक एवं पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया सेवा केन्द्र जटाशंकर धाम दमोह पहुंचे। उन्होंने अत्यंत प्रसन्नता के साथ कहा दमोह शहर के लिये यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जो एक ही साथ एक ही स्थान पर सभी तीर्थों दर्शन पूजा कर सकेंगे। उन्होनें द्वादस ज्योतिर्लिंगों मंदिरों का दर्शन कर आरती की। उस अवसर पर बड़ी संख्या में नगरवासियों की उपस्थिति रही।

पुलिस अधीक्षक ने 2 प्रकरण में 4 हजार का किया ईनाम घोषित

दमोह (स्वतंत्र मत)।

पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने दमोह जिले अंतर्गत थाना कोतवाली एवं थाना दमोह देहात के 2 प्रकरण में 4 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने प्रकरणों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये जिले के थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 101/2023 धारा 379 भादवि के तहत अरोपी समोद बहेलिया पिता भूरे बहेलिया 27 साल निवासी नगला उसर थाना कुरावली जिला मैनपुरी उत्तरप्रदेश पर 2 हजार एवं थाना दमोह देहात के अपराध क्र. 854/25 धारा 331 (4) ए 305 (ए) बीएनएस के तहत अरोपी संतोष पटैल पिता नारान पटेल 64 वर्ष निवासी ग्राम खजांची की बेहार बरखेड़ा दुर्गादास थाना दमोह देहात पर 2 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने जानकारी दी है कि उक्त प्रकरणों में जो कोई व्यक्ति/कर्मचारी/अधिकारी आरोपियों को गिरफ्तार करेगा या करायेगा या ऐसी उपयुक्त सूचना देगा जिससे फरार आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हो सके। ऐसे व्यक्ति को नकद पुरूस्कार से पुरूस्कृत किया जायेगा। उक्त ईनाम प्रदान करने के संबंध में पुलिस अधीक्षक का निर्णय अंतिम होगा।

वृहद स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

भारत विकास परिषद शाखा दमोह द्वारा ग्राम ककरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ककरा ग्राम के एवं आसपास क्षेत्र के 560 ग्रामीणजनों ने शिविर में आकर पंजीयन करा कर चिकित्सकों को दिखाया शिविर में 52 आयुष्मान कार्ड बनाए गए एवं 300 से अधिक आभा आईडी की ऑनलाइन प्रक्रिया आरंभ की गई। इस शिविर में क्षय रोग परीक्षण शुगर बीपी एवं रक्त जांच की गई कुपोषित बच्चों की जांच एनआरसी के तहत की गई। इसके अतिरिक्त शिविर में खूब लाल पटेल हाई स्कूल भारत विकास परिषद एवं शेडमेप के सदस्यों द्वारा रक्तदान किया गया तथा शिविर में नि:शुल्क दवा वितरण भी किया गया। शिविर में डॉ. हरीश खंडेलवाल, डॉ अमित जैन, डॉ. प्रदीप शेंडेय, डा प्रिया जैन, डॉ नीना विलियमसन, डॉक्टर जेपी बागरी, डॉक्टर प्रियंका छाबड़ा, डॉ. अनामिका खरे, डॉक्टर सृष्टि अरोरा, डॉ रौनक अरोरा, डॉक्टर आरके पटेल, डॉ अनुराग कुमार, डॉ. बृजेश कुलपरिया, डॉ. अनंत राम पटेल, डॉ. प्रिया खरे, डॉ. शुभम राव एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया की स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। शिविर का शुभारंभ राज्यमंत्री लखन पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं शाखा की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती किरण दुबे गोस्वामी, की अध्यक्षता एवं प्रांत संगठन मंत्री राजीव कृष्ण बिल्थरे, संगीता श्रीधर जनपद सदस्य, डॉ. सोनल राय, श्रीमती सरोज पटेल, प्राचार्य खूब लाल पटेल हाई स्कूल ककरा की विशिष्ट अथित्य में संपन्न हुआ। संचालन महेंद्र ताम्रकार जिला संगठन मंत्री द्वारा किया गया तथा आभार राजेंद्र पटेल उपाध्यक्ष द्वारा किया गया।

शिविर को सफल बनाने में सचिन यादव सचिव, मिथिलेश मिश्रा कोषाध्यक्ष, महेंद्र पटेल, राकेश चौरसिया, विक्रम राजपूत की भागीदारी रही तथा क्रांटम सोलर की समस्त टीम एवं मुकेश तिवारी का योगदान रहा। डॉ. रवि प्रकाश गोस्वामी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मजदूरों-कर्मचारियों की मांगों को लेकर देशव्यापी विशाल रैली धरना प्रदर्शन 25 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री देवेंद्र चौबे ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ के समस्त अनुसांगिक संगठनों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख धर्मेंद्र चौबे, बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रवीण तिवारी ने की। बैठक में ज्ञापन प्रभारी एवं सह ज्ञापन प्रभारी जिले में संख्यात्मक दृष्टि से भव्यता के साथ ज्ञापन धरना प्रदर्शन को सफल बनाने हेतु संघ की रचना अनुसार कार्य को गति देंगे। भारतीय मजदूर संघ के 21 वे अखिल भारतीय अधिवेशन में तय हुआ था, तदनुसार भारतीय मजदूर संघ इन मांगों की ओर केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार का ध्यान आकर्षण करने के लिए पूरे देश में 25 फरवरी को विशाल रैली धरना प्रदर्शन संगठन द्वारा दमोह में आयोजित किया गया है। भारतीय मजदूर संघ के समस्त अनुसांगिक संगठनों की उपस्थिति में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने संख्यात्मक दृष्टि से सहमति एवं भव्यता के साथ 25 फरवरी को दोपहर 3 बजे बेलाताल टापू पर एकत्रीकरण का रैली के रूप में जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा जावेगा।

विधानसभा घेराव के संबध में हुई पत्रकार वार्ता

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा 24 फरवरी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में विधानसभा घेराव को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकारों कां संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अजय टंडन ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में कृषि उत्पादो पर आयात शुल्क में संभावित कमी से मध्यप्रदेश के कपास, सोयाबीन और मक्का उत्पादक किसानों को गंभीर नुंकसान हो सकता है। उसकी मांग है कि भारत अमेरिका ड्रेड डील के संबंध में विस्तृत श्वेत पत्र जारी किया जाये। पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनु मिश्रा ने कहा कि कलंकित मंत्री कैलाश विजय वर्गीय, राजेन्द्र शुक्ल, विजय शाह जिन्होनें निर्दोष मौतों की जिम्मेदारी न लेते हुए महिलाओं पर अर्नगल ब्यान दिये है उनके स्थीफे लिये जाये अथवा बर्खास्त किया जाये। संजय चौरसिया, रजनी ठाकुर, परम यादव,

प्रफुल्ल श्रीवास्तव, नितिन मिश्रा, वीरेन्द्र राजपूत, शमीम कुरैशी, डालचंद कुशवाहा, श्रीकांत पटेल, अजय जाटव, रियाज खान ने जिले के कांग्रेसजनों से उक्त कार्यक्रम में अपने वाहन साधन से पहुंचने की अपील करते हुए लोकसभा के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी आ रहे है। पत्रकार बंधुओ से कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों के हितों की संवैधानिक और नीतिगत सुरक्षा सुनिश्चित की जाएं एवं भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र एवं प्रदेश सरकार किसानों के लिये मूल्य सुरक्षा एवं आय संरक्षण की ठोस व्यवस्था लागू की जाये न कि किसानों की आय पर नकारात्मक प्रभाव डाला जाए।

जिला प्रशासन की किसानों से आग्रह

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले अंतर्गत सतधरु सिंचाई परियोजना, साजली सिंचाई परियोजना, पंचमनगर सिंचाई परियोजना और जूड़ी सिंचाई परियोजना से जुड़े किसानों को जिला प्रशासन ने सूचित किया है कि वे इस वर्ष रबी फसल की कटाई उपरांत किसी भी ग्रीष्मकालीन फसल का रोपण ना करें। उक्त परियोजनाओं का कार्य खाली खेतों की अनुपलब्धता के कारण पूरा नहीं हो पा रहा है। अत: सभी किसान फसल कटाई के तुरंत पश्चात उपरोक्त परियोजनाओं में सूची अनुसारए कमांड क्षेत्र के ग्रामों में, चिन्हित किसानों के खेतों परए संबंधित निर्माण एजेंसियों द्वारा पाइपलाइन का कार्य पूर्ण करना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को लुप्तप्राय प्रजातियों के 5 गिद्धों को हलाली डेम क्षेत्र में करेंगे मुक्त

मध्यप्रदेश में उपग्रह टेलीमेट्री जैसे नवाचारों से बढ़ रही है गिद्धों की संख्या

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 फरवरी सोमवार को हलाली डेम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्धों को प्राकृतिक आवास में मुक्त करेंगे। इनमें चार भारतीय गिद्ध और एक सिनेरियस गिद्ध शामिल हैं। उच्च परिशुद्धता वाले जीपीएस-जीएसएम उपग्रह ट्रांसमीटरों से सुसज्जित पाँच दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों को भोपाल स्थित गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र में व्यवस्थित अनुकूलन और अवलोकन अवधि के बाद मुक्त किया जा रहा है। टैगिंग प्रक्रिया सभी संबंधित संस्थाओं एवं वन विभाग के

प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वाइल्डलाइफ एसओएस के वन्यजीव पशु चिकित्सक की देखरेख में हुई। यह पहल मध्यभारत के विकसित होते 'गिद्ध परिदृश्य' को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जहाँ भारतीय गिद्ध सामान्यत: एक ही क्षेत्र में रहते हैं, वहीं सिनेरियस गिद्ध मध्य एशियाई फ्लाईवे के अंतर्गत लंबी दूरी का प्रवास करते हैं, जो 30 से अधिक देशों तक फैला विश्व का एक प्रमुख प्रवासी पक्षी गलियारा है। पक्षी संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्यप्रदेश वन विभाग ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के सहयोग से गिद्धों की गतिविधियों और निगरानी के लिए उपग्रह टेलीमेट्री कार्यक्रम प्रारंभ किया है। टेलीमेट्री से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से गिद्धों के भूदृश्य उपयोग, आवागमन पैटर्न और मानव-जनित दबावों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है। इससे प्रमुख पड़ाव स्थलों और भोजन क्षेत्रों की पहचान, संरक्षित एवं मानव-प्रधान क्षेत्रों में उनकी पारिस्थितिकी को समझने तथा बिजली के झटके, विषाक्तता और आवास क्षरण जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिल रही है।

मालवा की अनुकूल भौगोलिक स्थिति और सुदृढ़ अधोसंरचना से औद्योगिक विकास को मिली नई गतिः मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह में हुए सम्मिलित

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में मालवा का अपना विशिष्ट महत्व है। मालवा क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और भौगोलिक स्थिति उद्योगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक 8-लेन एक्सप्रेस-वे से दूरी कम होने से यातायात और लॉजिस्टिक्स की सुविधाएं सुदृढ़ हुई हैं। प्रदेश सरकार द्वारा नए प्रोजेक्ट्स के माध्यम से परिवहन और आधारभूत संरचना को और मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उद्योग, महिला, किसान और गरीब-हर वर्ग के विकास की बयार देश में बह रही है। विभिन्न वैश्विक संगठनों के साथ व्यापारिक समझौते और नई ट्रेड डील्स के माध्यम से भारत निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होकर विश्व पटल पर अपना परचम लहरा रहा है। देश व्यापार और वाणिज्य के स्वर्णिम काल की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उद्योगों का दायरा निरंतर विस्तारित किया जा रहा है, जिससे औद्योगिक विकास की अवधारणा केवल पीथमपुर तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश और देश में नए आयाम स्थापित करे। हमारी सरकार प्रदेश को औद्योगिक क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने तथा अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भी संभावनाओं को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एमपीआईडीसी के माध्यम से इंडस्ट्रियल बेल्ट के समग्र विकास के प्रयास प्रदेश को नई उपलब्धियां प्रदान करेंगे। ये प्रयास मध्यप्रदेश को औद्योगिक

रूप से फ्रेंडली प्रदेश बनाने में कारगर सिद्ध होंगे और उद्यमशीलता के विकास को नई दिशा देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. गौतम कोठारी ने साहित्य की साधना के माध्यम से पीथमपुर की 40 वर्षों की भावपूर्ण यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। वर्ष 1983-84 के दशक में जब मूलभूत सुविधाओं का अभाव था, तब भी पीथमपुर की औद्योगिक बेल्ट ने संघर्ष, परिश्रम, धैर्य और नवाचार के बल पर अपनी पहचान स्थापित की।

आज फार्मास्युटिकल से लेकर ऑटोमोबाइल तक हर क्षेत्र में पीथमपुर ने देश और प्रदेश में विशिष्ट स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में समर्पित भवन की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि यह भवन वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और पेशेवर उत्कृष्टता को नई मजबूती प्रदान कर रहा हैं ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की 40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी द्वारा लिखित स्मारक ग्रंथ का विमोचन किया। यह ग्रंथ पीथमपुर की औद्योगिक उत्कर्ष गाथा, उपलब्धियों एवं क्रमिक विकास का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत करता है। पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने एवं निवेश संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों हेतु मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रदेश के औद्योगिक विकास में उनके नेतृत्व एवं प्रतिबद्धता के लिए साधुवाद दिया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं दिनेश कुमार मिश्रा (अधिवक्ता) अपने पक्षकार श्रीमति ममता तिवारी पति गोविंद प्रसाद तिवारी निवासी म.नं. 906/1, 2302 राम नगर व्ही.एफ.जे. रोड राँझी जबलपुर से अधिकृत होकर उनसे प्राप्त निर्देशों के अनुसार आम जनता को सूचित किया जाता है कि उनका मकान सम्पत्ति आई.डी. क्रमांक 1000413039 है। उपरोक्त पते का मकान उनके चालू नाम शीला तिवारी के नाम से नगर निगम रिकार्ड में दर्ज है। जिसमें श्रीमति शीला तिवारी के नाम के स्थान पर ममता तिवारी पति गोविंद तिवारी नाम परिवर्तन किया जा रहा है। इस नाम परिवर्तन से जिसे कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के सूचना दिनांक से सात दिवस के भीतर मुझे या मेरे पक्षकार अथवा नगर निगम कार्यालय राँझी जबलपुर में प्रस्तुत करें।

दिनांक : 22/02/2026
स्थान : राँझी, जबलपुर

दिनेश कुमार मिश्रा
(अधिवक्ता)
आफिस/निवास : 575/2 शांति नगर,

हिट एंड रन शहर की सड़कों पर आधी रात लग्जरी कार ने मचाया कोहराम

ओमती थाना क्षेत्र की घटना

कई लोग बुरी तरह हुए घायल

14 साल का मासूम गंभीर रूप से घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

ओमती थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार लग्जरी कार के चालक ने शराब के नशे में धुत होकर जमकर उत्पात मचाया। रात करीब 11.50 बजे भंवरताल गार्डन से शुरू हिट एंड रन का सिलसिला इनकम टैक्स ऑफिस और रसल चौक तक जारी रहा। इस दौरान कार ने राहगीरों, पुलिस कर्मचारी और आधा दर्जन से अधिक वाहनों को टक्कर मारी। हादसे में कार चालक, पुलिस कर्मचारी सहित 5 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार भंवरताल गार्डन की ओर से बेहद तेज गति से आई और रसल चौक पर सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदते हुए आगे बढ़ गई। इसके बाद कार ने रास्ते में एक युवती और अन्य राहगीरों को टक्कर मारी। चश्मदीदों ने बताया कि कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो चुका था, लेकिन उसने रफ्तार कम नहीं की।

कई गाड़ियों के उड़े परखच्चे

सड़कों पर बेकाबू होकर दौड़ रही इस कार ने इनकम टैक्स क्षेत्र में मुन्ना पान के पास भारी तबाही मचाई। यहां कार ने एक गैस सिलेंडर लदे वाहन को जोरदार टक्कर मारी। रास्ते में खड़ी 3 कारों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। 3 से 4 मोटरसाइकिलों को रौंद डाला। यह खौफनाक सफर तब थमा जब कार मिंट पार्क की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया।

नि:शुल्क दंत परीक्षण कर हितकारिणी डेंटल की टीम ने लोगों को किया जागरूक

एसएएफ ग्राउंड में लगाया गया शिविर

आयोजक समिति ने भेंट किया स्मृति चिन्ह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एसएएफ ग्राउंड, रांझी में रोटरी क्लब प्रीमियर, जबलपुर द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल की टीम द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई। रोटरी क्लब के सहयोग एवं समन्वय से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में 4 सदस्यीय दंत चिकित्सकों की विशेषज्ञ टीम द्वारा लगभग 85 से अधिक लोगों का नि:शुल्क दंत परीक्षण किया गया, जिसमें दंत क्षय, मसूड़ों की बीमारियों, दांतों में दर्द, मुख संक्रमण एवं अन्य मौखिक रोगों की पहचान कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी सुझाव प्रदान किए गए। हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश धीरावाणी एवं अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि में पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अंकिता सिंह सहित अन्य दंत चिकित्सकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नि:शुल्क दवाइयों का वितरण - हितकारिणी डेंटल कॉलेज की ओर से कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही मौखिक स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टूथपेस्ट एवं माउथवॉश जैसे दंत स्वच्छता उत्पादों का भी नि:शुल्क वितरण किया गया, जिससे लोगों को अपने दांत एवं मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजक समिति द्वारा हितकारिणी डेंटल कॉलेज की टीम को उनके सराहनीय योगदान हेतु धन्यवाद स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

छत से गिरीं 2 युवतियां दोनों की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

खमरिया थाने में मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि कु. मानसी शुक्ला उम्र 23 वर्ष निवासी बड़ा पत्थर रांझी अपनी बहन के घर सैनिक सोसायटी में छत से गिरने के कारण घायल अवस्था में उपचार हेतु भाई प्रतीक शुक्ला द्वारा निजी हास्पिटल में भर्ती कराया था। जिसके बाद घायल मानसी शुक्ला को उनके जीजा ओम यामिनी द्वारा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जहां पर उपचार के दौरान बीती रात कु. मानसी शुक्ला की मृत्यु हो गई है। इसी प्रकार बेलबाग थाने में निजी अस्पताल ने सूचना देकर बताया कि कु. हंसिका वर्मा उम्र 15 वर्ष निवासी बाई का बगीचा घमापुर की बीती रात घर की छत से गिरने से कान एवं नाक में चोट आने से घायल अवस्था में पिता हितेश वर्मा द्वारा भर्ती कराया गया था। जहां पर उपचार के दौरान कु. हंसिका वर्मा की मृत्यु की हो गयी है। पुलिस ने दोनों ही मामलो को जांच में लिया है।

कांग्रेस सेवा दल का मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस सेवा दल द्वारा रविवार को मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर कांग्रेस सेवा दल अध्यक्ष सतीश तिवारी ने बताया कि कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई के निर्देशानुसार माह के अंतिम रविवार को इस गौरवशाली इतिहास को याद करने की परंपरा है। इसमें ध्वज वंदन एवं विधिवत राष्ट्रगान से संपन्न होता है। इसी कड़ी में रविवार को शहर कांग्रेस कमेटी के मौलाना अबुल कलाम आजाद ब्लॉक के अध्यक्ष सिद्धांत जैन के सौजन्य से कोतवाली में एकत्रित हुए हैं। इस कार्यक्रम में महिला विंग अध्यक्ष एड मीनाक्षी स्वामी, राकेश चक्रवर्ती, सुनील सराठे ,विष्णु विनोदिया, जितेंद्र यादव, महेश तिवारी, विनय नेमा, श्वेता दुबे स्वर्णिम जैन समैया, सक्षम ताम्रकार, एड. आकाश तिवारी, अलकेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

लेफ्ट टर्न में बाधित अतिक्रमणों को हटाया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रविवार को छोटी लाइन फाटक आदिशंकराचार्य चौराहा के चारों तरफ अस्थाई अतिक्रमणों, सड़क पे बढ़ाए गए अवैध अतिक्रमण, लेफ्ट टर्न के अतिक्रमण, आदि हटाने की कार्यवाही की गई और आदतन अतिक्रमण कर्ताओं के समान की जब्ती भी की गई। इसी प्रकार छोटी लाइन फाटक से लेकर रामपुर चौक तक यातायात में बाधक सभी अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इसी क्रम में त्रिपुरी चौक चौराहे पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। धनवंतरी चौराहे पर कार्यवाही की गई।

टिकट चेकिंग अभियान से पमरे ने वसूला 8.94 करोड़ का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के जनवरी माह में कुल 01 लाख 37 हजार मामले पकड़े और अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 08 करोड़ 94 लाख रूपए का राजस्व अर्जित किया है। जो इसी माह में पिछले वर्ष वसूले गये जुर्माने (कुल 07 करोड़ 39 लाख रूपए) की तुलना में 20.99 प्रतिशत अधिक है। साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (08 करोड़ 82 लाख रुपए) से 1.33 प्रतिशत अधिक है। मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड द्वारा मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जांच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 03 हजार प्रकरण से रेलवे ने 17 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है। जबलपुर मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 59 हजार प्रकरण से रेलवे ने 03 करोड़ 96 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है। इसी प्रकार भोपाल मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 45 हजार प्रकरण से रेलवे ने 02 करोड़ 72 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है।। कोटा मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जांच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 30 हजार प्रकरण से रेलवे ने 02 करोड़ 09 लाख रूपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है।

स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों की हुई बैठक, लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रविवार को गांधी भवन टाउन हॉल में मप्र कांग्रेस कमेटी के जबलपुर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज उत्तराधिकारी परिवार प्रकोष्ट के शहरी एंव ग्रामीण क्षेत्रों के वंशज उत्तराधिकारियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सिहोरा से उपस्थित वंशज उत्तराधिकारी विजय कुमार कुररिया ने की। संचालन वंशज उत्तराधिकारी मनोज नामदेव ने किया। बैठक में विडियो कॉल पर भोपाल से मप्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ट के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी ने बैठक में उपस्थित सभी वंशज उत्तराधिकारीयों से परिचय किया और सभी के बीच बहुत ही शीघ्र जबलपुर जिला एंव नगर स्वतंत्रता वंशज उत्तराधिकारी परिवार प्रकोष्ट के दोनों अध्यक्ष व उनकी कार्याकारणी की नियुक्तीयां कर एक सप्ताह के भीतर शीघ्र घोषित करने के निर्देश जारी किया। बैठक में केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार को स्मरण कराने शीघ्र ही वंशजो उत्तराधिकारियों को मिलने वाली सुविधाओं को लागू कराने प्रदेश स्तर पर संगठन प्रकोष्ट पहल करने जायेगी। बैठक में शिव मंगल यादव, पवन सोनी, ओम प्रकाश जयसवाल, एड. प्रकाश चंद्र गोल्छा, पं. आशीष व्यास, निर्मल चंद जैन, राजेन्द्र रज्जू सराफ, अशोक यादव आदि उपस्थित रहे।

होली उत्पादों के विक्रय के लिए हाट बाजार में लगा विशेष काउंटर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले में गठित महिला स्व-सहायता समूहों के होली उत्पादों के विक्रय के लिये रेल सौरभ कॉलोनी कांचघर रोड स्थित महाकौशल हाट बाजार में विशेष काउंटर प्रारंभ किया गया है। महिला सशक्तिकरण, स्वाभिमान और आत्मनिरता के प्रतीक इस काउंटर पर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित प्राकृतिक रंगों के साथ.साथ शुद्ध मावा से बनी गुजियाए मिठाई, नमकीन और पारंपरिक कुर्ते विक्रय के लिये रखे गये हैं। महिला स्व-सहायता समूहों के होली उत्पादों के विक्रय काउंटर की स्थापना कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत के निर्देश पर की गई है। काउंटर में विक्रय के लिये रखे गये केमिकल मुक्त रंग स्व-सहायता समूह की दीदीयों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में सहज उपलब्ध फल- फूल और सब्जियों से बनाये गये हैं। पूरी तरह प्राकृतिक, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल इन रंगों के अलावा होली के त्यौहार की मिठास को और बढ़ाने दीदीयों द्वारा घर पर शुद्ध मावा से बनाये गई गुजिया तथा होली के मौके पर पहने जाने वाले पारंपरिक कुर्ते भी इस काउंटर के विशेष आकर्षण हैं।

भरभराकर गिरा रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर बना ब्रिज का हिस्सा, मचा हड़कंप

शहपुरा रेलवे क्रॉसिंग का मामला, जबलपुर-भोपाल मार्ग प्रभावित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर से भोपाल को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे-45 पर शहपुरा के समीप रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर बना ब्रिज का एक हिस्सा रविवार शाम धंस गया। ब्रिज के धंसने के बाद मार्ग को बंद कर दिया गया है। घटना के बाद मौके पर यातायात रोक दिया गया और वैकल्पिक व्यवस्था लागू की गई है। जानकारी के मुताबिक यह वही ब्रिज है जिसकी दूसरी लेन का हिस्सा दिसंबर में क्षतिग्रस्त हुआ था। तब से आवागमन एक लेन से कराया जा रहा था, जबकि दूसरी लेन पर मरम्मत/निर्माण कार्य चल रहा था। वर्तमान में जिस हिस्से में निर्माण कार्य जारी है, उसके बीच यह नई क्षति सामने आई है।

एक लेन से चल रहा था ट्रैफिक- दिसंबर में हुए नुकसान के बाद ब्रिज की दूसरी लेन बंद कर दी गई थी। यातायात को सीमित कर एक लेन से संचालित किया जा रहा था। निर्माण एजेंसी द्वारा मरम्मत कार्य जारी था। इसी दौरान ब्रिज के एक अन्य हिस्से में धंसाव की स्थिति बनी, जिसके बाद प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से मार्ग बंद कर दिया। मार्ग बंद होने के बाद कुछ हल्के वाहनों को शहपुरा बस्ती के भीतर के मार्ग से डायवर्ट किया गया है। भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। स्थानीय स्तर पर पुलिस और प्रशासनिक अमला तैनात किया गया है, ताकि यातायात को नियंत्रित किया जा सके। यह ब्रिज शहपुरा रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रैफिक दबाव कम करने के उद्देश्य से बनाया गया था। वर्तमान में तकनीकी टीम द्वारा धंसे हिस्से की जांच की जा रही है। संबंधित विभाग का कहना है कि सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए यातायात रोका गया है और स्थिति का आकलन किया जा रहा है। फिलहाल जबलपुर-भोपाल मार्ग पर आवागमन प्रभावित है। वैकल्पिक मार्गों से यातायात संचालित किया जा रहा है। मरम्मत और संरचनात्मक जांच पूरी होने के बाद ही मार्ग बहाल किए जाने का निर्णय लिया जाएगा।

एक्टिवा सवार को ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर, धड़ से अलग हुआ सिर

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा, आरोपी चालक गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माढ़ोताल थाना क्षेत्र में शासकीय आईटीआई के सामने एक तेज रफ्तार ट्रक ने अनियंत्रित होकर एक एक्टिवा सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मारते हुए उसके ऊपर से गुजर गया। इस हादसे में युवक को सिर धड़ से अलग हो गया और मौके पर उसकी मौत हो गई। माढ़ोताल थाना प्रभारी के मुताबिक मृतक की पहचान 19 वर्षीय विशाल चौधरी निवासी मालगोदाम के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि रविवार को शाम करीब 5 बजे की है। यहां माढ़ोताल थाना क्षेत्र में शासकीय आईटीआई के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवती को टक्कर मार दी। हादसे में युवती का सिर उसके धड़ से अलग हो गया। मृतक की पहचान 23 वर्षीय सुमन भवेदी निवासी ग्राम कारी गडेहरी थाना शहपुरा जिला डिण्डोरी के रूप में हुई। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**